नईदुनिया

तापमान

भोपाल	20.0°	37.0°
इंदौर	20.0°	35.0°
जबलपुर	21.0°	35.0°
ग्वालियर	19.0°	35.0°
सागर	18.0°	37.0°

वर्ष- 79
(भोपाल : वर्ष 41 अंक 128, पृष्ठ 12)
वैशाख, कृष्ण चतुर्थी संवत् 2083
सोमवार, 6 अप्रैल 2026
राजधानी संस्करण
कीमतः 3:00 रुपये

www.naiduniaonline.com
भोपाल एवं सागर से एकसाथ प्रकाशित

राजधानी... विधानसभा के पूर्व अध्यक्ष यज्ञदत्त शर्मा को ...

खेल... आईपीएल 2026: अब टी20 में फिनिशर जैसी ...

व्यापार... आठवें वेतन आयोग की प्रक्रिया में तेजी, ...

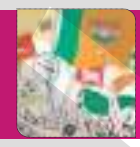

देश-विदेश... चुनावी रेवड़ियों से राज्यों का बजट ...

खास-खबरें

सर्च ऑपरेशन, तीन संदिग्ध दिखे

नईदुनिया ब्यूरो, सांबा : जम्मू-कश्मीर के सांबा जिले में दारुई इलाके में तीन संदिग्ध लोगों की रिपोर्ट मिलने के बाद सुरक्षा बलों ने तलाशी अभियान शुरू किया। ग्रामीण ने बताया कि तीन अज्ञात व्यक्ति अंधेरे में सूखे नाले के किनारे-किनारे आगे बढ़ रहे थे, जिनमें से एक के पास भारी बैगपैक था। हालांकि, उनके पास कोई हथियार नहीं दिखाई दिया, फिर भी उन्हें आतंकवादी होने का संदेह था। स्पेशल ऑपरेशंस ग्रुप, सेना और अर्धसैनिक बलों ने अभियान शुरू किया। तलाशी अब भी जारी है, लेकिन संदिग्धों से अभी तक कोई संपर्क नहीं हो पाया है।

कोर्ट में एआई के उपयोग पर रोक

नईदुनिया ब्यूरो, अहमदाबाद: गुजरात हाई कोर्ट ने न्यायिक प्रक्रिया में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) के उपयोग पर सख्त पॉलिसी लागू करते हुए स्पष्ट किया है कि अब फैसले केवल मानवीय विवेक और तर्क से ही होंगे। कोर्ट ने फैसला लिखने, कानून की व्याख्या, सबूतों के विश्लेषण, सजा-जमानत तय करने और अंतिम आदेश देने में एआई के उपयोग पर पूरी तरह रोक लगा दी है। कोर्ट ने चेताया कि एआई में 'हैलुसिनेशन', पक्षपात और गोपनीयता उल्लंघन जैसे गंभीर जोखिम हैं, जो न्यायिक स्वतंत्रता को प्रभावित कर सकते हैं। यह पॉलिसी हाईकोर्ट से जिला कोर्ट तक सभी न्यायिक अधिकारियों पर लागू होगी।

रेस्टोरेंट पर विमान गिरा, चार की मौत

रियो ग्रांडे डो सुल, एजेंसी: ब्राजील के रियो ग्रांडे डो सुल राज्य में एक छोटा विमान रेस्टोरेंट पर गिर गया, जिसमें पायलट और तीन यात्री, जिनमें एक दंपति भी शामिल था, की मौत हो गई। विमान साओ पाउलो से कापाओ दा कनोआ एयरपोर्ट की ओर जा रहा था और लैंडिंग से पहले खंभे से टकरा कर रेस्टोरेंट में गिरा। हादसे के समय रेस्टोरेंट बंद था, इसलिए कोई जमीन पर हताहत नहीं हुआ। आग फैलने पर आसपास के लोगों को सुरक्षित बाहर निकाला गया। राज्य के गवर्नर ने सभी सुरक्षा एजेंसियों को तैनात कर स्थिति पर नजर रखी।

गैस लाइटर फैक्ट्री में आग, 5 की मौत

ढाका, एजेंसी: बांग्लादेश की राजधानी ढाका के पास केरानिगंज के कदमतली इलाके में गैस लाइटर बनाने वाली फैक्ट्री में शनिवार दोपहर भीषण आग लग गई। हादसे में 5 लोगों की मौत हो गई। आग लगते ही अफरा-तफरी मच गई और दमकल की सात यूनिट मौके पर तैनात की गईं। कई घंटों की मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया गया। राहत और बचाव दल ने मलबे से मृतकों के शव बरामद किए। अधिकारियों के अनुसार, आग लगने के कारणों का फिलहाल पता नहीं चल सका है और मामले की जांच जारी है। जांच के बाद दोषी लोगों पर कार्रवाई की जाएगी।

दावा: अमेरिका ने तकनीक सुरक्षित रखने के लिए विमान खुद जलाए

ईरान ने अमेरिका के दो हेलिकॉप्टर और दो ट्रांसपोर्ट विमान मार गिराए

तेल अवीव/तेहरान/वॉशिंगटन डीसी, एजेंसी : ईरान ने दावा किया है कि उसने अमेरिकी रेस्क्यू ऑपरेशन के दौरान दो हेलिकॉप्टर और दो ट्रांसपोर्ट विमान मार गिराए।

इस्लामिक रेवोल्यूशनरी गार्ड कॉर्प्स (आईआरजीसी) के अनुसार यह कार्रवाई इस्फहान के दक्षिणी इलाके में की गई, जब अमेरिकी सेना अपने पायलट को बचाने का प्रयास कर रही थी। ट्रम्प ने बताया कि इस ऑपरेशन में दो एफ-130 ट्रांसपोर्ट विमान और दो ब्लैक हॉक हेलिकॉप्टर को तबाह कर दिया गया, जिससे अमेरिकी रेस्क्यू मिशन विफल हो गया। ईरानी अधिकारियों के अनुसार, इस घटना के दौरान अमेरिकी पायलट को बचाने के लिए भेजे गए विमान जटिल परिस्थितियों में फंस गए थे। अमेरिकी सेना ने बाद में तीन नए विमान भेजे ताकि फंसे हुए पायलट और कमांडो को सुरक्षित निकाला जा सके। रिपोर्ट के मुताबिक, अमेरिका ने उन फंसे हुए ट्रांसपोर्ट विमानों को बाद में नष्ट कर दिया ताकि उनकी तकनीक ईरान के हाथ न लगे। ईरान के संसद स्पीकर मोहम्मद बाकर गालिबाफ ने अमेरिकी विमान के मलबे की तस्वीर साझा की है। उनका कहना है कि यह कार्रवाई अमेरिका को चेतावनी है और देश अपनी सीमाओं की सुरक्षा के लिए हर संभव कदम उठा रहा है।

ईरान में फँसे अमेरिकी पायलट को सुरक्षित बाहर निकाला

अमेरिकी एफ-15 लड़ाकू जेट को ईरान में मार गिराए जाने के 36 घंटे बाद उसके दोनों पायलट को अमेरिकी स्पेशल फोर्स ने सुरक्षित बचा लिया। स्पेशल कमांडो यूनिट ने दर्जनों लड़ाकू विमानों के साथ ईरान में ऑपरेशन चलाया। अमेरिकी विमानों ने ईरानी फोर्स को इलाके तक पहुंचने से रोकने के लिए हमले किए। इस दौरान भारी गोलीबारी हुई, लेकिन अंततः पायलट सुरक्षित बाहर निकाले गए। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने इसे इतिहास का सबसे साहसी खोज और बचाव अभियान करार दिया।

ट्रम्प के अल्टीमेटम को ठुकराया

ईरान ने इस अल्टीमेटम को ठुकरा दिया है। ईरानी सेना का कहना है कि अमेरिका बेबस और घबराकर धमकियां दे रहा है। अधिकारियों ने स्पष्ट किया कि ईरान अपनी संप्रभुता की रक्षा और क्षेत्रीय सुरक्षा के लिए किसी भी प्रकार की धमकी को स्वीकार नहीं करेगा।

ईरान ने होर्मुज नहीं खोला तो उसे नरक बना देंगे: ट्रम्प

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने ईरान को बास्टर्ड कहते हुए होर्मुज स्ट्रेट नहीं खोलने पर बड़ा हमला करने की धमकी दी। उन्होंने कहा कि अगर ईरान ने होर्मुज नहीं खोला तो वो उसे नरक बना देंगे। इसके साथ ही उन्होंने ईरान में पावर प्लांट और पुलों पर हमला करने की बात कही। ट्रम्प ने रविवार को सोशल मीडिया पर लिखा कि ईरान में मंगलवार को पावर प्लांट डे और ब्रिज डे एक साथ होगा यानी हमला होगा। ईरान होर्मुज स्ट्रेट खोले दे, नहीं तो नरक जैसे हालात में पहुंच जाएगा।

टीएमसी के पापों का घड़ा भर चुका: मोदी

- चुनाव के बाद भ्रष्टाचारी नेताओं का होगा हिसाब
- संवैधानिक संस्थाओं की अनदेखी पर उठाया सवाल

नईदुनिया ब्यूरो, कूचबिहार: प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रविवार को कूचबिहार में चुनावी सभा को संबोधित करते हुए पश्चिम बंगाल की राजनीतिक स्थिति पर तीखा हमला किया। उन्होंने कहा कि राज्य में टीएमसी के शासन के दौरान भ्रष्टाचार, घुसपैठ और महिलाओं के खिलाफ अत्याचार ने जनता को भय और असुरक्षा के माहौल में धकेल दिया है। प्रधानमंत्री ने कहा कि टीएमसी के पापों का घड़ा भर चुका है और अब जनता बदलाव चाहती है। उन्होंने स्पष्ट किया कि चुनाव के बाद भ्रष्टाचारियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी, और चुन-चुनकर हिसाब लिया जाएगा। जनता का लूटा हुआ पैसा वापस कराया जाएगा। मोदी ने टीएमसी शासन के दौरान लोकतंत्र की कमजोरियों और संवैधानिक संस्थाओं की अनदेखी पर भी सवाल उठाया। उन्होंने घटनाओं का जिक्र करते हुए महिलाओं की सुरक्षा को बड़े मुद्दों में रखा और कहा कि राज्य में महिलाओं के खिलाफ बढ़ते अपराध को नजरअंदाज नहीं किया जा सकता। प्रधानमंत्री ने कहा कि भ्रष्टाचार और अनियमितताओं का परिणाम जनता भुगत रही है।

धुरंधर, केरल स्टोरी और कश्मीर फाइल्स का जिक्र

प्रधानमंत्री ने थिरुवल्ला में एनडीए की रैली में धुरंधर, द केरल स्टोरी और द कश्मीर फाइल्स का जिक्र करते हुए कहा कि विपक्ष हर विषय में झूठ फैलाता है। उन्होंने कहा कि नागरिकता संशोधन कानून लागू होने पर भी विपक्ष ने गलत प्रचार किया। मोदी ने फॉरेन कंट्रीब्यूशन रेगुलेशन एक्ट और यूनिफॉर्म सिविल कोड को लेकर भी विपक्ष पर झूठ फैलाने का आरोप लगाया और बताया कि गोवा में यह कानून पहले से लागू है।

कोतमा हादसा: दिवंगतों के परिजनों को 9-9 लाख रुपये की सहायता

राज्य सरकार प्रभावित परिजन के साथ है: डॉ. यादव

नईदुनिया प्रतिनिधि, भोपाल: मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कल कोतमा, अनूपपुर में हुए दुखद हादसे में काल-कवलित नागरिकों के परिजन को मुख्यमंत्री स्वेच्छानुदान से 4-4 लाख, संबल योजना के अंतर्गत 4-4 लाख और रेडक्रॉस से 1-1 लाख रुपये की आर्थिक सहायता प्रदान करने के निर्देश दिए हैं। घायलों को मुख्यमंत्री स्वेच्छानुदान से 2-2 लाख रुपये और रेडक्रॉस से 50-50 हजार रुपये राशि दी जाएगी। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने दिवंगतों की आत्मा को शांति और परिजन को यह गहन दुःख सहन करने की शक्ति प्रदान करने की प्रार्थना की है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने घायलों के शीघ्र स्वास्थ्य लाभ की कामना करते हुए कहा कि राज्य सरकार प्रभावित परिजन के साथ है। हादसे में 3 लोगों की मृत्यु हुई और 3 अन्य घायल हुए। गंभीर घायलों को बेहतर उपचार के लिए शहडोल मेडिकल कॉलेज में रेफर किया गया है, जबकि अन्य का इलाज सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र कोतमा में चल रहा है। एनडीआरएफ, एसडीआरएफ, स्थानीय पुलिस, प्रशासन और एसईसीएल की टीमों ने डॉग स्क्वॉड एवं आधुनिक मशीनों से मलबे की सघन तलाशी ली। रेस्क्यू ऑपरेशन शनिवार शाम से रविवार दोपहर तक चला। प्रभारी मंत्री और संबंधित अधिकारियों ने राहत कार्यों का नेतृत्व किया।

फसल नुकसान का त्वरित आकलन कराएं

भोपाल : मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने प्रदेश के विभिन्न जिलों में हुई आंधी, बारिश और ओलावृष्टि के संबंध में कहा है कि किसान भाई चिंता न करें, संकट की इस घड़ी में राज्य सरकार किसानों के साथ है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने जिला कलेक्टर्स को मौसम के असमय बदलाव से हुए नुकसान का त्वरित आकलन करने के निर्देश दिए हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश के प्रभावित क्षेत्रों में हुई हानि के लिए तत्काल सहायता और राहत उपलब्ध कराई जाएगी। उल्लेखनीय है कि गत दिवस ग्वालियर-चंबल संभाग के विभिन्न जिलों तथा राजगढ़, रायसेन, बैतूल आदि जिलों में आंधी, बारिश और ओलावृष्टि से प्रतिकूल प्रभाव पड़ा है।

चड्ढा ने कहा- कहानी अभी बाकी है

नईदुनिया ब्यूरो, मोहाली: आम आदमी पार्टी से विवाद के बीच राघव चड्ढा ने नया वीडियो और पोस्ट साझा किया। उन्होंने लिखा कि मेरे सहयोगियों के लिए यह एक झलक है, कहानी अभी बाकी है। चड्ढा ने कहा कि पंजाब केवल विषय नहीं, बल्कि उनका घर, कर्तव्य और मिट्टी है। वीडियो में उन्हें संसद में पंजाब के मुद्दे उठाते देखा गया। वहीं आप नेता सौरभ भारद्वाज ने दावा किया कि चड्ढा ने पीएम नरेंद्र मोदी और भाजपा की आलोचना वाले पुराने पोस्ट डिलीट कर दिए हैं। मामले को लेकर राजनीति में हलचल बनी हुई है।

पाक रक्षामंत्री बोले- छिपकर हमला किया तो कोलकाता तक लड़ेंगे

इस्लामाबाद, एजेंसी: पाकिस्तान के रक्षा मंत्री ख्वाजा आसिफ ने सियालकोट में पत्रकारों से बातचीत के दौरान भारत को कड़ी चेतावनी दी है। उन्होंने कहा कि अगर भारत कोई छिपकर हमला करता है, तो यह संघर्ष केवल सीमा तक सीमित नहीं रहेगा, बल्कि कोलकाता तक फैल सकता है। आसिफ ने दावा किया कि भारत पिछले साल की तरह इस बार भी अपने लोगों या हिरासत में रखे पाकिस्तानियों का इस्तेमाल कर झूठा ड्रामा करेगा और अधिक शर्मिंदगी का सामना करेगा। गौरतलब है कि बीते रोज भारत के रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने पाकिस्तान को साफ चेतावनी दी थी कि अगर कोई गलत कदम उठाया गया तो भारतीय सेना निर्णायक जवाब देगी। उन्होंने ऑपरेशन सिंदूर का उल्लेख करते हुए कहा कि पाकिस्तान ने पिछले साल के पहलगाम आतंकी हमले के बाद गंदा खेल खेला, लेकिन भारत ने आतंकियों के ठिकानों पर कार्रवाई कर 9 ठिकाने तबाह किए।

भारत ने कहा- सीमा पर संघर्ष नहीं, घर में घुसकर मारेंगे

पाकिस्तान के पूर्व उच्चायुक्त अब्दुल बासित ने भी विवादित बयान देते हुए कहा था कि अगर पाकिस्तान पर हमला होता है तो भारत पर जवाबी हमला किया जा सकता है। पिछले साल अप्रैल में हुए पहलगाम हमले के बाद दोनों देशों के बीच चार दिन तक तनाव बना रहा, जिसके बाद मई 2025 में सीजफायर हुआ। इस घटनाक्रम से क्षेत्रीय तनाव बढ़ा हुआ है और दोनों देशों के बीच कूटनीतिक वार्ता फिलहाल स्थगित है।

सतपुड़ा टाइगर रिजर्व में शावक की मौत

- 9 महीनों में पांचवें बाघ की मौत, वन विभाग ने पंचनामा और पोस्टमार्टम कर अंतिम संस्कार किया

नईदुनिया ब्यूरो, नर्मदापुरम: नर्मदापुरम जिले के सतपुड़ा टाइगर रिजर्व में एक बार फिर बाघ की मौत का मामला सामने आया है। मटकुली रेंज के नयाखेड़ा क्षेत्र में चार माह के शावक का शव मिलने से वन्यजीव संरक्षण और सुरक्षा व्यवस्था पर सवाल उठ गए हैं। यह बीते नौ महीनों में बाघों की मौत का पांचवां मामला है। जानकारी के अनुसार, शनिवार देर शाम नयाखेड़ा बीट के कक्ष क्रमांक 460 में तैनात फॉरेस्ट गार्ड को दो बाघों की तेज दहाड़ सुनाई दी। इसके बाद वन विभाग की टीम ने क्षेत्र में गश्त की। रात के समय मौके पर शावक मृत अवस्था में मिला।

अधिकारियों ने बताया कि शावक के शरीर पर गंभीर चोटों के निशान थे और प्रथम दृष्टया यह किसी मांसाहारी वन्यजीव के हमले से हुई मौत प्रतीत होती है। क्षेत्र

संचालक सतपुड़ा टाइगर रिजर्व, सहायक संचालक पिपरिया एवं पचमढ़ी, तहसीलदार पिपरिया तथा राष्ट्रीय टाइगर संरक्षण प्राधिकरण के प्रतिनिधि की मौजूदगी में निर्धारित मानक संचालन प्रक्रिया के अनुसार पंचनामा और पोस्टमार्टम कराया गया।

पोस्टमार्टम डॉ. गुरुदत्त शर्मा और डॉ. अमित ओढ़ की टीम ने किया। इसके बाद शावक का अंतिम संस्कार संपन्न हुआ। अधिकारियों ने बताया कि घटनास्थल पर नर और मादा बाघ के पदचिह्न भी मिले, जिससे शावक की मौत बाघों के आपसी संघर्ष के कारण होने की आशंका जताई जा रही है। सतपुड़ा टाइगर रिजर्व और नर्मदापुरम क्षेत्र में पिछले नौ महीनों में यह पांचवीं बाघ मौत है। इससे पहले अगस्त में मढ़ई क्षेत्र में एक बाघ मृत मिला था। चूरना क्षेत्र में एक अन्य बाघ का शव संदिग्ध परिस्थितियों में पाया गया था। जनवरी में तवा नगर के जंगल में बाघिन की बीमारी से मौत हुई। मार्च में छिंदवाड़ा क्षेत्र में एक बाघ का शव दफन अवस्था में मिला था, जिसमें करंट या जहर से मौत की आशंका जताई गई थी।

आंकड़ा पुनर्वास योजना से अब तक 2653 बच्चों को मदद...

14 साल तक के 45 हजार बच्चे भिक्षावृत्ति में लिप्त

नईदुनिया ब्यूरो, जयपुर: केंद्रीय सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्रालय की जानकारी के अनुसार, देशभर में 14 साल से कम उम्र के कुल 45 हजार 296 बच्चे भिक्षावृत्ति में लिप्त पाए गए हैं। इसमें सबसे अधिक बच्चे उत्तर प्रदेश में हैं, जहां लगभग 10 हजार बच्चे भीख मांगते पाए गए। दूसरे नंबर पर राजस्थान है, जिसमें 7 हजार से अधिक बच्चे भिक्षावृत्ति में संलग्न पाए गए। यह आंकड़ा 2011 की जनगणना पर आधारित है और राज्य सभा में अतारांकित प्रश्न के जवाब में प्रस्तुत किया गया। राज्यमंत्री बीएल वर्मा ने बताया कि यह जानकारी भारत के महारजिस्ट्रार की वेबसाइट पर उपलब्ध आंकड़ों पर आधारित है। उन्होंने कहा कि ऐसे बच्चों के पुनर्वास के लिए 23 अक्टूबर 2023 से योजना चल रही है। इस योजना के तहत अब तक 2653 बच्चों का पुनर्वास किया गया है। इनमें 1507 बच्चों को उनके माता-पिता या परिवार से मिलवाया गया, 305 बच्चों को आंगनबाड़ी केंद्रों से जोड़ा गया और 206 बच्चों को बाल कल्याण समिति को सौंपा गया। इसके अलावा 625 बच्चों को स्कूलों में नामांकन की सुविधा प्रदान की गई।

सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग की रिपोर्ट के अनुसार, देश के दो केंद्रशासित प्रदेश—दादरा-नगर हवेली और अंडमान निकोबार द्वीप समूह—में एक भी बच्चा भिक्षावृत्ति में लिप्त नहीं पाया गया। वहीं, लक्ष्यद्वीप और सिक्किम में एक-एक, मिजोरम में छह, दमन और दीव में आठ तथा पुदुचेरी में नौ बच्चे ऐसे कार्यों में लिप्त पाए गए।

सरकार ने स्पष्ट किया कि विभाग पहले से ही भिक्षावृत्ति में लिप्त बच्चों के व्यापक पुनर्वास के लिए योजना चला रहा है और इसमें विशेष ध्यान बच्चों पर दिया जा रहा है। वर्तमान में इस क्षेत्र में नए कानून या योजना लागू करने की आवश्यकता नहीं है। योजना के माध्यम से बच्चों को सुरक्षित वातावरण, शिक्षा और परिवार से जोड़ा जाना सुनिश्चित किया जा रहा है। सरकार का उद्देश्य बच्चों को भिक्षावृत्ति से निकालकर उनके अधिकार और कल्याण सुनिश्चित करना है। राज्य और केंद्र दोनों स्तरों पर इस दिशा में प्रयास जारी हैं, ताकि भविष्य में बच्चों की संख्या और भिक्षावृत्ति की घटनाओं में कमी लाई जा सके।

टूरिस्ट वाहन खाई में गिरा, 4 की मौत

नईदुनिया ब्यूरो, कुल्लू: कुल्लू जिले के पटलिकुहल में शनिवार रात लगभग 9 बजे एक टूरिस्ट वाहन खाई में गिर गया।

हादसे में चार लोगों की मौत हुई और 17 लोगों को सुरक्षित बाहर निकाला गया, जिनमें चार गंभीर घायल हैं। सभी का बंजार अस्पताल में उपचार चल रहा है। वाहन में चंडीगढ़, राजस्थान और दिल्ली के यात्री सवार थे। लगातार बारिश के कारण सड़क फिसलन भरी हो गई थी, जिससे वाहन अनियंत्रित होकर खाई में गिरा। पुलिस और प्रशासन बचाव कार्य में जुटे हैं।

सरकारी बस में आग सभी यात्री सुरक्षित

नईदुनिया ब्यूरो, कडपा: आंध्र प्रदेश के कडपा जिले में रविवार को बस में आग लग गई। अंदर मौजूद सभी 18 यात्री सुरक्षित हैं। बस में लगी तारों में हुए शॉर्ट-सर्किट की वजह से बस में आग लगी। बस कडपा से वेम्पल्ली जा रही थी। आग की जानकारी मिलने के बाद फायर विभाग के लोग मौके पर पहुंचे गए। लेकिन तब तक बस पूरी तरह जल चुकी थी।

मिनीबस खाई में गिरी

तमिलनाडु के कुन्नूर में एक मिनीबस 100 फीट गहरी खाई में गिर गई। जिससे 12 से ज्यादा लोग घायल हो गए।

नईदुनिया

भाजपा का प्रशिक्षण वर्ग अंदर के विकार को समाप्त कर कार्यकर्ता गढ़ने की पद्धति है : डॉ. यादव

नईदुनिया प्रतिनिधि, भोपालः नरेला विधानसभा क्षेत्र में आयोजित प्रशिक्षण वर्ग में मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए कहा कि भाजपा का प्रशिक्षण वर्ग कार्यकर्ताओं के व्यक्तित्व निर्माण और आंतरिक विकारों को दूर करने का माध्यम है। उन्होंने कहा कि भाजपा कार्यकर्ता हर चुनौती का सामना करते हुए राष्ट्र सेवा के लिए सदैव तैयार रहता है।

मुख्यमंत्री ने अपने संबोधन में जम्मू-कश्मीर के संदर्भ में कहा कि धारा 370 लागू होने के बाद वहां अस्थिरता बढ़ी, जबकि इसे हटाए जाने के बाद हालात में सुधार आया। उन्होंने कांग्रेस पर तुष्टिकरण और वोट बैंक की राजनीति करने का आरोप लगाते हुए कहा कि राम मंदिर निर्माण जैसे मुद्दों पर भी विपक्ष ने हमेशा बाधा उत्पन्न की। भाजपा के क्षेत्रीय संगठन महामंत्री अजय जामवाल ने कहा कि प्रशिक्षण वर्ग कार्यकर्ताओं के कौशल को निखारने का महत्वपूर्ण माध्यम है। उन्होंने संगठन की शक्ति को भाजपा की सबसे बड़ी ताकत बताते हुए कहा कि पार्टी का लक्ष्य केवल सत्ता प्राप्त करना नहीं, बल्कि समाज के सभी वर्गों का उत्थान करना है।

मंत्री विश्वास कैलाश सारंग ने कहा कि भाजपा एक विचारधारा आधारित संगठन है, जो समाज के हर वर्ग के कल्याण के लिए कार्य करता है। उन्होंने कार्यकर्ताओं से आह्वान किया कि वे सरकार की योजनाओं को अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाने में अपनी सक्रिय भूमिका निभाएं। मुख्यमंत्री ने डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी के योगदान का उल्लेख करते हुए कहा कि उन्होंने धारा 370 का विरोध करते हुए बलिदान दिया था। उन्होंने कहा कि वर्तमान नेतृत्व में देश वैश्विक स्तर पर मजबूत हुआ है और भारत का सम्मान बढ़ा है। प्रशिक्षण वर्ग में कार्यकर्ताओं को संगठन की विचारधारा, राष्ट्र निर्माण और सेवा भाव के प्रति समर्पित रहने का संदेश दिया गया। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में जनप्रतिनिधि, पदाधिकारी और कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

एनएसजी का हाईटेक सुरक्षा प्रदर्शन आज

नप्र, भोपालः राष्ट्रीय सुरक्षा गार्ड के तत्वावधान में 'समग्र क्षमता निर्माण प्रशिक्षण एवं प्रदर्शन' का आयोजन 6 अप्रैल को सुबह 9 बजे लाल परेड ग्राउंड, जहांगीराबाद में किया जाएगा। इस कार्यक्रम में मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव मुख्य अतिथि के रूप में शामिल होंगे। कार्यक्रम में एनएसजी द्वारा आधुनिक सुरक्षा तकनीकों और ऑपरेशनों का लाइव प्रदर्शन किया जाएगा। इसमें एमआई-17 हेलीकॉप्टर से स्लिथरिंग ऑपरेशन, बिल्डिंग एंट्री तकनीक, हाउस इंटरवेंशन और वीआईपी सुरक्षा से जुड़े अभ्यास शामिल रहेंगे। साथ ही क्राव मागा (यूएसी) जैसे मार्शल आर्ट कौशल का भी प्रदर्शन किया जाएगा। इसके अलावा के-9 डॉग स्क्वॉड द्वारा आईईडी की पहचान, बम निष्क्रियकरण प्रक्रिया, एंटी-ड्रोन तकनीक और अंडर वॉटर डाइविंग जैसे विशेष ऑपरेशन भी प्रदर्शित किए जाएंगे। यह कार्यक्रम सुरक्षा बलों की तैयारी और आधुनिक क्षमताओं का परिचय कराएगा। इस अवसर पर पुलिस महानिदेशक कैलाश मकवाणा, एनएसजी के महानिदेशक सहित कई वरिष्ठ अधिकारी मौजूद रहेंगे। यह आयोजन आमजन और सुरक्षा एजेंसियों के बीच समन्वय और जागरूकता बढ़ाने के उद्देश्य से किया जा रहा है।

राजधानी में गैस सिलेंडर कालाबाजारी पर छापेमारी

नईदुनिया प्रतिनिधि, भोपालः राजधानी में गैस सिलेंडरों की कालाबाजारी और अवैध रिफिलिंग पर रोक लगाने के लिए जिला प्रशासन ने रविवार को विशेष जांच अभियान चलाया। जिला खाद्य नियंत्रक चंद्रभान सिंह जादौन के नेतृत्व में टीम ने पुराने शहर के कई इलाकों में दबिश दी।

जांच टीम ने जहांगीराबाद, बुधवारा, मंगलवारा और इतवारा सहित कई क्षेत्रों का निरीक्षण किया, लेकिन कहीं भी अवैध गैस रिफिलिंग की पुष्टि नहीं हो सकी। जहांगीराबाद में संबंधित दुकान बंद मिली, जबकि अन्य स्थानों पर भी गतिविधियां नहीं पाई गईं। रविवार को बाजार बंद रहने के कारण जांच प्रभावित रही। इसके अलावा टीम ने बैरागढ़, कोलार, अयोध्या बायपास, अवधपुरी, मिसरोद, कोटरा सुल्तानाबाद, नेहरू नगर, रोशनपुरा, न्यू मार्केट और जवाहर चौक में भी निरीक्षण किया, जहां कोई गड़बड़ी सामने नहीं आई।

हालांकि, टीटी नगर और हुजूर क्षेत्र में प्रस्तावित जांच नहीं हो सकी, जिससे प्रशासनिक सक्रियता पर सवाल उठे हैं। एडीएम सुमित पांडेय भी जांच के दौरान नजर नहीं आए।

अधिकारियों ने दुकानदारों को चेतावनी दी है कि भविष्य में अवैध रिफिलिंग या अनियमितता पाए जाने पर सख्त कार्रवाई की जाएगी। प्रशासन ने संकेत दिए हैं कि यह अभियान आगे भी जारी रहेगा।

भेल के खंडहर बने 'क्राइम कैपिटल' 6 बदमाश पकड़े

नप्र, भोपालः भोपाल में भेल के खंडहर पड़े क्वार्टर असामाजिक तत्वों के लिए ठिकाना बन गए हैं। शहर में करीब 3,000 क्वार्टर खंडहर हो चुके हैं, जिनका इस्तेमाल अपराधियों ने अपने अड्डे के रूप में करना शुरू कर दिया है। शुक्रवार को पुलिस ने इन खंडहरों में से 6 बदमाशों को गिरफ्तार किया, जो शहर में डकैती की योजना बना रहे थे।

पुलिस ने आरोपियों से मिर्च पाउडर, चाकू और ताला तोड़ने के औजार बरामद किए। आरोपियों में दो नाबालिग भी शामिल हैं। बदमाशों ने बताया कि वे महंगे शौक पूरे करने के लिए डकैती की योजना बना रहे थे। इन खंडहरों में लूट, हत्या और दुष्कर्म जैसी घटनाएं आम हो गई हैं। इस स्थिति को लेकर कई सवाल उठ रहे हैं। प्रशासन ने इन खंडहरों की जमीन चिह्नित कर ली है, लेकिन इसे जमींदोज करने में देरी क्यों हो रही है? भेल प्रबंधन इन खंडहरों की सुरक्षा के लिए बजट क्यों नहीं जारी कर रहा है? पुलिस की गश्त केवल मुख्य सड़कों तक सीमित क्यों है? भोपाल की इन खंडहरों में बढ़ते अपराधों को लेकर स्थानीय लोग प्रशासन से जल्द कार्रवाई की मांग कर रहे हैं।

सबनानी ने शबरी नगर में किया भूमिपूजन

नईदुनिया प्रतिनिधि, भोपालः विधायक भगवानदास सबनानी ने रविवार को वार्ड 29 अंतर्गत शबरी नगर में विभिन्न विकास कार्यों के लिए भूमिपूजन किया। इस दौरान क्षेत्रवासियों की उपस्थिति में विकास योजनाओं की शुरुआत की गई।

श्री सबनानी ने कहा कि क्षेत्र के सर्वांगीण विकास के लिए निरंतर कार्य किए जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि जनता को बेहतर मूलभूत सुविधाएं उपलब्ध कराना प्राथमिकता है और इसके लिए योजनाबद्ध तरीके से विकास कार्यों को आगे बढ़ाया जा रहा है।

उन्होंने आश्वस्त किया कि आने वाले समय में भी कई बड़ी योजनाओं के माध्यम से क्षेत्र का विकास सुनिश्चित किया जाएगा। उन्होंने कहा कि जनता के सहयोग से ही विकास कार्यों को गति मिलती है और क्षेत्र की आवश्यकताओं के अनुरूप योजनाएं तैयार की जा रही हैं। क्षेत्र में सड़क, जल और अन्य बुनियादी सुविधाओं के विस्तार पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है। इस अवसर पर मंडल अध्यक्ष हेमंत बडगैया, विधानसभा प्रभारी राजू अनेजा, वरिष्ठ नेता लीलेंद्र मारण, राजेंद्र राठौड़, अजय पांडे, सक्कू महावर उपस्थित रहे।

एमपी में 126 अस्पतालों की आयुष्मान मान्यता रद्द

भोपाल के 51 अस्पताल प्रभावित

नईदुनिया प्रतिनिधि, भोपालः मध्यप्रदेश में आयुष्मान भारत योजना के तहत 126 अस्पतालों की मान्यता रद्द कर दी गई है। यह कार्रवाई भोपाल, इंदौर, ग्वालियर और जबलपुर के अस्पतालों पर की गई है, जिन्होंने एनएबीएच सर्टिफिकेट की जानकारी तय समय सीमा में नहीं दी।

अब इन अस्पतालों में आयुष्मान के तहत मुफ्त इलाज नहीं मिलेगा। प्रदेश के चार बड़े शहरों में कुल 398 अस्पताल इस योजना से जुड़े हैं, जिनमें से 126 अस्पतालों ने एनएबीएच सर्टिफिकेट नहीं दिया। इनमें भोपाल के 51, इंदौर के 30, ग्वालियर के 33 और जबलपुर के 12 अस्पताल शामिल हैं। आयुष्मान भारत के सीईओ डॉ. योगेश भरसट ने कहा कि यह कदम अस्पतालों में इलाज की गुणवत्ता को बेहतर बनाने के लिए उठाया गया है। एनएबीएच सर्टिफिकेट अस्पतालों की गुणवत्ता और सुरक्षा को प्रमाणित करता है। इसमें 600 से अधिक मानकों पर अस्पतालों की जांच होती है, जिनमें मरीजों की सुरक्षा, साफ-सफाई और मेडिकल सेवाएं शामिल हैं। अब इन अस्पतालों के मरीजों को अन्य अस्पतालों में शिफ्ट किया जाएगा और नए मरीजों के क्लेम स्वीकार नहीं किए जाएंगे। आयुष्मान भारत योजना में अस्पतालों को उनके गुणवत्ता के आधार पर भुगतान किया जाएगा, और जिन अस्पतालों के पास फुल एनएबीएच सर्टिफिकेट है, उन्हें 115प्रतिशत क्लेम राशि मिलेगी।

अवधपुरी में शराब दुकान का विरोध अपराध में बढ़ोतरी का आरोप

नईदुनिया प्रतिनिधि, भोपालः भोपाल के अवधपुरी इलाके में शराब की दुकान को लेकर विरोध प्रदर्शन तेज हो गया है। रविवार शाम करीब 7 बजे, स्थानीय निवासियों ने सड़कों पर उतरकर शराब दुकान को हटाने की मांग की। उनका कहना है कि इस दुकान के कारण इलाके में अपराध की दर बढ़ गई है, जिससे निवासियों में असुरक्षा का माहौल बन गया है।

ऋषिपुरम् के 80 फीट रोड स्थित पेट्रोल पंप के पास स्थित शराब दुकान के खिलाफ स्थानीय लोगों ने विरोध किया। उनका आरोप है कि इस दुकान के कारण असामाजिक तत्वों का जमावड़ा लगता है, जो क्षेत्र में अव्यवस्था और असुरक्षा पैदा करते हैं। रहवासी रमन तिवारी ने बताया कि मोहल्ले के लोग लंबे समय से इस दुकान को हटाने की मांग कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि इस दुकान के पास महिलाओं के साथ छेड़छाड़ की घटनाएं बढ़ गई हैं और यहां झगड़े भी आम हो गए हैं। इससे इलाके में सामान्य जीवन कठिन हो गया है। प्रदर्शन के बाद, अवधपुरी थाना पुलिस भी मौके पर पहुंची। लोगों ने एक घंटे तक विरोध प्रदर्शन किया और प्रशासन से इस शराब दुकान को हटाने की मांग की। उन्होंने चेतावनी दी कि अगर उनकी मांग पर जल्दी कार्रवाई नहीं की गई, तो वे बड़े स्तर पर आंदोलन करेंगे। इस मौके पर सोहन सिंह राजपूत, सारिका दिवाकर, अरुण सिंह और अन्य स्थानीय लोग मौजूद थे।

अनुदान रोकने के फैसले पर कलाकारों में रोष दिल्ली कूच का ऐलान

नईदुनिया प्रतिनिधि, भोपालः संस्कृति मंत्रालय की गुरु-शिष्य परंपरा योजना के तहत अनुदान रोकने के फैसले को लेकर देशभर के कलाकारों में नाराजगी बढ़ गई है। भोपाल में रंगमंच कलाकारों ने प्रेस वार्ता कर आरोप लगाया कि बिना स्पष्ट कारण बताए लगभग 70 प्रतिशत कला संस्थाओं के आवेदन रिजेक्ट या कूल्ड ऑफ कर दिए गए हैं। इसे कलाकारों ने अपारदर्शी और भेदभावपूर्ण निर्णय बताया।

कलाकारों ने घोषणा की कि 7 अप्रैल को मध्यप्रदेश सहित देशभर के रंगकर्मी दिल्ली पहुंचकर संस्कृति मंत्री और संबंधित अधिकारियों से मुलाकात करेंगे। वे इस फैसले पर पुनर्विचार की मांग करेंगे। जानकारी के अनुसार, देशभर में 1164 संस्थाओं के आवेदन प्रभावित हुए हैं।

मध्यप्रदेश में भी इसका बड़ा असर देखने को मिला है। यहां 78 आवेदन रिजेक्ट और 44 कूल्ड ऑफ किए गए हैं। पहले जहां 90 रेपर्टरी सक्रिय थीं, अब उनकी संख्या घटकर 39 रह गई है। इस निर्णय से करीब 650 कलाकार सीधे प्रभावित हुए हैं, जबकि नए अवसर केवल 42 कलाकारों को ही मिल पाए हैं।

कलाकारों का कहना है कि इस फैसले का असर उनके परिवारों पर भी पड़ेगा और हजारों लोग आर्थिक रूप से प्रभावित होंगे। उन्होंने सरकार से पारदर्शिता और निष्पक्षता के साथ निर्णय लेने की मांग की है।

आक्रोशित ग्रामीणों ने बस फूंकी

नईदुनिया प्रतिनिधि, भोपालः उज्जैन-गरोठ राष्ट्रीय राजमार्ग पर तुलाहेड़ा टोल प्लाजा के पास एक मिनी बस और गेहूं से भरी ट्रैक्टर-ट्रॉली की टक्कर में 21 वर्षीय युवक विजय सोलंकी की मौत हो गई, जबकि चार अन्य लोग घायल हो गए। हादसे में युवक ट्रैक्टर के नीचे दब गया, जिससे उसकी मौके पर ही जान चली गई।

घटना के बाद ग्रामीणों में भारी आक्रोश फैल गया। आरोप है कि टोल प्रबंधन की क्रेन करीब डेढ़ घंटे की देरी से और बिना आवश्यक व्यवस्था के मौके पर पहुंची, जिससे लोगों का गुस्सा बढ़ गया। नाराज ग्रामीणों ने मिनी बस में तोड़फोड़ कर आग लगा दी और मार्ग पर चक्काजाम कर दिया। स्थिति को नियंत्रित करने के लिए पुलिस बल मौके पर पहुंचा और समझाइश के बाद हालात को काबू में किया गया। पुलिस ने बस चालक के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया है।

पश्चिम मध्य रेलवे ने की घोषणा

22 कोच वाली अनारक्षित स्पेशल ट्रेन चलेगी

नईदुनिया प्रतिनिधि, भोपालः पश्चिम मध्य रेलवे ने गर्मी के मौसम में यात्रियों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए उधना से जयनगर के बीच अनारक्षित स्पेशल ट्रेन चलाने की घोषणा की है। इस विशेष ट्रेन में जनरल सेकेंड क्लास के कुल 22 कोच लगाए जाएंगे, जिससे अधिक से अधिक यात्रियों को सुविधा मिल सके।

रेलवे द्वारा जारी जानकारी के अनुसार, ट्रेन संख्या 09061 उधना से जयनगर के लिए 5 और 12 अप्रैल को रात 01:30 बजे रवाना होगी। यह इटारसी में 12:50 बजे, जबलपुर में 16:40 बजे, कटनी में 18:15 बजे और सतना में 19:55 बजे पहुंचेगी।

इसके बाद यह अगले दिन दोपहर 14:30 बजे जयनगर पहुंचेगी। वापसी में ट्रेन संख्या 09062 जयनगर से उधना के लिए 6 और 13 अप्रैल को शाम 17:30 बजे प्रस्थान करेगी। यह सतना में 11:40 बजे, कटनी में 13:15 बजे, जबलपुर में 15:15 बजे और इटारसी में 19:00 बजे पहुंचेगी। उधना पहुंचने का समय अगले दिन सुबह 06:15 बजे निर्धारित किया गया है। यह विशेष ट्रेन थलथान, बारडोली, नंदुरबार, भुसावल, खंडवा, इटारसी, जबलपुर, कटनी, सतना, मानिकपुर, प्रयागराज छिवकी, पंडित दीन दयाल उपाध्याय, दिलदारनगर, बक्सर, रघुनाथपुर, आरा, पटना, बख्तियारपुर, मोकामा, बरौनी, समस्तीपुर, दरभंगा और मधुबनी स्टेशनों पर ठहराव लेगी। रेलवे प्रशासन का उद्देश्य यात्रियों को भीड़ से राहत देना और सुगम यात्रा उपलब्ध कराना है।

नकली सोना देकर डॉक्टर से 60 लाख की ठगी

गड़ा धन का झांसा देकर पिता-पुत्र को बनाया शिकार

नईदुनिया प्रतिनिधि, भोपालः जबलपुर के मदन महल थाना क्षेत्र के राइट टाउन में रहने वाले डॉक्टर अश्वनी कुमार त्रिवेदी और उनके पुत्र अनंत त्रिवेदी से 60 लाख रुपये की ठगी का मामला सामने आया है। आरोपियों ने गड़ा हुआ सोना मिलने का झांसा देकर नकली सोना देकर यह धोखाधड़ी की। पीड़ितों ने क्राइम ब्रांच में मामला दर्ज कराया है।

पुलिस के अनुसार, करीब दो माह पहले वीरेंद्र प्रजापति उर्फ सोनू नामक युवक इलाज के लिए डॉक्टर के पास आया था। बातचीत के दौरान उसने खुद को गरीब बताते हुए गड़ा हुआ सोना मिलने की कहानी सुनाई और कम कीमत पर बेचने का प्रस्ताव रखा। विश्वास दिलाने के लिए उसने एक सोने का सिक्का दिया, जिसे जांच में असली पाया गया।

कुछ समय बाद आरोपी अपने साथ अन्य लोगों को लेकर आया और पांच किलो सोना होने का दावा किया। सौदा 15 लाख रुपये प्रति किलो के हिसाब से तय हुआ। पांच मार्च को आरोपी कथित सोना लेकर पहुंचे और डॉक्टर ने 50 लाख रुपये का भुगतान कर दिया। शेष राशि बाद में देने की बात हुई।

एक अप्रैल को डॉक्टर को तब संदेह हुआ, जब उनके पुत्र से भी इसी गिरोह ने 10 लाख रुपये ठग लिए। घर में रखे सोने की जांच कराने पर वह पीतल निकला। पुलिस ने मामला दर्ज कर आरोपियों की तलाश शुरू कर दी है और पूरे गिरोह के नेटवर्क की जांच की जा रही है।

संत नगर में 'हरे माधव सत्संग' 10 अप्रैल को

पूज्य सिंधी पंचायत की बैठक में तैयारियों पर चर्चा

नईदुनिया प्रतिनिधि, हिनप्रः जीवनमुक्त सतगुरु बाबा ईश्वरशाह साहिब जी के सानिध्य में आगामी 10 अप्रैल 2026 को शहीद हेमू कालाणी स्टेडियम (दशहरा मैदान) में आयोजित होने वाले विशाल 'हरे माधव सत्संग' की तैयारियाँ जोर-शोर से शुरू हो गई हैं।

इस संबंध में पूज्य सिंधी पंचायत कार्यालय में अध्यक्ष माधू चांदवानी की अध्यक्षता में एक महत्वपूर्ण बैठक संपन्न हुई। बैठक में बताया गया कि बाबा ईश्वरशाह साहिब जी 9 अप्रैल को भोपाल पधारेंगे, जहाँ शाम को पंचवटी में उनके सानिध्य में शोभायात्रा निकाली जाएगी। इसके पश्चात 10 अप्रैल को शाम 6 बजे से मुख्य सत्संग कार्यक्रम आयोजित होगा।

बैठक के दौरान सिंधी सेंट्रल पंचायत के अध्यक्ष किशोर तनवानी ने युवाओं से सत्संग में जुड़ने की अपील की, वहीं अन्य वक्ताओं ने सिंधी भाषा और संस्कृति के संरक्षण में संतों के योगदान पर प्रकाश डाला। इस दौरान मनीष दरयानी, चन्द्रप्रकाश इसरानी, वासदेव वाधवानी और कन्हैया इसरानी सहित विभिन्न सामाजिक व व्यापारिक संगठनों के प्रतिनिधियों ने शिरकत की। कार्यक्रम का संचालन राकेश शेवानी और आभार प्रदर्शन नंद कुमार दादलानी ने किया।

कबाड़ दुकानों में आग से लाखों का नुकसान

नप्र, भोपालः जबलपुर के बेलबाग थाना क्षेत्र स्थित गुरंदी बाजार में रविवार सुबह एक कबाड़ की दुकान में भीषण आग लग गई। आग तेजी से फैलते हुए आसपास की तीन से चार दुकानों तक पहुंच गई, जिससे लाखों रुपये का सामान जलकर खाक हो गया।

रविवार होने के कारण बाजार में भीड़ अधिक थी। आग की तेज लपटों और काले धुएं को देखकर क्षेत्र में अफरा-तफरी और भगदड़ मच गई, जिससे लोगों में दहशत फैल गई। सूचना मिलते ही दमकल विभाग की टीम मौके पर पहुंची। आग की तीव्रता को देखते हुए छह से सात दमकल वाहन लगाए गए। कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया गया और इसे रिहायशी इलाके में फैलने से रोका गया। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार आग लगने के दौरान तेज धमाके की आवाज भी सुनाई दी। प्रारंभिक तौर पर आग लगने का कारण शॉर्ट सर्किट माना जा रहा है, हालांकि वास्तविक कारणों की जांच जारी है। समय पर राहत कार्य शुरू होने से बड़ा हादसा टल गया।

नुक्कड़ वाली माता मंदिर में गूँजी हनुमान चालीसा

ज्योतिष आचार्य लोचन का हुआ सम्मान

नईदुनिया प्रतिनिधि, हिनप्रः हनुमान चालीसा के नियमित पाठ से अष्ट सिद्धि और नवनिधि की प्राप्ति होती है, इसी भाव के साथ संत नगर स्थित नुक्कड़ वाली माता मंदिर में सामूहिक हनुमान चालीसा पाठ का भव्य आयोजन किया गया।

इस अवसर पर भोपाल महानगर के प्रसिद्ध ज्योतिष आचार्य और बटुक भैरवनाथ के उपासक आचार्य राजीव लोचन जी महाराज को मंदिर समिति द्वारा विशेष रूप से सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में 51,000 हनुमान चालीसा पाठ का संकल्प लेकर सकल हिंदू समाज ने एक स्वर में पाठ किया। कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य यजमान व पूर्व जिला पंचायत सदस्य विष्णु विश्वकर्मा ने विद्वान आचार्यों द्वारा दीप प्रज्वलित कर और तिलक लगाकर किया।

संगीतमय पाठ का संचालन आचार्य पंडित रवि पटेरिया, जीवन प्रसाद शास्त्री, आचार्य अखिलेश जी महाराज और पंडित मुदित शर्मा ने किया। जगतगुरु श्री श्री 1008 राम प्रवेश दास जी महाराज (गुफा मंदिर) के आशीर्वाद से आयोजित इस कार्यक्रम में मंदिर के सेवादारों का विशेष सहयोग रहा। इस धार्मिक अनुष्ठान में पीसी जैन, जीतू कटारिया, नारायण शर्मा, भूपेंद्र सिंह गुर्जर सहित भारी संख्या में श्रद्धालु उपस्थित रहे। समिति ने बताया कि मंदिर में प्रति शनिवार और मंगलवार को निरंतर हनुमान चालीसा का पाठ आयोजित किया जाता है, जिससे भक्तों के कष्टों का निवारण होता है।

छोटे किसानों से ही होगी शुरुआत बारदाने की कमी नहीं: डॉ. यादव

■ तय समय पर शुरू होगी गेहूं खरीदी ■ सरकार ने व्यवस्था दुरुस्त करने के दिए सख्त निर्देश

राज्य ब्यूरो, नईदुनिया, भोपाल: मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि प्रदेश सरकार किसानों के हितों की रक्षा के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है और तय समय पर न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) पर गेहूं खरीदी शुरू की जाएगी।

उन्होंने स्पष्ट किया कि उपार्जन प्रक्रिया में प्राथमिकता छोटे किसानों को दी जाएगी, इसके बाद मध्यम और बड़े किसानों से खरीदी की जाएगी। पंजीयन कराने वाले सभी किसानों का गेहूं चरणबद्ध तरीके से खरीदा जाएगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश में बारदाने की कोई कमी नहीं है और इसकी उपलब्धता बनाए रखने के लिए केंद्र सरकार, जूट कमिश्नर और अन्य एजेंसियों से लगातार संपर्क किया जा रहा है। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि उपार्जन व्यवस्था को सरल और पारदर्शी बनाया जाए, ताकि किसानों को किसी प्रकार की परेशानी का सामना न करना पड़े। साथ ही, राज्य स्तर पर और मंडियों में कंट्रोल रूम स्थापित कर पूरी प्रक्रिया की निगरानी सुनिश्चित करने को कहा गया।

उन्होंने निर्देश दिए कि 10 अप्रैल से पहले सभी तौल केंद्रों का निरीक्षण कर लिया जाए और वहां बिजली, पानी, छाया, बैठने की व्यवस्था, प्रसाधन और पार्किंग जैसी मूलभूत सुविधाएं उपलब्ध कराई जाएं। किसानों को लंबी कतारों में न लगना पड़े, इसके लिए व्यवस्थाएं बेहतर करने पर भी जोर दिया गया। खरीदी के बाद किसानों के खातों में भुगतान शीघ्र सुनिश्चित करने के निर्देश भी दिए गए।

अधिकारियों ने जानकारी दी कि इंदौर, उज्जैन, भोपाल और नर्मदापुरम संभाग में 10 अप्रैल से तथा अन्य संभागों में 15 अप्रैल से गेहूं खरीदी शुरू होगी। इस वर्ष 19 लाख से अधिक किसानों ने पंजीयन कराया है और 3627 उपार्जन केंद्र बनाए गए हैं। गेहूं का समर्थन मूल्य 2625 रुपये प्रति क्विंटल तय किया गया है, जिसमें 40 रुपये प्रति क्विंटल बोनस भी दिया जाएगा।

सिकल सेल उन्मूलन को जन-आंदोलन बनाने का आह्वान, राज्यपाल पटेल का संदेश

'सबका साथ-सबका विकास' से ही बीमारी से मुक्ति संभव : पटेल

राज्य ब्यूरो, नईदुनिया, भोपाल: राज्यपाल मंगुभाई पटेल ने सिकल सेल एनीमिया के उन्मूलन के लिए इसे जन-आंदोलन बनाने पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि 'सबका साथ, सबका विकास' के मूल मंत्र को अपनाकर ही इस अनुवांशिक बीमारी से समाज को मुक्त किया जा सकता है। वे बदनावर के सिविल अस्पताल के नवीन भवन के लोकार्पण के बाद आयोजित मेगा स्वास्थ्य शिविर को संबोधित कर रहे थे।

राज्यपाल ने कहा कि सिकल सेल के उपचार को लेकर किसी भी प्रकार की भ्रांतियों से बचना चाहिए और केवल पंजीकृत चिकित्सकों के परामर्श के अनुसार ही दवाओं का सेवन करना चाहिए। उन्होंने बताया कि प्रदेश में अब तक 1 करोड़ 31 लाख से अधिक जांचें की जा चुकी हैं।

जनजातीय क्षेत्रों में जागरूकता बढ़ाने के लिए 'सिकल सेल मित्र' तैयार किए जा रहे हैं, जबकि मरीजों को बेहतर सुविधा देने के लिए डिजिटल कार्ड व्यवस्था भी लागू की गई है।

कार्यक्रम के दौरान 'संकल्प से समाधान अभियान' के तहत विभिन्न योजनाओं के हितग्राहियों को लाभ वितरित किए गए। साथ ही जिला रेडक्रॉस सोसायटी और एक चिकित्सा संस्थान के बीच अनुबंध किया गया, जिसके तहत प्रत्येक विकासखंड में हर तीन माह में स्वास्थ्य शिविर लगाए जाएंगे। वृहद स्वास्थ्य शिविर में 688 मरीजों का नि:शुल्क उपचार किया गया, जिनमें 384 महिलाएं और 304 पुरुष शामिल रहे। इस अवसर पर जनप्रतिनिधि, अधिकारी और बड़ी संख्या में नागरिक उपस्थित रहे।

सेज यूनिवर्सिटी में देर रात गोलीकांड, दो छात्र घायल

नईदुनिया प्रतिनिधि, भोपाल: राजधानी के कटारा हिल्स थाना क्षेत्र स्थित सेज यूनिवर्सिटी परिसर में देर रात छात्रों के दो गुटों के बीच विवाद के बाद गोलीकांड हो गया। घटना में दो छात्र गंभीर रूप से घायल हो गए, जिन्हें इलाज के लिए एम्स में भर्ती कराया गया है।

घायल छात्रों की पहचान वासु गुप्ता (दतिया) और अंशु तेज पाटिल (जलगांव, महाराष्ट्र) के रूप में हुई है। वासु गुप्ता के कंधे में जबकि अंशु पाटिल के पेट में गोली लगी थी। डॉक्टरों के अनुसार दोनों का इलाज जारी है और वे अब खतरे से बाहर हैं।

पुलिस के अनुसार घटना देर रात करीब 12:40 बजे सेज सनसिटी फेस-1 की मल्टी में हुई। बताया जा रहा है कि नशे की हालत में पहुंचे कुछ छात्रों का अन्य छात्रों से विवाद हुआ, जो बढ़कर फायरिंग तक पहुंच गया। इसी दौरान मौके पर पहुंचे अन्य छात्रों पर भी आरोपियों ने गोली चला दी। घटना के बाद आरोपी छात्र सुधांशु सिंह और उसके साथी मौके से फरार हो गए। कटारा हिल्स थाना पुलिस ने मामला दर्ज कर आरोपियों की तलाश शुरू कर दी है। पुलिस का कहना है कि जल्द ही सभी आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया जाएगा।

स्थायी वारंटी आरोपी अवैध छुरी के साथ गिरफ्तार

नईदुनिया प्रतिनिधि, भोपाल: शहर में कानून-व्यवस्था बनाए रखने के लिए चलाए जा रहे अभियान के तहत टीटी नगर थाना पुलिस ने एक स्थायी वारंटी आरोपी को अवैध हथियार के साथ गिरफ्तार किया है। आरोपी थाना क्षेत्र का रजिस्टर गुंडा बताया जा रहा है, जिसके खिलाफ पहले से 33 आपराधिक मामले दर्ज हैं। पुलिस के अनुसार 4 अप्रैल को मुखबिर से सूचना मिली थी कि एक युवक टीनशेड कलारी के सामने चाऊमीन ठेले के पास अवैध हथियार लेकर घूम रहा है। सूचना पर तत्काल पुलिस टीम मौके पर पहुंची, जहां बताए गए हुलिये का व्यक्ति पुलिस को देखकर भागने लगा। पुलिस ने घेराबंदी कर उसे पकड़ लिया। पूछताछ में आरोपी ने अपना नाम दुर्गेश उर्फ दुग्गा रावत (28) निवासी गौतम नगर बताया। तलाशी लेने पर उसके पास से एक लोहे की छुरी बरामद हुई। आरोपी से वैध दस्तावेज मांगे जाने पर वह कोई कागजात प्रस्तुत नहीं कर सका। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ धारा 25 आर्म्स एक्ट के तहत मामला दर्ज कर छुरी जब्त कर ली है। पूर्व में लंबित स्थायी वारंट भी तामील कर उसे न्यायालय में पेश किया गया।

इंस्टाग्राम से दोस्ती के बाद छात्रा से रेप

नप्र, भोपाल : राजधानी के कजलीखेड़ा थाना इलाके में रहने वाली छात्रा के साथ रेप की घटना सामने आई है। वारदात को इंस्टाग्राम फ्रेंड ने अंजाम दिया। दोनों तीन महीने से रिलेशन में थे। पीड़िता की शिकायत पर एफआईआर दर्ज की गई है। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ केस दर्ज कर उसकी तलाश शुरू कर दी है। आरोपी के संभावित ठिकानों पर दबिश दी जा रही है। एफआईआर की भनक लगते ही आरोपी फरार हो गया है। थाना प्रभारी पल्लवी पांडे के मुताबिक 18 वर्षीय युवती स्कूली छात्रा ने 12वीं कक्षा का एग्जाम दिया है। जबकि आरोपी आकाश ठाकुर ढाबे पर खाना बनाने का काम करता है। दोनों के बीच इंस्टाग्राम के माध्यम से दोस्ती हुई थी। पहले फोन पर बातचीत हुई और आरोपी युवक ने उसे मिलने के लिए होटल में बुलाया। जहां उसने शादी करने का झांसा देकर पीड़िता के साथ रेप किया। उसके बाद से वह लगातार पीड़िता का शोषण कर रहा था। अभी कुछ दिन पहले आरोपी युवक ने शादी करने से इंकार कर दिया।

पुलिस का बड़ा एक्शन, कई इलाकों में दबिश से मचा हड़कंप

नईदुनिया प्रतिनिधि, भोपाल: राजधानी में बढ़ते अपराधों पर नियंत्रण और कानून-व्यवस्था को सुदृढ़ करने के उद्देश्य से पुलिस ने व्यापक स्तर पर सर्चिंग और चेकिंग अभियान चलाया। इस दौरान शहर के कई थाना क्षेत्रों में एक साथ कार्रवाई की गई, जिससे बदमाशों में खौफ का माहौल बन गया।

तलैया थाना पुलिस ने वरिष्ठ अधिकारियों के निर्देश पर अतिरिक्त पुलिस बल के साथ इतवारा क्षेत्र में सघन दबिश दी। यहां निगरानीशुदा और लिस्टेड गुंडों के घरों पर छापेमारी की गई। कार्रवाई के दौरान पूरे इलाके में भारी पुलिस बल तैनात रहा, जिससे लोगों में हलचल देखी गई। पुलिस टीम द्वारा कई संदिग्ध व्यक्तियों की तलाश की जा रही है और उनकी गतिविधियों पर नजर रखी जा रही है। इसी क्रम में पुलिस उपायुक्त मयूर खंडेलवाल के नेतृत्व में चुनभट्टी, कोलार और कजलीखेड़ा क्षेत्रों में सरप्राइज चेकिंग अभियान चलाया गया। पुलिस ने सड़कों पर वाहनों की जांच के साथ-साथ संदिग्ध लोगों से पूछताछ कर उनकी पहचान सत्यापित की।

वहीं गौतम नगर थाना क्षेत्र में थाना प्रभारी महेंद्र सिंह ठाकुर के नेतृत्व में अपराध और नशाखोरी के खिलाफ विशेष अभियान चलाया गया। आरिफ नगर चौक सहित आसपास के इलाकों में सघन चेकिंग की गई तथा दो दर्जन से अधिक बदमाशों के ठिकानों पर दबिश दी गई। इस दौरान नशाखोरों और चाकूबाजों की तलाश में लगातार कार्रवाई जारी रही। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि शहर में शांति व्यवस्था बनाए रखने और अपराधियों पर प्रभावी नियंत्रण के लिए ऐसे अभियान आगे भी जारी रहेंगे। उन्होंने स्पष्ट किया कि किसी भी आपराधिक तत्व को बख्शा नहीं जाएगा।

एमपी नगर पुलिस की सख्ती....

देर रात बार और क्लब कराए बंद

नईदुनिया प्रतिनिधि, भोपाल: राजधानी के एमपी नगर क्षेत्र में देर रात पुलिस ने सख्त कार्रवाई करते हुए बार, क्लब और रेस्टोरेंट्स को निर्धारित समय के बाद बंद कराया। इस दौरान एसीपी मनीष भारद्वाज स्वयं फील्ड पर मौजूद रहे और पुलिस टीम के साथ कार्रवाई का नेतृत्व किया।

यह अभियान वरिष्ठ अधिकारियों के निर्देश और लागू नियमों के पालन को सुनिश्चित करने के उद्देश्य से चलाया गया। पुलिस को लगातार शिकायतें मिल रही थीं कि कई प्रतिष्ठान तय समय के बाद भी खुले रहते हैं, जहां मादक पदार्थों का सेवन और देर रात झगड़े जैसी घटनाएं सामने आ रही हैं।

कार्रवाई से पहले पुलिस ने बार, क्लब और रेस्टोरेंट संचालकों के साथ बैठक कर उन्हें नियमों का पालन करने के निर्देश दिए थे। इसके बावजूद उल्लंघन मिलने पर पुलिस ने सख्ती दिखाते हुए प्रतिष्ठानों को बंद कराया। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि जनहित और कानून-व्यवस्था बनाए रखने के लिए इस तरह की कार्रवाई आगे भी जारी रहेगी तथा नियमों का उल्लंघन करने वालों के खिलाफ सख्त कदम उठाए जाएंगे।

भाजपा स्थापना दिवस पर प्रदेशभर में कार्यक्रम

नईदुनिया प्रतिनिधि, भोपाल: भाजपा का स्थापना दिवस 6 अप्रैल को प्रदेशभर में उत्साहपूर्वक मनाया जाएगा। इस अवसर पर बूथ स्तर तक विभिन्न कार्यक्रम आयोजित होंगे। पार्टी कार्यालयों और कार्यकर्ताओं के घरों पर ध्वजारोहण, सजावट और मिष्ठान वितरण किया जाएगा। प्रदेश कार्यालय में मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव, प्रदेश अध्यक्ष हेमंत खण्डेलवाल और क्षेत्रीय संगठन महामंत्री अजय जामवाल प्रात: 11:15 बजे ध्वजारोहण करेंगे। इसके बाद वे 14 जिलों में जिला कार्यालय भवनों के भूमि-पूजन और 3 जिलों में कार्यारंभ कार्यक्रम में वर्चुअली शामिल होकर संबोधित करेंगे। कार्यक्रम का लाइव प्रसारण मंडल स्तर तक किया जाएगा।

चर्च के भीतर घुसकर, युवक पर चाकू से हमला, घायल

नईदुनिया प्रतिनिधि, भोपाल: राजधानी के कजलीखेड़ा थाना क्षेत्र स्थित गेहुँखेड़ा इलाके में देर रात एक युवक पर चाकू से हमला किए जाने का मामला सामने आया है। घटना करीब रात डेढ़ बजे की बताई जा रही है, जिससे क्षेत्र में सनसनी फैल गई। सूत्रों के अनुसार, युवक पर चर्च परिसर के भीतर अज्ञात हमलावर द्वारा चाकू से हमला किया गया। हमले के पीछे के कारणों का फिलहाल खुलासा नहीं हो सका है। घटना के बाद घायल युवक को उपचार के लिए अस्पताल भेजा गया।घटना के कई घंटे बीत जाने के बावजूद पुलिस द्वारा अब तक मामला दर्ज नहीं किए जाने की बात सामने आई है।

मेवाड़ा हत्याकांड: दोषियों को फांसी की मांग को लेकर निकाला कैंडल मार्च

नईदुनिया प्रतिनिधि, भोपाल: अशोका गार्डन क्षेत्र में हुए विजय मेवाड़ा हत्याकांड के विरोध में रविवार को बड़ी संख्या में लोगों ने शांतिपूर्ण कैंडल मार्च निकाला। इस दौरान परिजनों, स्थानीय नागरिकों और विभिन्न हिंदू संगठनों ने दोषियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई और फांसी की सजा की मांग की।

कैंडल मार्च नेहरू स्कूल चौराहा से शुरू होकर प्रभात चौराहा होते हुए पुन: नेहरू स्कूल चौराहे पर समाप्त हुआ। मार्च में हजारों लोग शामिल हुए और पूरे मार्ग में 'न्याय चाहिए' के नारे लगाए गए। इस दौरान मंत्री विश्वास सारंग भी शामिल हुए। वहीं हिंदू उत्सव समिति के अध्यक्ष चंद्रशेखर तिवारी ने भी मार्च में भाग लेकर पीड़ित परिवार को न्याय दिलाने की मांग की।

कैंडल मार्च के दौरान किसी भी प्रकार की अव्यवस्था न हो, इसके लिए भारी पुलिस बल तैनात किया गया था। परिजनों ने आरोपियों के खिलाफ सख्त से सख्त कार्रवाई की मांग दोहराई। पुलिस के अनुसार, मामले में तीनों आरोपियों को गिरफ्तार किया जा चुका है, जबकि मुख्य आरोपी आसिफ उर्फ बम का पुलिस द्वारा शॉर्ट एनकाउंटर किया गया है। पुलिस का कहना है कि आगे की कार्रवाई विधि अनुसार जारी है।

जेपी अस्पताल में अव्यवस्थाओं को लेकर युवा कांग्रेस ने दी आंदोलन की चेतावनी

नईदुनिया प्रतिनिधि, भोपाल: राजधानी के जयप्रकाश जिला चिकित्सालय में सामने आ रही अव्यवस्थाओं को लेकर मध्य प्रदेश युवा कांग्रेस ने कड़ा विरोध जताया है। प्रदेश सचिव अनिकेत द्विवेदी ने अस्पताल में स्वास्थ्य सेवाओं की स्थिति को चिंताजनक बताते हुए तत्काल सुधार की मांग की है। श्री द्विवेदी ने बताया कि रेडियोलॉजिस्ट का कॉन्ट्रैक्ट समाप्त होने के कारण सोनोग्राफी जांच कई दिनों से बंद है, जिससे गर्भवती महिलाओं और गंभीर मरीजों को परेशानी हो रही है। मरीजों से पंजीयन शुल्क लेने के बावजूद जांच नहीं हो पा रही है और उन्हें बार-बार अस्पताल आना पड़ रहा है। ऐसे में अस्पताल में भर्ती मरीजों की सुरक्षा पर सवाल उठ रहे हैं। युवा कांग्रेस ने रेडियोलॉजिस्ट की नियुक्ति, दवा उपलब्धता, मशीनों की मरम्मत और जांच की मांग की है। चेतावनी दी गई है कि जल्द समाधान नहीं हुआ तो आंदोलन किया जाएगा।

35 करोड़ का गेहूं सड़कर 150 करोड़ का नुकसान, कांग्रेस का हमला

नईदुनिया प्रतिनिधि, भोपाल: प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष जीतू पटवारी ने रायसेन जिले के वेयरहाउस में हजारों टन गेहूं सड़ने के मामले को लेकर सरकार पर तीखा हमला बोला है। उन्होंने कहा कि 35 करोड़ रुपए का गेहूं बढ़ते खर्चों के कारण 150 करोड़ रुपए तक पहुंच गया, जो गंभीर लापरवाही या संगठित भ्रष्टाचार का संकेत है।

श्री पटवारी ने आरोप लगाया कि 2017-18 से 2019-20 के बीच खरीदा गया करीब 20 हजार टन गेहूं वर्षों तक गोदामों में पड़ा रहा, लेकिन समय पर उसका उठाव या वितरण नहीं किया गया। परिणामस्वरूप अनाज पूरी तरह सड़कर अनुपयोगी हो गया। उन्होंने कहा कि यह केवल अनाज की बर्बादी नहीं, बल्कि गरीबों के अधिकारों के साथ अन्याय है।

उन्होंने यह भी कहा कि भंडारण, परिवहन और अन्य खर्चों के नाम पर लागत बढ़ाकर बड़े घोटाले को अंजाम दिया गया है। कीटनाशकों के अत्यधिक उपयोग से यह गेहूं जहरीला हो गया है, जिससे जनस्वास्थ्य पर भी खतरा है।

कांग्रेस ने इस मामले में उच्चस्तरीय न्यायिक जांच, दोषियों पर आपराधिक कार्रवाई और 150 करोड़ रुपए की वसूली की मांग की है। साथ ही भंडारण और वितरण प्रणाली में सुधार की बात कही है। श्री पटवारी ने चेतावनी दी कि यदि जल्द कार्रवाई नहीं हुई तो कांग्रेस प्रदेशभर में जनआंदोलन करेगी।

बीएचईएल स्कूलों की फीस वृद्धि के विरोध में यूनियन का प्रदर्शन

राज्य ब्यूरो, नईदुनिया, भोपाल: बीएचईएल शिक्षा मंडल के स्कूलों में फीस वृद्धि के विरोध में ऑल इंडिया बीएचईएल एम्प्लॉइज यूनियन (ऐबू) का प्रतिनिधिमंडल जीएम एचआर टीयू सिंह से मिला। प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व यूनियन के महासचिव रामनारायण गिरी ने किया, जिसमें अन्य पदाधिकारी भी शामिल रहे।

यूनियन ने बताया कि स्कूलों की फीस में की गई बढ़ोतरी कर्मचारियों के बच्चों के अभिभावकों के लिए अन्यायपूर्ण है। उन्होंने मांग की कि बीएचईएल स्कूलों में कर्मचारियों के बच्चों के लिए फीस को सब्सिडी के आधार पर तय किया जाए और इसे वेलफेयर दृष्टिकोण से देखा जाए। प्रतिनिधिमंडल ने यह भी कहा कि पहले फीस से जुड़े मुद्दों पर आईआर मीटिंग आयोजित होती थी, जिसे दोबारा शुरू किया जाना चाहिए। साथ ही बिना पूर्व सूचना फीस वृद्धि पर रोक लगाने और अन्य बीएचईएल इकाइयों के स्कूलों की फीस का तुलनात्मक अध्ययन करने की मांग की गई। यूनियन ने स्मार्ट क्लास, इंफ्रास्ट्रक्चर और खेल सुविधाओं के नाम पर वसूली जा रही फीस के अनुरूप सुविधाएं उपलब्ध कराने की बात भी रखी। उनका कहना था कि अतिरिक्त शुल्क लेना उचित नहीं है।

समापन भारतीय ज्ञान परंपरा और आधुनिक विज्ञान के समन्वय पर जोर...

उज्जैन में 'महाकाल: द मास्टर ऑफ टाइम' सम्मेलन का समापन

राज्य ब्यूरो, नईदुनिया, भोपाल: उज्जैन के तारामंडल में आयोजित अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन 'महाकाल: द मास्टर ऑफ टाइम' का समापन तीसरे दिन 'वे फॉरवर्ड' विषय पर पैनल चर्चा के साथ हुआ।

इस सत्र में वैज्ञानिकों और शिक्षाविदों ने अंतरिक्ष अनुसंधान, खगोल विज्ञान, स्वदेशी तकनीक और भारतीय ज्ञान परंपरा पर अपने विचार साझा किए।

विशेषज्ञों ने कहा कि भारत के अंतरिक्ष कार्यक्रमों की सफलता के लिए कुशल मानव संसाधन अत्यंत आवश्यक है। चंद्रमा पर मानव मिशन जैसे लक्ष्यों के लिए विज्ञान और इंजीनियरिंग के विभिन्न क्षेत्रों में विशेषज्ञता की जरूरत होगी। साथ ही अंतरिक्ष चिकित्सा, जैव विज्ञान और खाद्य प्रौद्योगिकी जैसे नए क्षेत्रों के महत्व को भी रेखांकित किया गया।

पैनल में स्वदेशी तकनीक और उद्योगों की भागीदारी पर विशेष जोर दिया गया। वैज्ञानिकों ने कहा कि पहले भारत कई तकनीकों के लिए विदेशों पर निर्भर था, लेकिन अब देश में विकसित परियोजनाओं ने आत्मनिर्भरता को मजबूत किया है। अनुसंधान संस्थानों और उद्योगों के बीच बेहतर समन्वय से नवाचार को बढ़ावा मिलेगा।

शिक्षा के क्षेत्र में स्पेस साइंस और खगोल विज्ञान को व्यापक बनाने की जरूरत बताई गई। विशेषज्ञों ने सुझाव दिया कि इन विषयों को मुख्यधारा की शिक्षा से जोड़ा जाए, जिससे युवाओं को प्रारंभ से ही इस क्षेत्र में अवसर मिल सकें।

सम्मेलन में भारतीय ज्ञान परंपरा और इतिहास के पुनर्पाठ पर भी बल दिया गया। उज्जैन को प्राचीन काल से खगोल अध्ययन और समय गणना का महत्वपूर्ण केंद्र बताते हुए इसकी वैज्ञानिक विरासत को पुन: स्थापित करने की आवश्यकता जताई गई। विशेषज्ञों ने कहा कि अंतरिक्ष अनुसंधान में युवाओं के लिए अपार संभावनाएं हैं और समन्वित प्रयासों से भारत वैश्विक नेतृत्व की दिशा में आगे बढ़ सकता है।

एम्स और इरास्मस मेडिकल सेंटर ने फार्माकोजीनोमिक्स में अकादमिक सहयोग शुरू किया

नईदुनिया प्रतिनिधि, भोपाल आज: एम्स और नीदरलैंड्स के रॉटरडैम स्थित इरास्मस मेडिकल सेंटर के बीच फार्माकोजीनोमिक्स और प्रिसिजन मेडिसिन के क्षेत्र में अकादमिक सहयोग की पहल हुई है। एम्स भोपाल के कार्यपालक निदेशक एवं सीईओ प्रो. माधवानन्द कर ने इरास्मस के प्रतिनिधिमंडल से मुलाकात की।

इस प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व क्लिनिकल बायोइनफॉर्मेटिक्स विभाग के प्रमुख प्रो. पीटर जे. वान डेर स्पेक ने किया। बैठक में दीर्घकालिक शोध सहयोग के लिए औपचारिक रूप से आशय पत्र प्रस्तुत किया गया। एम्स भोपाल की ओर से डॉ. शुभम अटल इस परियोजना का नेतृत्व करेंगे, जबकि प्रो. बालकृष्णन एस., डॉ. जितेंद्र सिंह और प्रो. अशोक कुमार सह-सहयोगी होंगे। प्रस्तावित अध्ययन में फार्माकोजीनोमिक पैनल परीक्षण की व्यवहार्यता, स्केलेबिलिटी, नैदानिक उपयोगिता और स्वास्थ्य-आर्थिक प्रभाव का मूल्यांकन किया जाएगा। इरास्मस प्रतिनिधिमंडल में प्रो. हरि शंकर शर्मा और सुश्री लिंडा होडेलमैन्स भी शामिल थे। दोनों पक्षों ने विस्तृत और मजबूत शोध प्रस्ताव के माध्यम से सहयोग को आगे बढ़ाने पर सहमति जताई। यह पहल न केवल भारत में प्रिसिजन मेडिसिन की क्षमताओं को बढ़ाएगी, बल्कि भारत और नीदरलैंड के बीच दीर्घकालिक अकादमिक और शोध सहयोग को भी मजबूती देगी। एम्स लगातार चिकित्सा सेवाओं और शोध कार्यों में नई ऊँचाइयाँ स्थापित कर रहा है, जिससे इसे अंतरराष्ट्रीय स्तर पर मान्यता मिल रही है।

राजधानी के कई इलाकों में आज बिजली कटौती

नईदुनिया प्रतिनिधि, भोपाल : राजधानी के 40 इलाकों में सोमवार को 3 से 6 घंटे तक बिजली कटौती की जाएगी। यह कटौती बिजली कंपनी के मेंटेनेंस कार्य के कारण होगी, जिससे कई इलाकों में सप्लाई प्रभावित रहेगी। बिजली बंद रहने वाले इलाकों में गेहूंखेड़ा, जवाहर चौक, न्यू मार्केट, टीटी नगर, बैरागढ़ चीचली, हिनोतिया, गौतम नगर, नारियलखेड़ा, टीला, अमराई और अन्य प्रमुख क्षेत्र शामिल हैं। नागरिकों को सलाह दी गई है कि वे इन क्षेत्रों में आवश्यक कार्य पहले से निपटा लें। **कटौती के असर वाले इलाकों की सूची:** 9 से 12 बजे तक: राजगालिया कॉलोनी, मैकेनिकल मार्केट, 9 से 2 बजे तक: बैरागढ़ चीचली, मीनाखेड़ी, जवाहर चौक, टीटी नगर, 10 से 2 बजे तक: न्यू मार्केट, 45 बंगलो।

एम्स ने पुरुष बांझपन की जाँच में अंतरराष्ट्रीय स्तर पर दिखाई क्षमता

नईदुनिया प्रतिनिधि, भोपाल : आज एम्स ने पुरुष बांझपन की सटीक जांच में महत्वपूर्ण उपलब्धि हासिल की है, जिसे अंतरराष्ट्रीय मंच पर सराहा गया।

संस्थान की अतिरिक्त प्रोफेसर डॉ. हेमलता पंवार ने अमेरिका के सैन एंटोनियो में आयोजित यूएसकैप वार्षिक बैठक 2026 में अपना शोध 'डीएनए फ्रैगमेंटेशन इंडेक्स: पुरुष कारक बांझपन के लिए एक उभरता हुआ नैदानिक उपकरण' प्रस्तुत किया।

शोध में पाया गया कि जिन व्यक्तियों में डीएनए फ्रैगमेंटेशन स्तर 30 प्रतिशत से अधिक होता है, उनमें शुक्राणु की गुणवत्ता प्रभावित होती है। यह समस्या विशेष रूप से धूम्रपान करने वालों में अधिक देखी गई। डीएनए फ्रैगमेंटेशन इंडेक्स तकनीक सामान्य वीर्य जांच में छूट जाने वाले डीएनए क्षति की पहचान में सहायक साबित होती है और पुरुष बांझपन के व्यक्तिगत और सटीक उपचार की दिशा में नई संभावनाएं खोलती है।

यह परियोजना एम्स भोपाल की आंतरिक वित्त पोषित योजना के अंतर्गत सम्पन्न हुई। बहु-विषयक टीम में डॉ. अश्वनी टंडन, डॉ. वैशाली वाल्के, डॉ. रेखा सिंह, डॉ. के. पुष्पलता, डॉ. के. माधवन, डॉ. अश्विन कोटनिस, डॉ. अंकुर जोशी और डॉ. नीलकमल कपूर ने योगदान दिया। डॉ. सुरम्या जैन, डॉ. पंवार की शोध छात्रा, सह-लेखक के रूप में शामिल हुईं।

इस अध्ययन से पुरुष बांझपन की जांच अधिक सटीक और व्यापक रूप से की जा सकेगी। इससे दंपतियों को समय पर उचित सलाह और व्यक्तिगत उपचार उपलब्ध होगा।

शोध का उद्देश्य मेडिकल विज्ञान में नवीन तकनीकों के माध्यम से नैदानिक प्रक्रिया को और मजबूत बनाना है। एम्स लगातार चिकित्सा नवाचार और शोध में नई ऊँचाइयाँ छू रहा है, जिससे न केवल मरीजों को बेहतर स्वास्थ्य सेवाएं मिल रही हैं, बल्कि संस्थान को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर मान्यता भी मिल रही है।

एलएनसीटी में रग्बी प्रतियोगिता का रोमांच चरम पर

नईदुनिया प्रतिनिधि, भोपाल : मप्र रग्बी फुटबॉल एसोसिएशन के तत्वावधान में एलएनसीटी भोपाल में आयोजित 7वीं राज्यस्तरीय सीनियर एवं जूनियर रग्बी 7एस (बालक एवं बालिका) प्रतियोगिता के दूसरे दिन खिलाड़ियों ने शानदार प्रदर्शन किया और कई रोमांचक मुकाबले देखने को मिले। जूनियर बालिका वर्ग में रायसेन, नर्मदापुरम, सीहोर, शाजापुर और बैतूल की टीमों ने अपने-अपने मुकाबले जीतकर अगले दौर में जगह बनाई। वहीं जूनियर बालक वर्ग में बैतूल, सीहोर, देवास, विदिशा और नर्मदापुरम की टीमों ने प्रभावशाली जीत दर्ज की।

सीनियर पुरुष वर्ग में देवास, खरगोन, भोपाल और रायसेन ने अपने प्रतिद्वंद्वियों को हराकर अगले चरण में प्रवेश किया। प्रतियोगिता के टेक्निकल डायरेक्टर संदीप जाधव ने बताया कि विभिन्न वर्गों के फाइनल मुकाबले सोमवार को खेले जाएंगे, जिनमें कड़े मुकाबले की उम्मीद है।

भोपाल एयरपोर्ट पर एप्रन विस्तार, बढ़ेंगी लंबी और नई उड़ानों की संभावनाएं

नप्र, भोपाल: राजा भोज एयरपोर्ट पर बढ़ती उड़ानों की संभावनाओं को देखते हुए एप्रन विस्तार की तैयारी की जा रही है। वर्तमान में यहां 17 एप्रन हैं, जिन्हें बढ़ाकर 30 करने की योजना है। इसके लिए जल्द ही टेंडर जारी किया जाएगा। विस्तार के बाद एयरपोर्ट की संचालन क्षमता लगभग दोगुनी हो जाएगी। नए एप्रन में कोड-ई श्रेणी के बड़े विमानों को खड़ा करने की सुविधा मिलेगी। इस श्रेणी में 300 से अधिक सीट वाले बड़े बोइंग और एयरबस विमान शामिल होते हैं। इससे लंबी दूरी की उड़ानों के संचालन का रास्ता साफ होगा । अभी एयरपोर्ट पर 9 बड़े और 8 छोटे विमानों की पार्किंग क्षमता है, जबकि प्रतिदिन 11 से 12 विमान खड़े हो रहे हैं, जिससे पीक समय में दबाव की स्थिति बन जाती है। विस्तार के बाद एक समय में अधिक विमान खड़े किए जा सकेंगे, जिससे उड़ानों में देरी कम होगी। इस परियोजना से नए स्लॉट उपलब्ध होंगे,नई घरेलू और अंतरराष्ट्रीय उड़ानें शुरू करना आसान होगा।

गांवों में भी लागू होंगे शहरी कॉलोनाइजर नियम, 8 को अहम् बैठक

नप्र, भोपाल: शहरों के प्लानिंग एरिया में शामिल गांवों में बेतरतीब विकास पर रोक लगाने के लिए सरकार बड़ा कदम उठाने जा रही है। प्रस्ताव है कि इन गांवों में भी शहरों की तरह कॉलोनाइजर नियम लागू किए जाएं, जिससे विकास में एकरूपता लाई जा सके और भविष्य की अव्यवस्थाओं से बचा जा सके।

इस दिशा में 8 अप्रैल को उच्च-स्तरीय बैठक आयोजित की जाएगी। बैठक में कॉलोनाइजर एक्ट, रेरा, मास्टर प्लान और भवन निर्माण नियमों के बीच समन्वय पर चर्चा होगी। दरअसल, भोपाल, इंदौर और जबलपुर जैसे शहरों का विस्तार अब आसपास के गांवों तक पहुंच चुका है, लेकिन वहां अभी भी ग्रामीण नियम ही लागू हैं। विशेषज्ञों के अनुसार, मौजूदा स्थिति में बिना स्पष्ट लैंड यूज तय किए ही गांवों में तेजी से कॉलोनियां विकसित हो रही हैं। शहरों में कॉलोनी विकास के लिए टाउन एंड कंट्री प्लानिंग से मंजूरी, इंफ्रास्ट्रक्चर, ओपन स्पेस, रेरा पंजीयन और विभिन्न विभागों की अनुमति अनिवार्य होती है, जबकि गांवों में ऐसी समग्र व्यवस्था का अभाव है। भोपाल के भदभदा रोड, रायसेन रोड, कोलार रोड और होशंगाबाद रोड के आसपास के क्षेत्रों में अव्यवस्थित विकास के उदाहरण सामने हैं, जहां मूलभूत सुविधाएं पूरी तरह विकसित नहीं हो पाई हैं।

नाम परिवर्तन सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मेरा पुत्र वंश नेमा पुत्र श्री मनोज कुमार नेमा निवासी 89, कस्तूरी ग्रीन सिटी, सेमरा कलां, भोपाल (म.प्र.) में निवास करता हूँ मेरे पुत्र का नाम वंश नेमा है, पुत्र के शैक्षणिक दस्तावेज में त्रुटिवश वंश लिखा गया, आवश्यक दस्तावेज जैसे आधार कार्ड एवं जन्म प्रमाण पत्र आदि में पुत्र का नाम वंश नेमा लिखा हुआ है, पुत्र को वंश नेमा के नाम से ही जाना पहचना, पढ़ा- लिखा जाता है। अत: सर्वसाधारण को सूचित हो।

पुराना नाम — **वंश**
नया नाम — **वंश नेमा**

पिता मनोज कुमार नेमा

0046

पंजी. क्र. DR/BPL/102370
दिनांक 11/Feb./2021
वर्धमान ग्रीन पार्क अपार्टमेंट रहवासी रखरखाव सहकारी समिति मर्यादित, भोपाल
समिति कार्यालय: ऑर्किड टॉवर वर्धमान ग्रीन पार्क, अशोका गार्डन, भोपाल (म.प्र.) 462023 मोबा. 9810309847

आम सभा हेतु नोटिस

म.प्र. सहकारी सोसाइटी अधिनियम 1960 की धारा 49 (A) में निर्देशित वार्षिक आम सभा का आयोजन दिनांक 19 अप्रैल 2026 को, रविवार सुबह 11:00 AM से मल्टी परिसर में किया जा रहा है। इस आम सभा में समिति के सभी रजिस्टर्ड सदस्य सादर आमंत्रित है। **इस मीटिंग का एजेंडा निम्नलिखित है**-1. वित्तीय वर्ष 2026-2027 के बजट की स्वीकृति। 2. वित्तीय वर्ष 2025-2026 के संपरीक्षा रिपोर्ट की संपुष्टि। 3. मल्टी परिसर के सभी बिल्डिंग के पानी के ओवरहेड टैंक की मरम्मत पर चर्चा और निर्णय। 4. अगले वर्ष समिति की कार्यकारिणी के लिए होने वाले चुनाव पर चर्चा और निर्णय। 5. कोई भी अन्य विषय अध्यक्ष की अनुमति से। नोट- प्रथम गणपूर्ति में कोरम पूरा ना होने की स्थिति में बैठक आधे घंटे स्थगित करके पुन: आयोजित की जाएगी। उसके बाद गणपूर्ति की कोई बाध्यता नहीं होगी।

तेजस्वी, अध्यक्ष
वर्धमान ग्रीन पार्क अपार्टमेंट रहवासी रखरखाव सहकारी समिति मर्यादित्त, भोपाल

0044

मुख्तारनामा निरस्ती आम सूचना

कृषि भूमि ख.नं.-93/1 (S), रकबा 0.2100 हे. अर्थात् 0.51 एकड़ स्थित ग्राम खेजडा बरामद, वार्ड नं. 74, तह. हुजूर, जिला भोपाल के संबंध में.

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि कृषि भूमि ख.नं.-93/1(S), रकबा 0.2100 हेक्टयर अर्थात् 0.51 एकड़ स्थित ग्राम खेजडा बरामद, वार्ड नं.-74, तह. हुजूर, जिला भोपाल मेरे पक्षकार अमान सिंह, आ. स्व. श्री परसादीलाल, निवासी-ग्राम खेजडा बरामद, भोपाल के स्वत्व, स्वामित्व व आधिपत्य की संपत्ति है। इस भूमि के संबंध मे मेरे पक्षकार के सीधे-साधे व ग्रामीण अनपढ़ होने का फायदा उठाते हुऐ उनके भाई रघुवीर सिंह, आत्मज परसादीलाल, निवासी-खेजडा बरामद द्वारा इस भूमि के क्रेता मनमोहन यादव से सांठ-गांठ कर रजिस्टर्ड विक्रय अनुबंध-पत्र के नाम पर अपने पक्ष में ई. पंजीकरण संख्या-R-04112501602639 पर दिनांक 07-11-2025 को रजिस्टर्ड मुख्त्यारनामा मेरे पक्षकार को धोके में रखकर निष्पादित करवा लिया था, जिसकी जानकारी होने पर मेरे पक्षकार द्वारा उक्त मुख्त्यारनामे को दिनांक 30-03-2026 को ई. पंजीकरण संख्या-R-30032600575265 से उप-पंजीयक कार्यालय भोपाल से निरस्त कर दिया है। जिसके निरस्तीकरण की सूचना रघुवीर सिंह को विधिवत् प्रेषित की जा चुकी है। मुख्त्यारनामा निरस्त होने से कोई भी व्यक्ति, संस्था मेरे पक्षकार की उपरोक्त वर्णित भूमि के संबंध में किसी तरह का कोई संव्यवहार रघुवीर सिंह से नही करे। अन्यथा ऐसी कार्यवाही शून्य व निष्प्रभावी होकर मेरे पक्षकार पर बंधनकारी नही रहेगी। **सूचित हो।**

जितेन्द्र वर्मा, एडवोकेट
ऑफिस: चेम्बर नं. 401, लायर्स चेम्बर, जिला न्यायालय के पीछे, अरेरा हिल्स, भोपाल-462011. मो.7974767929, 9827078750

0045

सूडोकु नवताल - 7741

★★★★☆ मध्यम

		5			3			
	2			9	5			
9						6		
			9				3	5
	6						7	
4	8				1		6	2
		7						3
			2	4			9	
			8			2		

Jagrutidaur.com, Bangalore

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते .
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु नवताल -7740 का हल

2	7	6	4	9	5	8	1	3
5	8	1	7	2	3	9	6	4
9	3	4	8	1	6	2	5	7
6	5	9	2	4	8	3	7	1
8	4	7	9	3	1	6	2	5
1	2	3	5	6	7	4	9	8
3	6	5	1	8	2	7	4	9
7	9	2	3	5	4	1	8	6
4	1	8	6	7	9	5	3	2

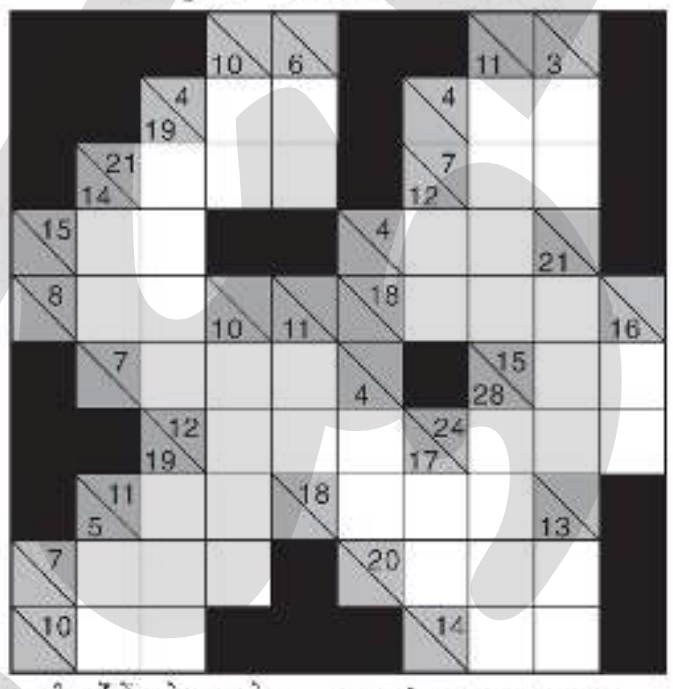

काकुरो पहेली - 7414

खाली वर्गों में 1 से 9 तक के अंक लिखकर नीचे से ऊपर व दाएं से बाएं की जोड़ हल्के रंग के आधे वर्ग की संख्या से मेल खानी चाहिए. किसी भी अंक का उस जोड़ में पुन: उपयोग नहीं किया जा सकता.

उदाहरणत:

काकुरो - 7413 का हल

Jagrutiduur.com, Bangalore

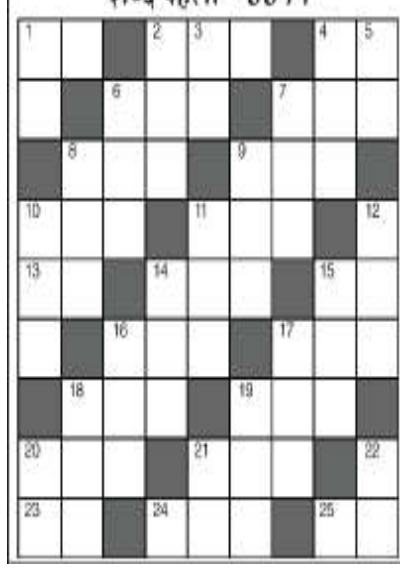

अष्टयोग - 7347

5	3			1		
	33	2	32		28	
1		7		4		3
6	33		42		31	6
			6		5	1
7	27	3	35	5	40	
	5			6		

प्रस्तुत खेल सुडोकु व जोड़ की पद्धति का मिश्रण है. खड़ी व आड़ी पंक्तियों में 1 से 7 तक के अंक लिखने आवश्यक हैं. रंगीन वर्गों में लिखी संख्या चारों ओर के 8 वर्गों की संख्या का कुल योग होगी. खड़ी अथवा आड़ी पंक्तियों में 1 से 7 तक के अंक होना अनिवार्य है.

अष्टयोग 7346 का हल

6	3	5	7	4	1	2
1	28	3	35	5	34	7
4	5	1	3	7	2	6
7	34	6	26	2	33	3
3	6	2	4	1	7	5
5	30	4	33	6	32	1
2	1	7	6	3	5	4

Jagrutidaur.com, Bangalore

शब्दजाल - 8347

श	रा	ज	क	वा	ई	ह	ट	झ	क	चि
अं	च	र	ठि	रिं	लै	ता	दि	शा	को	क
ग	र	ह	ना	दा	चि	सिं	बे	ला	ल	ना
झ	स	गा	ई	ल	क	आ	ह	ऊं	र	ह
ई	रा	र	ष	हा	मि	श	च	स	चा	ट
ह	ह	प	व	दा	ह	ना	त	उ	न	ई
म	ट	बु	अ	म	रा	ई	ह	त	ह	क
हं	जी	वा	उ	क	छ	सौ	न	रा	जू	ट
गा	यो	तें	ब	ह	ज	दा	ने	ई	र	द
ई	ल	प	का	रं	ट	ऐ	बें	न	ठ	थो
त	ड़	पा	ई	ट	ख	बी	ख	ला	ह	ट

शब्द जाल में ऐसे 10 शब्द ढूंढिए जिनके अंत में 'ई' आता हो. शब्द ऊपर से नीचे एवं तिरछे भी हैं.

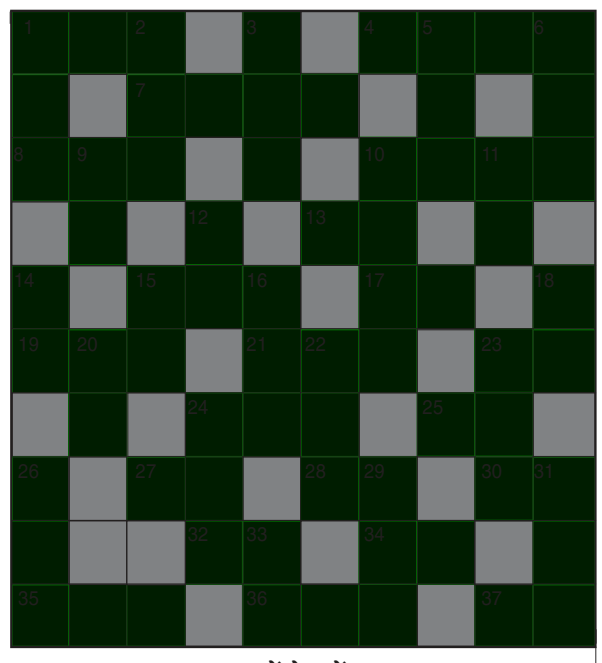

अमराई, कठिनाई, सगाई, महंगाई, उतराई, आशनाई, अवकाई, ऊंचाई, अंगड़ाई, कटाई

शब्दजाल - 8346 का हल

शब्द पहेली - 8811

बाएँ से दाएँ

1.प्राणप्रिय-2
2.लंबी गर्दन वाला पशु-3
4.आफत,मुसीबत-2
6.लाचार-3
7.आसरा,मदद-3
8.आश्रय,शरण-3
9.राज कपूर की पोती-3
10.कर्म,भाग्य-3
11.दासत्व,गुलामी-3
13.आर्टिकल-2
14.इच्छा,लालसा-3
15.दुगना,दोगुना-2
16.धार-3
17.टेसू के फूल-3
18.राजा का भवन-3
19.चौकसी-2
20.प्रेमी,साजन-3
21.कैनाल,अलग्दी-3
23.जीवन सत्व,प्राण-2
24.हमला,आक्रमण-3
25.ताड़-घाट-2

ऊपर से नीचे

1.अभिमान-2
2.मारना,वध करना-2
3.नृत्य,कृष्णलीला-2
4.अपव्यय करना-3
5.वेस्टइंडीज का कप्तान-2
6.अज्ञात,अनाम-3
7.नदी,दरिया-3
8.जांच,परीक्षण-3
9.परीक्षा करना-3
10.विचार-3
11.आंचल-3
12.नाश,विध्वंस-3
14.अंजन,नेत्रांजन-3
15.लाडला-3
16.शक,संदेह-3
17.तीन घंटे का समय-3
18.वितान-3
19.प्रथम-3
20.दंड,शिक्षा-2
21.आंशिक भीगा हुआ-2
22.प्राण,जीवन तत्व-2

शब्द पहेली -8810 का हल

Jagrutidaur.com, Bangalore

फिल्म वर्ग पहेली - 7238

बायें से दायें:-

१. अशोककुमार, नूतन, धर्मेन्द्र की 'ओ जाने वाले' गीत वाली फिल्म-३
४. गोविंदा, शिल्पा शेट्टी की 'स्पॉप दैट मेरी मर्जी' गीत वाली फिल्म-४
७. 'आज गालो मुस्कुरालो' गीत वाली राजेंद्र, धर्मेन्द्र, माला की फिल्म-३
८. फिल्म 'कभी कभीण' में ऋषिकपूर के साथ किस की जोड़ी थी-३
१०. १९७१ में आई अमिताभ, योगिता बाली का एक फिल्म-४
१३. 'कभी शाम ढले' गीतवाली फिल्म-२
१५. 'गोरी तेरा नखरा' गीत वाली बॉबी देओल, करिश्मा की फिल्म-३
१७. 'शादी के लिये रजामंद' गीत वाली फिल्म-२
१९. सैफ अली, काजोल की फिल्म-३
२१. अनिलधवन, नीतू सिंह की 'तेरी गलियों में ना' गीतवाली फिल्म-३
२३. 'तु मेरे पास भी है' गीत वाली फिल्म-२
२४. राजेंद्रकुमार, साधना की फिल्म-३
२५. अनिलकपूर, माधुरी की 'खत लिखना है' गीतवाली फिल्म-२
२७. राजीव, डिम्पल की फिल्म-२
२८. संजयदत्त, अभिषेक, जायेद, एशा, राइमा, शिल्पा की फिल्म-२
३०. 'तसवीर तेरी दिल में' गीत वाली देवआनंद, माला सिन्हा की फिल्म-२
३२. फिल्म 'हम तो मुहब्बत करेगा' में बॉबी देओल के किरदार का नाम-२
३४. 'देखें भी तो क्या' गीत वाली फिल्म-२
३५. 'चुराओ ना दिल' गीत वाली फिल्म-३
३६. दिलीपकुमार, वैजयंतीमाला की 'तेरे हुस्न की क्या' गीत वाली फिल्म-३
३७. फिल्म 'अलग-अलग' में राजेश खन्ना की नायिका कौन थी-२

ऊपर से नीचे:-

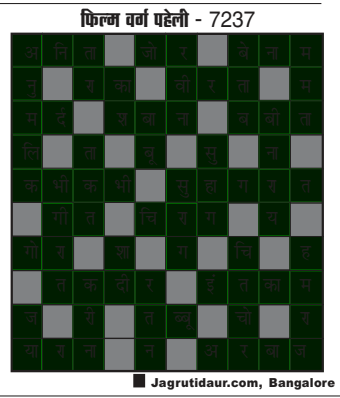

१. 'तेरे नैना मेरे नेनों की' गीत वाली फिल्म-३
२. फिल्म 'खुदगर्ज' में नायिका कौन थी-३
३. अनिलकपूर, माधुरी नम्रता की फिल्म-३
५. 'सैंया दिल में आना रे' गीतवाली फिल्म-३
६. फिल्म 'बारूद' में अक्षय की नायिका-३
९. बलराज साहनी, नूतन की फिल्म-२
१०. 'जरा तसवीर से तू' गीत वाली फिल्म-४
११. 'एक दूजे के लिए' में कमल हासन के किरदार का क्या नाम था-२
१२. फिल्म 'चोर मचाए शोर' में नायक-२
१४. राजकपूर, नर्गिस की 'ये शाम की तन्हाइयाँ' गीत वाली फिल्म-२
१५. 'शीशा हो या दिल हो' गीत वाली फिल्म-२
१६. सुनील शेट्टी, सोनाली की 'दिल जंगली कबूतर' गीत वाली फिल्म-३
१८. 'मैं प्यार का पुजारी' गीत वाली गोविंदा, नीलम की फिल्म-२
२०. 'कमरिया लचके रे' गीत वाली फिल्म-२
२२. 'और हम तुम' गीत वाली नाना पाटेकर, माधुरी दीक्षित की फिल्म-३
२३. फिल्म 'निकाह' की नायिका-३
२४. राज कपूर, नर्गिस की 'दम भर जो उधर' गीत वाली फिल्म-३
२६. 'जब ना माना दिल' गीत वाली कमल सदाना, काजोल की फिल्म-३
२९. राजेश खन्ना, शर्मिला की 'जीवन से भरी तेरी आँखें' गीत वाली फिल्म-३
३१. 'मेरा पिया' गीत वाली माधुरी की फिल्म-३
३३. विक्रम, लक्ष्मी की 'दिल क्या करे जब किसी को' गीत वाली फिल्म-२

फिल्म वर्ग पहेली - 7237

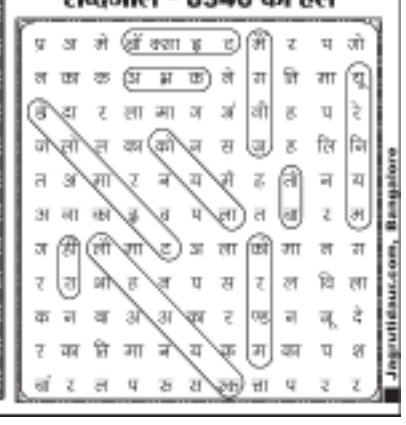

Jagrutidaur.com, Bangalore

खास-खबरें

चल समारोह में सम्मिलित हुए जैन पाठशाला की शिक्षिकाएं एवं बच्चे

नईदुनिया, प्रतिनिधि, मन्दसौरः मंदसौर में तीर्थंकर भगवान श्री महावीर स्वामी के जन्मकल्याणक महोत्सव के उपलक्ष्य में सकल जैन समाज के द्वारा भव्य चल समारोह निकाला गया था। चल समारोह में मंदसौर नगर में संचालित होने वाली विभिन्न जैन पाठशालाओं के बच्चे एवं शिक्षिकाएं भी विशेष रूप से सम्मिलित हुई। बच्चों ने विभिन्न प्रकार की प्रस्तुतियां दी थी। जिनका सम्मान रविवार को एक गरिमामाय कार्यक्रम में सकल जैन समाज के द्वारा किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में सकल जैन समाज के पूर्व अध्यक्ष शांतिलाल बड़जात्या, योग गुरू सुरेन्द्र जैन और सकल जैन समाज के अध्यक्ष लोकेन्द्र जैन गोटावाला, विशेष अतिथि के रूप में सकल जैन समाज के उपसंयोजक संजय मुरड़िया, अरविन्द मेहता, महामन्त्री शेखर कासमा, प्रताप कोठारी, प्रवक्ता विजयेन्द्र फांफरिया, युवा प्रकोष्ठ महामंत्री कमलेश कटारिया, महिला प्रकोष्ठ महामंत्री श्रीमती विनाली मेहता उपस्थित थे।

बिना पंजीयन संचालित निजी चिकित्सालयों पर होगी कार्रवाई

नईदुनिया, प्रतिनिधि, विदिशाः मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ रामहित कुमार द्वारा जारी प्रेस विज्ञप्ति में स्पष्ट किया गया है कि मध्यप्रदेश उपचर्यागृह तथा रूजोपचार संबंधी स्थापनाएं (रजिस्ट्रीकरण एवं अनुज्ञापन) नियम, 1997 (संशोधित 2021) एवं अधिनियम 1973 की धारा-3 के अंतर्गत निजी क्षेत्र के सभी चिकित्सा संस्थानों का पंजीयन अनिवार्य है। इन प्रावधानों के अंतर्गत नर्सिंग होम, निजी चिकित्सालय, परामर्श केंद्र, औषधालय, प्रयोगशाला, एक्स-रे एवं रेडियो डायग्नोस्टिक सेंटर, डेंटल क्लीनिक सहित सभी प्रकार के क्लीनिक बिना पंजीयन एवं अनुज्ञप्ति के ना तो खोले जा सकते हैं और ना ही संचालित किए जा सकते हैं। सीएमएचओ ने सभी निजी चिकित्सा संस्थानों के संचालकों को निर्देशित किया है कि वे अपनी संस्थाओं का तत्काल पंजीयन कराएं। जब तक पंजीयन प्रक्रिया पूर्ण नहीं हो जाती, तब तक किसी भी स्थिति में संस्था का संचालन न किया जाए।

भविष्य से भेंट' कार्यक्रम में विद्यार्थियों को मिले सफलता के मंत्र

नईदुनिया, प्रतिनिधि, भैरूंदाः पीएम श्री शासकीय बालक माध्यमिक विद्यालय भैरूंदा में शनिवार को स्कूल चले अभियान के अंतर्गत ''भविष्य से भेंट'' कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस अवसर पर विद्यार्थियों को शिक्षा, लक्ष्य निर्धारण और जीवन मूल्यों के महत्व पर मार्गदर्शन दिया गया। मुख्य अतिथि डॉ. शिरीष व्यास ने अपने छात्र जीवन के अनुभव साझा किए और सफलता प्राप्ति के व्यवहारिक टिप्स दिए। समाज सेविका राधिका जैमिनी ने बच्चों को स्पष्ट लक्ष्य निर्धारण और आत्मविश्वास के साथ आगे बढ़ने की प्रेरणा दी। वरिष्ठ शिक्षिका रूक्मणी दुबे ने भविष्य की चुनौतियों से अवगत कराते हुए उन्हें तैयार रहने की सीख दी। एसएमसी अध्यक्ष विनोद मेहरा ने अनुशासन और निरंतर मेहनत के महत्व पर बल दिया। प्रधानाचार्य राकेश वर्मा ने ''भविष्य से भेंट'' कार्यक्रम को विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास के लिए सराहनीय पहल बताया। कार्यक्रम में शिक्षकगण और पालकगण भी उपस्थित रहे।

जल गंगा संवर्धन अभियान - कुरवाई में हुई प्राचीन बावड़ी की सफाई

नईदुनिया प्रतिनिधि, विदिशाः नगर परिषद कुरवाई क्षेत्र में जल स्रोतों के संरक्षण और स्वच्छता को बढ़ावा देने के उद्देश्य से 'जल गंगा संवर्धन अभियान' के अंतर्गत वार्ड क्रमांक 4 में स्थित प्राचीन बावड़ी एवं उसके आसपास व्यापक सफाई अभियान अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व) मनीष जैन के निर्देशन में स्थानीय प्रशासन एवं नगर परिषद द्वारा संयुक्त रूप से संचालित किया गया। बावड़ी में लंबे समय से जमा गंदगी, मलबा, पॉलिथीन एवं अन्य ठोस अपशिष्ट को हटाया गया। साथ ही आसपास के नालों-गलियों और सार्वजनिक स्थलों की भी सघन साफ-सफाई की गई। अभियान में प्रशासनिक अधिकारियों, नगर परिषद के सफाई कर्मचारियों एवं स्थानीय नागरिकों ने सक्रिय भागीदारी निभाई।

बिजली कंपनी की मनमानी से भड़के मंडीवासी लोगों के चक्काजाम करते ही आई रोशनी

9 घंटे के इंतजार के बाद फूटा सब्र, मेंटेनेंस का बहाना बनाने से आए दिन होती है कटौती

नईदुनिया प्रतिनिधि, सीहोरः शहर के मंडी क्षेत्र में रविवार को बिजली कंपनी की मनमानी के खिलाफ जनता का गुस्सा सडक़ों पर उतर आया। मेंटेनेंस के नाम पर सुबह 7.30 बजे गुल हुई बिजली जब दोपहर 1 बजे के वादे के बाद भी नहीं आई तो शाम 4 बजे त्रस्त मंडी वासियों ने सीहोर-श्यामपुर मार्ग (मंडी चौराहा) पर चक्काजाम कर दिया। खास बात यह रही कि जिस बिजली को सुधारने में विभाग को 9 घंटे लग गए, वह चक्काजाम की खबर मिलते ही 30 मिनट के भीतर बहाल हो गई।

बता दें विद्युत वितरण कंपनी ने एक दिन पहले ही वाट्सग्रुप के माध्यम से सूचना दी थी कि रविवार 5 अप्रैल को सुबह 7 से दोपहर 1 बजे तक मेंटेनेंस कार्य के कारण बिजली गुल रहेगी। लोगों ने इसी भरोसे अपने कामकाज, दुकानों का मैनेजमेंट और घर के जरूरी काम सुबह निपटाने की योजना बनाई थी। लेकिन दोपहर के 1 बजे, फिर 2 और फिर 3 भी बज गए पर बिजली के दर्शन नहीं हुए। गर्मी के इस मौसम में बिना पंखे और पानी के जूझते लोगों के धैर्य की परीक्षा बिजली कंपनी ने अंतिम सीमा तक ले ली।

सोशल मीडिया पर जताई नाराजगीः बिजली कंपनी द्वारा बनाए गए आधिकारिक व्हाट्सएप ग्रुप पर दोपहर होते-होते नाराजगी का सैलाब आ गया। लोग तंज कसते हुए पूछने लगे लाइट दे दो बाऊजी, चिमनी के लिए तेल भी ईरान से नहीं आ रहा है। किसी ने लिखा कि दिमाग का दही हो चुका है, अब लाइट मत देना हम ठंडे पानी में डूब जाएंगे। एक व्यापारी ने गुहार लगाई कि लेबर खाली बैठी है, कम से कम अपने समय की तो लाज रख लो। लेकिन विभाग के जिम्मेदारों ने जवाब देने के बजाय मौन साधे रखा, जिससे जनता का गुस्सा सातवें आसमान पर पहुंच गया।

राम मंदिर के पास किया चक्काजामः दोपहर 3.30 बजे तक जब कोई सुनवाई नहीं हुई तो वार्ड 20, 22, 23 और 25 के रहवासी धीर-.धीरे मंडी चौराहा राम मंदिर के पास जमा होने लगे। देखते ही देखते भीड़ ने सीहोर-श्यामपुर मुख्य मार्ग को ब्लॉक कर दिया। जैसे ही चक्काजाम की सूचना बिजली विभाग और प्रशासन तक पहुंची, विभाग में हडक़ंप मच गया। आनन-फानन में जो फॉल्ट 9 घंटों से नहीं सुधर रहा था, उसे अगले 30 मिनट में ठीक कर शाम 4 बजे बिजली चालू कर दी गई।

मेंटेनेंस या सिर्फ बहानाः क्षेत्रवासियों का कहना है कि यह एक दिन की बात नहीं है। आए दिन मेंटेनेंस के नाम पर घंटों कटौती की जाती है, फिर भी लाइन में सुधार नहीं दिखता। रविवार की घटना ने साबित कर दिया कि बिजली कंपनी के पास संसाधन तो हैं, लेकिन इच्छाशक्ति की कमी है। अगर चक्काजाम होते ही आधे घंटे में बिजली आ सकती है तो फिर लोगों को 9 घंटे तक क्यों परेशान किया।

जनप्रतिनिधियों की 'खामोशी' पर सवाल

मंडी क्षेत्र की 15 हजार से अधिक की आबादी जिसमें संजय नगर, जनता कॉलोनी, अटल कॉलोनी और फ्रीगंज जैसे एक दर्जन से ज्यादा इलाके आते हैं, हर दिन बिजली की आवाजाही से परेशान हैं। इस क्षेत्र में कृषि उपज मंडी, जनपद कार्यालय और बड़ा इंडस्ट्रियल एरिया है। बिजली न होने से उद्योगों में मजदूर हाथ पर हाथ धरे बैठे रहते हैं और व्यापारियों का धंधा चौपट हो रहा है। हैरानी की बात यह है कि इस क्षेत्र के 4 वार्डों में से 3 पार्षद सत्ताधारी दल भाजपा के हैं, लेकिन जनता की इस समस्या पर वे भी 'लाचार' नजर आ रहे हैं।

विधायक का औचक निरीक्षण, बस स्टैंड और कॉलेज की व्यवस्थाओं पर दिए निर्देश

नईदुनिया प्रतिनिधि, गंजबासौदाः विधायक हरिसिंह रघुवंशी ने प्रशासनिक अधिकारियों के साथ नगर के प्रमुख स्थलों का औचक निरीक्षण कर व्यवस्थाओं का जायजा लिया। निरीक्षण के दौरान पाई गई कमियों को तत्काल सुधारने और मूलभूत सुविधाएं सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए।

विधायक ने एसडीएम, तहसीलदार और अन्य अधिकारियों के साथ महाराणा प्रताप बस स्टैंड का निरीक्षण किया। यहां साफ-सफाई, यात्रियों की सुविधाएं और अन्य व्यवस्थाओं को लेकर बारीकी से जांच की गई। इस दौरान बस स्टैंड पर बंद पड़ी प्याऊ को लेकर नाराजगी जताते हुए उसे तुरंत शुद्ध और ठंडे पानी के साथ चालू करने के निर्देश दिए गए। साथ ही परिसर और आसपास क्षेत्र में साफ-सफाई की पुख्ता व्यवस्था करने के लिए अधिकारियों को निर्देशित किया गया।

उन्होंने कहा कि गर्मी के मौसम को देखते हुए यात्रियों के लिए पेयजल और अन्य सुविधाओं की पर्याप्त व्यवस्था सुनिश्चित की जाए तथा समय-समय पर इनका निरीक्षण भी किया जाता रहे।

इसके बाद विधायक ने सुभद्रा देवी कन्या महाविद्यालय का भी औचक निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने कॉलेज के भवन, मैदान, कक्ष, लाइब्रेरी और प्रयोगशाला का निरीक्षण कर व्यवस्थाओं की जानकारी ली।

विधायक ने महाविद्यालय के प्राचार्य और स्टाफ को निर्देश दिए कि शैक्षणिक और गैर-शैक्षणिक व्यवस्थाओं को बेहतर बनाया जाए। साथ ही अधिकारियों और प्रबंधन को आवश्यक सुधार कार्य शीघ्र करने के निर्देश दिए गए।

होमगार्ड ने गुजरात के तीन लोगों को शिप्रा नदी में डूबने से बचाया

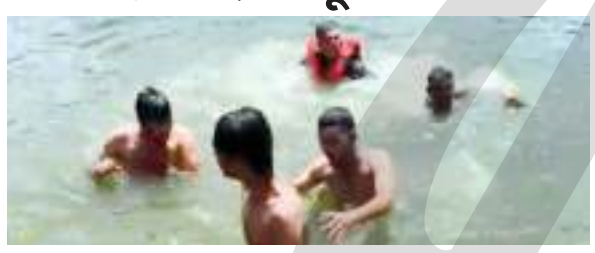

नईदुनिया प्रतिनिधि, उज्जैनः उज्जैन में होमागार्ड के जवानों ने रविवार को शिप्रा नदी मे गुरु नानक घाट पर स्नान के दौरान गुजरात से आए तीन श्रद्धालुओं को डूबने से बचाया।

होमगार्ड के जिला सेनानी संतोष जाट ने बताया कि गुजरात से आए श्रद्धालु जतिन उम्र 22 वर्ष गुरु नानक घाट में स्नान कर रहे थे। दौरान गहराई का अंदाजा न होने कारण वे डूबने लगे। इन्हें डूबता देख उसके दो साथी भंवर सिंह उम्र 23 वर्ष एवं ऋषि उम्र 26 वर्ष उसे बचाने नदी की गहराई में चले गए, किन्तु वह भी डूबने लगे। होमगार्ड एवं एसडीआरएफ के तैनात सैनिकों द्वारा तत्काल बिना समय गवाएं यूनिफॉर्म पहने हुए ही नदी में छलांग लगा दी और तीनों को सुरक्षित नदी के गहरे पानी से बाहर निकाल लिया। तीनों सुरक्षित है।

जीवन बचाने पर श्रद्धालुओं ने जवानों की प्रशंसा की, उनको धन्यवाद दिया। संतोष कुमार जाट ने बताया कि इस रेस्क्यू ऑपरेशन में होमगार्ड एवं एसडीआरएफ के सैनिक माखन परमार, शुभम शर्मा, सनी परमार, राहुल मंगलेश्वरी और राहुल परिहार की मुख्य भूमिका रही।

कांग्रेस ने महँगाई के खिलाफ किया प्रदर्शन

देवास। देवास में बढ़ती महंगाई के विरोध में रविवार को युवा कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने अनोखे अंदाज में प्रदर्शन किया। कार्यकर्ताओं ने दो भैंसों को आगे रखकर विकास नगर से कैलादेवी चौराहे तक रैली निकाली और सरकार के खिलाफ जमकर नारेबाजी की। प्रदर्शन का यह तरीका लोगों के बीच चर्चा का विषय बन गया। कार्यकर्ताओं का कहना था कि लगातार बढ़ती महंगाई से आम जनता त्रस्त है, लेकिन सरकार इस गंभीर मुद्दे पर ध्यान नहीं दे रही है। भैंसों के साथ निकाली गई यह रैली प्रतीकात्मक रूप से सरकार को 'जगाने' का प्रयास थी। रैली के दौरान कार्यकर्ताओं ने केंद्र और राज्य सरकार के खिलाफ तीखे नारे लगाए और आवश्यक वस्तुओं की कीमतों पर तत्काल नियंत्रण की मांग की। पूरे प्रदर्शन के दौरान माहौल जोशीला रहा और कार्यकर्ताओं ने एकजुट होकर विरोध दर्ज कराया।

झाली पंचायत में भ्रष्टाचार के आरोप, आरटीआई मांगने पर नहीं दी जा रही जानकारी

नईदुनिया प्रतिनिधि, भैरूंदाः ग्राम पंचायत झाली एक बार फिर विवादों में घिर गई है। यहां विकास कार्यों में कथित गड़बड़ियों, सूचना के अधिकार के तहत जानकारी न देने और शिकायतकर्ता को धमकी मिलने के आरोपों ने प्रशासनिक कार्यप्रणाली पर सवाल खड़े कर दिए हैं।

ग्रामीणों का आरोप है कि पंचायत में पिछले दो कार्यकाल से एक ही परिवार का वर्चस्व बना हुआ है। पहले जयनारायण बारेला सरपंच रहे, जबकि वर्तमान में उनकी पत्नी इस पद पर हैं। बताया जा रहा है कि विकास कार्यों के नाम पर लाखों रुपये खर्च दर्शाए गए, लेकिन जमीनी स्तर पर इन कार्यों का पर्याप्त प्रमाण नहीं मिल रहा। गांव में स्वच्छता, सड़क और अन्य मूलभूत सुविधाओं के नाम पर खर्च दिखाया गया, जबकि मौके पर व्यवस्थाएं अधूरी बताई जा रही हैं। यहां तक कि कचरा उठाने के लिए वाहन तक उपलब्ध नहीं है, फिर भी खर्च का पूरा विवरण दर्ज किया गया है।

इन आरोपों के बीच ग्रामीणों ने सामूहिक रूप से आरटीआई के तहत जानकारी मांगी और प्रशासन को शिकायत सौंपी, लेकिन तय समय सीमा में जवाब नहीं मिलने से असंतोष बढ़ गया। शिकायतकर्ता राजेश बारेला ने आरोप लगाया कि सरपंच पति और उनके सहयोगियों ने घर पहुंचकर शिकायत वापस लेने का दबाव बनाया और धमकी दी।

मामले की जांच के लिए गठित टीम रविवार को गांव पहुंची, लेकिन यहां भी विवाद खड़ा हो गया। ग्रामीणों ने आरोप लगाया कि जांच के बजाय कोरे कागजों पर हस्ताक्षर कराने का दबाव बनाया गया, जिसके विरोध के बाद टीम लौट गई। इस संबंध में जनपद पंचायत भैरूंदा के सीईओ संजय अग्रवाल ने कहा कि मामले की गंभीरता को देखते हुए अलग जांच दल गठित कर निष्पक्ष जांच कराई जाएगी। वहीं, सरपंच पक्ष ने सभी आरोपों को निराधार बताया है।

देवास में भीषण सड़क हादसा, टूरिस्ट बस और ट्रक की टक्कर, 30 से ज्यादा यात्री घायल

नईदुनिया प्रतिनिधि, देवासः देवास जिले में रविवार सुबह एक भीषण सड़क हादसा हो गया। आष्टा-कन्नौद मार्ग पर सियाघाट के पास भूसे से भरे मिनी ट्रक और टूरिस्ट बस के बीच जोरदार टक्कर हो गई। इस दुर्घटना में बस में सवार 30 से अधिक यात्री घायल हो गए, जबकि दोनों वाहनों के चालक गंभीर रूप से घायल हुए हैं।

हादसे के बाद मौके पर अफरा-तफरी मच गई। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि मिनी ट्रक का अगला हिस्सा पूरी तरह क्षतिग्रस्त होकर पलट गया, वहीं बस का अगला हिस्सा भी बुरी तरह टूट गया। जानकारी के अनुसार, टूरिस्ट बस में उत्तर प्रदेश के मेरठ के यात्री सवार थे। सभी यात्री ओंकारेश्वर में दर्शन करने के बाद सीहोर स्थित कुबेरेश्वर धाम जा रहे थे। वहां रुकने के बाद उन्हें वापस मेरठ लौटना था।

चालक को झपकी आने से हुआ हादसाः बस में सवार यात्री पुलकित गर्ग ने बताया कि बस में सवार यात्री पुलकित गर्ग ने बताया ओंकारेश्वर से निकलने के बाद कुबेरेश्वर धाम सीहोर पहुंचना था। रास्ते में सुबह के समय बस चालक को झपकी लग गई, जिसके चलते यह हादसा हुआ। अधिकांश यात्री उस समय सो रहे थे और अचानक हुई टक्कर से घायल हो गए।

घायलों का इलाज जारीः घटना की सूचना मिलते ही कन्नौद से मेडिकल टीम मौके पर पहुंची और घायलों को तत्काल उपचार दिया गया। दोनों चालकों की हालत गंभीर होने पर प्राथमिक उपचार के बाद उन्हें इंदौर रेफर किया गया। राहत की बात यह है कि कोई जनहानि नहीं हुई है और किसी भी यात्री को गंभीर चोट नहीं आई है।

बारिश और आंधी से किसानों की नींद उड़ी

गंजबासौदा। क्षेत्र में पिछले दो दिनों से रात्रि समय लगातार हो रही बारिश अब झड़ी में बदलती नजर आ रही है। तेज बारिश के साथ आकाश में बादलों की गर्जन, बिजली चमक और तेज हवाओं का आना प्राकृतिक प्रकोप के लक्षण स्पष्ट कर रहा है। किसानों के लिए यह मौसम चिंता का कारण बन गया है, क्योंकि उनकी फसलें खेतों में खड़ी हुई हैं और फसल की गुणवत्ता बरसात और आंधी से प्रभावित होने का खतरा बढ़ गया है।

जानकारों का कहना है कि फसल कटाई, थ्रेसिंग और हार्वेस्टिंग अभी शुरू ही हुई है। ऐसे में लगातार हो रही बारिश से फसल की फली, वालिया और अन्य हिस्से नुकसान का सामना कर सकते हैं। शनिवार की रात 8 बजे से बारिश फिर शुरू हो गई थी, और तेज हवाओं के साथ बिजली की चमक ने किसानों की चिंताओं को और बढ़ा दिया।

भृगु संस्कृत विद्यालय में 7 से 14 मई तक होगा प्राण प्रतिष्ठा आयोजन

नईदुनिया प्रतिनिधि, गंजबासौदाः नवीन कृषि उपज मंडी स्थित भृगु संस्कृत विद्यालय में खाटूश्याम बाबा, शिव परिवार एवं सालासर बालाजी की प्राण प्रतिष्ठा को लेकर 7 से 14 मई तक भक्ति महोत्सव का आयोजन किया जाएगा। आयोजन की तैयारियों को लेकर रविवार को स्टेशन रोड स्थित नौलखी मंदिर में बैठक आयोजित कर व्यवस्थाओं पर चर्चा की गई और समिति का गठन किया।

बैठक में तय किया गया कि अगली बैठक 9 अप्रैल को भृगु संस्कृत विद्यालय परिसर में आयोजित होगी। आयोजन के तहत नवकुंडीय यज्ञ और संगीतमय श्रीमद भागवत कथा का आयोजन किया जाएगा। नौलखी आश्रम के श्रीमहंत राम मनोहर दास महाराज द्वारा कथा वाचन किया जाएगा। सभी धार्मिक कार्यक्रम नवीन कृषि मंडी क्षेत्र में ही संपन्न होंगे।

आयोजन की रूपरेखा तय करते हुए विभिन्न यजमानों का चयन भी किया गया। कथा के मुख्य यजमान के रूप में खुशाल सिंह रघुवंशी ने सहमति दी। वहीं नवकुंडीय यज्ञ के लिए फूलसिंह रघुवंशी (कालापाठा), सनमान सिंह रघुवंशी (बरखेड़ा), ओमकार रघुवंशी (रिटेहरी), रामराज रघुवंशी (रतनखेड़ी) एवं उमाशंकर झा को यजमान बनाया गया। इसके अलावा कथा के एक दिन के यजमान के रूप में रितुज एलिया सहित अन्य यजमानों ने भी सहभागिता की सहमति दी। आयोजन में सहयोग के लिए राजेंद्र प्रसाद शर्मा, पुष्पेंद्र सिंह रघुवंशी, नवनीत सिंह राजपूत एवं प्रहलाद सिंह रघुवंशी द्वारा सहयोग राशि देने की घोषणा की गई, जबकि यज्ञ हेतु लकड़ी की व्यवस्था हरिकृष्ण रघुवंशी द्वारा निशुल्क किए जाने की बात कही गई।

15 पंचायतों को फाइटर टैंकरः पेयजल और आग बुझाने के लिए वितरण

नईदुनिया प्रतिनिधि, सीहोरः सीहोर विधायक सुदेश राय ने रविवार को अपने कार्यालय में 15 ग्राम पंचायतों को फाइटर टैंकर वितरित किए। ये टैंकर जनता को पीने का पानी उपलब्ध कराने और आग बुझाने के काम आएंगे। वितरण भारतीय जनता पार्टी के स्थापना दिवस के उपलक्ष्य में किया गया।

विधायक सुदेश राय ने फाइटर टैंकर की मोटर चलाकर पानी का दबाव देखा और उनका शुभारंभ किया। इन पेयजल फाइटर टैंकरों को विधायक विकास निधि से स्वीकृत किया गया था। टैंकर प्राप्त करने के लिए ग्राम पंचायतों के पंच, सरपंच, सचिव और ग्रामीणजन कार्यक्रम में उपस्थित रहे। सरपंचों ने विधायक सुदेश राय का फूल-मालाओं से स्वागत कर आभार व्यक्त किया। ये फाइटर टैंकर जनपद पंचायत सीहोर अंतर्गत चांदबड़ जागीर, छतरपुरा, पीलूखेड़ी, घाटपलासी, कचनारिया, मानपुरा, मगरदा, सुआखेड़ी, पड़ियाला, बमूलिया, दोराहा, बरी, नाईहेड़ी, बराड़ीकलां, जमुनिया तालाब और सेमरादांगी ग्राम पंचायतों को प्रदान किए गए। प्रत्येक टैंकर एचडीपीई लाइन, जी.आई. वाटर टैंकर (क्षमता 5500 लीटर) और पावर पंप सहित है।

एम.पी. स्टेट एग्रो इंडस्ट्रीज से खरीदे गए प्रत्येक टैंकर की लागत 2,57,645 रुपए है, जिससे कुल 38,64,675 रुपए के टैंकर वितरित किए गए। इस वितरण कार्यक्रम में भाजपा नेता राजकुमार गुप्ता, सीताराम यादव, राजकुमार रिंकू जायसवाल, मंडल अध्यक्ष सुशील ताम्रकार, सुदीप प्रजापति सहित बड़ी संख्या में भाजपा कार्यकर्ता मौजूद रहे।

स्पेशल खबर अपर मुख्य सचिव थपथपाई संभागायुक्त और कलेक्टर की पीठ

सिंहस्थ में निर्माण कार्यों में तेजी देख संतुष्ट हुए डॉ. राजोरा

नईदुनिया प्रतिनिधि, उज्जैनः उज्जैन में सिंहस्थ निर्माण कार्यों की सतत मानीटरिंग कर रहे अपर मुख्य सचिव डॉ.राजेश राजोरा पिछली बैठकों तक चिंतित दिखाई दे रहे थे कि निर्माण कार्य समय पर पूर्ण होंगे या नहीं? रविवार को उन्होने जब मौके पर जाकर स्थल निरीक्षण किया और सिंहस्थ निर्माण कार्यो की प्रगति देखी तो संतुष्ट हुए और संभागायुक्त सह मेलाधिकारी आशीष सिंह एवं कलेक्टर रौशनकुमार सिंह की पीठ थपथपाई।

रविवार को अपर मुख्य सचिव डॉ.राजेश राजौरा का व्यस्त दौरा रहा। जहां उन्होंने स्थल कार्यो का मौके पर निरीक्षण किया वहीं बिंदुवार कार्यो की जानकारी भी ली। मौके पर उन्होने निर्माणाधीन कार्यों को गुणवत्ता के साथ समय सीमा में पूर्ण करने के निर्देश दिए। वे सिंहस्थ कार्यों की समीक्षा बैठक के बाद निर्माणाधीन कार्यों का निरीक्षण करने निकले थे।

डॉ. राजौरा ने सबसे पहले अंगारेश्वर मंदिर के समीप शिप्रा नदी पर बन रहे नवीन घाटों का निरीक्षण किया। इसके बाद कार्तिक मेला ग्राउंड से नई खेड़ी सिंहस्थ बायपास निर्माणाधीन मार्ग, 2.6 किमी लंबे फोरलेन मार्ग का निरीक्षण किया। उन्होने भूखी माता ब्रिज का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान निर्माणाधीन कार्य की गति, गुणवत्ता और सामग्री की उपलब्धता के संबंध में भी जानकारी ली। मौके पर सेतु निगम के ईई श्री पंत ने उन्हे बताया कि ब्रिज का निर्माण दिसंबर-2026 तक पूर्ण हो जाएगा। यूडीए सीईओ संदीप सोनी ने जानकारी दी कि ब्रिज निर्माण के साथ ही कनेक्टिविटी रोड़ निर्माण का कार्य भी जनवरी-2027 तक पूर्ण हो जाएगा।

डॉ. राजौरा ने कहा कि सिंहस्थ अंतर्गत वर्तमान में प्रचलित कार्य सही गति से चल रहे हैं। उन्होने गेल चौराहे से शांति नगर के बीच सडक़ चौड़ीकरण कार्य के निरीक्षण के दौरान कार्य की गति पर संतुष्टि जाहिर की।

सिंहस्थ मेला अधिकारी आशीष सिंह और कलेक्टर रोशन कुमार सिंह को तेज गति से हो रहे निर्माण कार्य के लिए बधाई दी। कहा कि निर्माणाधीन कार्यों में गति बनाए रखना है और कोशिश करना है कि सभी कार्य तय समय सीमा से पहले ही पूर्ण कर लें, जिससे यदि बाद में कोई समस्या आ रही है तो उसके लिए भी विकल्प और समय उपलब्ध रहे। आशीष सिंह ने मौके पर जानकारी दी कि सडक़ चौड़ीकरण के साथ निर्माण कार्य भी तुरंत किए जा रहे है। साथ ही सडक़ निर्माण के दौरान शहर के सभी प्रमुख चौराहों को भी व्यवस्थित किया जा रहा है। निरीक्षण के दौरान एडीजीपी राकेश गुप्ता, डीआईजी नवनीत भसीन,एसपी प्रदीप शर्मा,यूडीए सीईओ संदीप सोनी, अपर आयुक्त नगर निगम संतोष टेगौर उपस्थित थे।

संपादकीय

राजनीति का अपराधीकरण लोकतंत्र के चेहरे पर गहराते दाग

भारतीय लोकतंत्र की सबसे बड़ी विडंबना यह है कि यहां राजनीति आदर्शों की बात तो करती है, लेकिन व्यवहार में उन्हीं आदर्शों को सबसे पहले त्याग देती है। चुनावी मंचों पर पारदर्शिता, निष्पक्षता और अपराध-मुक्त राजनीति की दुहाई देने वाले राजनीतिक दल, जब प्रत्याशियों के चयन की बारी आती है, तो उन्हीं सिद्धांतों को किनारे रख देते हैं। हालिया चुनावी आंकड़े इस दोहरे चरित्र को पूरी तरह उजागर करते हैं और यह सवाल खड़ा करते हैं कि क्या लोकतंत्र की आत्मा वास्तव में सुरक्षित है। ताजा आंकड़ों के अनुसार, बड़ी संख्या में ऐसे उम्मीदवार चुनावी मैदान में हैं, जिन पर आपराधिक मामले दर्ज हैं। लगभग 38 प्रतिशत प्रत्याशियों का आपराधिक पृष्ठभूमि से जुड़ा होना केवल एक सांख्यिकीय तथ्य नहीं, बल्कि लोकतांत्रिक व्यवस्था के लिए गंभीर चेतावनी है। इससे भी अधिक चिंताजनक यह है कि करीब 23 प्रतिशत उम्मीदवारों पर हत्या और बलात्कार जैसे गंभीर आरोप हैं। ऐसे में यह सवाल उठना स्वाभाविक है कि क्या राजनीति अब सेवा का माध्यम न रहकर शक्ति प्रदर्शन का मंच बनती जा रही है।

राजनीतिक दलों की दलील अक्सर यह होती है कि वे 'जीतने की क्षमता' के आधार पर उम्मीदवार चुनते हैं। लेकिन यह तर्क लोकतंत्र के मूल्यों के साथ खुला समझौता है। यदि जीत ही अंतिम लक्ष्य बन जाए, तो नैतिकता, ईमानदारी और जनसेवा जैसे शब्द केवल भाषणों तक सीमित रह जाते हैं। सच्चाई यह है कि कई दल जानबूझकर ऐसे उम्मीदवारों को टिकट देते हैं, जिनके पास धनबल, बाहुबल या सामाजिक समीकरणों को साधने की क्षमता होती है।

धनबल का बढ़ता प्रभाव भी उतना ही चिंताजनक है। आंकड़े बताते हैं कि हर पांच में से दो उम्मीदवार करोड़पति हैं। पिछले चुनावों की तुलना में यह संख्या तेजी से बढ़ी है, जो संकेत देती है कि राजनीति अब आमजन की पहुंच से दूर होती जा रही है। लोकतंत्र का मूल सिद्धांत समान अवसर का है, लेकिन जब चुनाव लड़ना ही अत्यधिक खर्चीला हो जाए, तो गरीब और मध्यमवर्गीय वर्ग के लिए राजनीति में प्रवेश लगभग असंभव हो जाता है। इससे सत्ता पर एक सीमित, संपन्न वर्ग का वर्चस्व स्थापित होता जा रहा है।

शिक्षा के स्तर पर भी तस्वीर उत्साहजनक नहीं है। आधे से अधिक उम्मीदवार ग्रेजुएट नहीं हैं और बड़ी संख्या में उनकी शिक्षा पांचवीं से बारहवीं के बीच सीमित है। यह तथ्य अपने आप में प्रश्न उठाता है कि क्या नीति-निर्माण जैसे जटिल कार्यों के लिए आवश्यक बौद्धिक और प्रशासनिक समझ इन प्रतिनिधियों में पर्याप्त रूप से मौजूद है। हालांकि लोकतंत्र में शिक्षा को अनिवार्य शर्त नहीं बनाया जा सकता, लेकिन न्यूनतम बौद्धिक क्षमता और जागरूकता की अपेक्षा तो की ही जानी चाहिए।

सबसे बड़ी समस्या राजनीतिक दलों की कथनी और करनी के बीच का अंतर है। एक ओर वे अपराध-मुक्त राजनीति की बात करते हैं, वहीं दूसरी ओर उन्हीं दलों द्वारा बड़ी संख्या में आपराधिक मामलों में घिरे उम्मीदवारों को टिकट दिया जाता है। सुप्रीम कोर्ट की सख्त टिप्पणियों और संसद में हुई चर्चाओं के बावजूद भी इस प्रवृत्ति को रोकने में अब तक नाकाम रहे हैं। इससे स्पष्ट है कि समस्या केवल कानूनी प्रावधानों की नहीं, बल्कि राजनीतिक इच्छाशक्ति की कमी की है।

हालांकि इस पूरी स्थिति के लिए केवल राजनीतिक दलों को दोषी ठहराना पर्याप्त नहीं होगा। मतदाताओं की भूमिका भी उतनी ही महत्वपूर्ण है। जब तक जनता ऐसे उम्मीदवारों को चुनती रहेगी, तब तक दल भी उन्हें टिकट देने से पीछे नहीं हटेंगे। लोकतंत्र में अंतिम निर्णय मतदाता का होता है, और यदि वह अपने मताधिकार का उपयोग जाति, धर्म या तात्कालिक लाभ के आधार पर करेगा, तो सुधार की उम्मीद अधूरी ही रहेगी।

समाधान स्पष्ट है, लेकिन उस पर अमल करने की आवश्यकता है। राजनीतिक दलों को चाहिए कि वे उम्मीदवार चयन की प्रक्रिया को अधिक पारदर्शी और जवाबदेह बनाएं। आपराधिक पृष्ठभूमि वाले व्यक्तियों को टिकट देने से बचना चाहिए और स्वच्छ छवि वाले उम्मीदवारों को प्राथमिकता देनी चाहिए। साथ ही, मतदाताओं को भी जागरूक होकर अपने निर्णय लेने होंगे और ऐसे उम्मीदवारों को नकारना होगा, जिनका रिकॉर्ड संदिग्ध है। लोकतंत्र केवल चुनाव जीतने का माध्यम नहीं, बल्कि जनविश्वास का आधार है। यदि इस आधार में ही दरार आ जाए, तो पूरी व्यवस्था कमजोर हो जाती है। अब समय आ गया है कि राजनीति अपने चरित्र का पुनर्मूल्यांकन करे और यह तय करे कि उसे केवल सत्ता चाहिए या जनता का विश्वास भी। यदि यह बदलाव नहीं आया, तो लोकतंत्र का यह दाग और गहराता जाएगा।

ईरान-अमेरिका तनाव : दावों और वास्तविकताओं के बीच लंबी लड़ाई का संकेत

मध्य पूर्व की भू-राजनीति एक बार फिर उथल-पुथल के दौर से गुजर रही है। एक तरफ अमेरिका के राष्ट्रपति यह दावा कर रहे हैं कि उन्होंने ईरान की वायु क्षमता को लगभग निष्क्रिय कर दिया है और क्षेत्र में सामरिक नियंत्रण स्थापित कर लिया है, वहीं दूसरी ओर ईरान जिस प्रकार से अप्रत्याशित और असममित रणनीतियों का उपयोग कर रहा है, वह इन दावों को चुनौती देता हुआ नजर आता है। घटनाक्रम इस ओर इशारा कर रहे हैं कि यह संघर्ष केवल सैन्य ताकत का नहीं, बल्कि रणनीतिक चतुराई, धैर्य और दीर्घकालिक योजना का भी है।

अमेरिकी दावे बनाम जमीनी सच्चाई: अमेरिका लंबे समय से अपनी तकनीकी श्रेष्ठता, उन्नत वायुसेना और खुफिया तंत्र के दम पर विश्व राजनीति में प्रभुत्व बनाए हुए है। राष्ट्रपति द्वारा यह दावा कि ईरान की वायु सेवा पर नियंत्रण स्थापित कर लिया गया है, इसी शक्ति प्रदर्शन का हिस्सा है। लेकिन हालिया घटनाएं इन दावों पर प्रश्नचिह्न लगाती हैं। ईरान का यह कहना कि उसने अमेरिकी हमलावर विमानों और हेलीकॉप्टरों को मार गिराया है, यदि आंशिक रूप से भी सत्य है, तो यह अमेरिकी सैन्य प्रतिष्ठान के लिए चिंता का विषय होना चाहिए। यह स्पष्ट होता जा रहा है कि केवल हवाई हमलों के जरिए ईरान को झुकाना संभव नहीं है। ईरान ने पिछले दशकों में अपने सैन्य ढांचे को इस प्रकार विकसित किया है कि वह पारंपरिक युद्ध के बजाय असममित युद्ध में अधिक सक्षम हो सके।

अमेरिकी दावे बनाम जमीनी सच्चाई: अमेरिका लंबे समय से अपनी तकनीकी श्रेष्ठता, उन्नत वायुसेना और खुफिया तंत्र के दम पर विश्व राजनीति में प्रभुत्व बनाए हुए है। राष्ट्रपति द्वारा यह दावा कि ईरान की वायु सेवा पर नियंत्रण स्थापित कर लिया गया है, इसी शक्ति प्रदर्शन का हिस्सा है। लेकिन हालिया घटनाएं इन दावों पर प्रश्नचिह्न लगाती हैं। ईरान का यह कहना कि उसने अमेरिकी हमलावर विमानों और हेलीकॉप्टरों को मार गिराया है, यदि आंशिक रूप से भी सत्य है, तो यह अमेरिकी सैन्य प्रतिष्ठान के लिए चिंता का विषय होना चाहिए। यह स्पष्ट होता जा रहा है कि केवल हवाई हमलों के जरिए ईरान को झुकाना संभव नहीं है। ईरान ने पिछले दशकों में अपने सैन्य ढांचे को इस प्रकार विकसित किया है कि वह पारंपरिक युद्ध के बजाय असममित युद्ध में अधिक सक्षम हो सके।

गोरिल्ला युद्ध रणनीति: ईरान की असली ताकत: ईरान की सैन्य रणनीति का एक महत्वपूर्ण पहलू उसका गोरिल्ला युद्ध मॉडल है। यह रणनीति सीधे टकराव के बजाय छापामार हमलों, अप्रत्याशित आक्रमणों और स्थानीय नेटवर्क के उपयोग पर आधारित होती है। ईरान ने न केवल अपने देश के भीतर, बल्कि पूरे मध्य पूर्व में ऐसे समूहों और नेटवर्क का निर्माण किया है, जो जरूरत पड़ने पर सक्रिय हो सकते हैं। इस प्रकार की रणनीति अमेरिकी सेना के लिए चुनौतीपूर्ण साबित होती है, क्योंकि उनकी युद्ध प्रणाली पारंपरिक मोर्चों और स्पष्ट लक्ष्यों पर आधारित होती है। जब दुश्मन अदृश्य हो, लगातार स्थान बदलता हो और छोटे-छोटे लेकिन प्रभावी हमले करता हो, तो उसे पूरी तरह निष्क्रिय करना अत्यंत कठिन हो जाता है। इंटेलिजेंस की सीमाएं और रणनीतिक चूक: अमेरिका का खुफिया तंत्र विश्व में सबसे उन्नत माना जाता है, लेकिन ईरान के संदर्भ में यह कई बार सीमित नजर आता है। ईरान की आंतरिक संरचना, उसकी सैन्य योजनाओं और क्षेत्रीय सहयोगियों के बारे में पूर्ण जानकारी का अभाव अमेरिकी रणनीति को कमजोर करता है। ईरान ने वर्षों से अपने सैन्य ठिकानों को इस प्रकार व्यवस्थित किया है कि वे आसानी से पहचाने या निशाना न बनाए जा सकें। भूमिगत ठिकाने, मोबाइल लॉन्च सिस्टम और छिपे हुए कमांड सेंटर इसकी मिसाल हैं। ऐसे में केवल तकनीकी निगरानी पर्याप्त नहीं होती, बल्कि स्थानीय स्तर की गहन जानकारी भी जरूरी होती है, जिसमें अमेरिका को कठिनाई का सामना करना पड़ता है।

क्षेत्रीय हमले और बढ़ता प्रभाव: ईरान द्वारा इजराइल और अमेरिकी ठिकानों पर किए जा रहे हमले इस संघर्ष को और जटिल बना रहे हैं। तेल अवीव जैसे संवेदनशील क्षेत्रों में हमलों की खबरें यह संकेत देती हैं कि ईरान केवल रक्षात्मक नहीं, बल्कि आक्रामक रणनीति भी अपना रहा है। इन हमलों का एक बड़ा उद्देश्य मनोवैज्ञानिक दबाव बनाना भी है। जब एक शक्तिशाली देश के ठिकानों पर बार-बार हमले होते हैं, तो यह उसके सहयोगियों और नागरिकों के मन में असुरक्षा की भावना पैदा करता है। इससे न केवल सैन्य, बल्कि राजनीतिक दबाव भी बढ़ता है।

लंबी लड़ाई की तैयारी: ईरान के हालिया कदमों से यह स्पष्ट होता है कि वह त्वरित जीत के बजाय लंबी लड़ाई के लिए तैयार है। उसकी रणनीति धीरे-धीरे अपने विरोधी को थकाने, संसाधनों को क्षीण करने और अंतरराष्ट्रीय समर्थन को कमजोर करने पर आधारित है। इसके विपरीत, अमेरिका अक्सर तेज और निर्णायक कार्रवाई में विश्वास करता है। लेकिन जब संघर्ष लंबा खिंचता है, तो घरेलू राजनीति, आर्थिक लागत और वैश्विक दबाव उसके निर्णयों को प्रभावित करने लगते हैं। यही वह क्षेत्र है, जहां ईरान बढ़त हासिल करने की कोशिश कर रहा है।

वैश्विक प्रभाव और संभावित परिणाम: यह संघर्ष केवल अमेरिका और ईरान तक सीमित नहीं है। इसका प्रभाव पूरे मध्य पूर्व, वैश्विक तेल बाजार और अंतरराष्ट्रीय कूटनीति पर पड़ता है। यदि स्थिति और बिगड़ती है, तो यह एक व्यापक क्षेत्रीय युद्ध का रूप ले सकती है, जिसमें कई देश शामिल हो सकते हैं। साथ ही, यह संघर्ष वैश्विक शक्तियों के बीच नए गठजोड़ और टकराव को भी जन्म दे सकता है। रूस, चीन और अन्य देशों की भूमिका भी महत्वपूर्ण हो सकती है, जो इस स्थिति का अपने हितों के अनुसार उपयोग कर सकते हैं। अमेरिका और ईरान के बीच चल रहा यह तनाव केवल सैन्य शक्ति का परीक्षण नहीं है, बल्कि रणनीति, धैर्य और राजनीतिक इच्छाशक्ति की भी परीक्षा है। जहां अमेरिका अपनी तकनीकी श्रेष्ठता और त्वरित कार्रवाई पर भरोसा करता है, वहीं ईरान अपनी गोरिल्ला रणनीति और दीर्घकालिक दृष्टिकोण के साथ मैदान में उतरा है। वर्तमान घटनाक्रम यह संकेत देते हैं कि यह संघर्ष जल्द समाप्त होने वाला नहीं है, बल्कि यह एक लंबी और जटिल लड़ाई का प्रारंभ हो सकता है, जिसमें दोनों पक्षों को अप्रत्याशित चुनौतियों का सामना करना पड़ेगा। ऐसे में यह देखना महत्वपूर्ण होगा कि कौन अपनी रणनीति में अधिक लचीलापन और धैर्य दिखा पाता है।

(नईदुनिया संपादकीय डेस्क)

विदेशी चंदा कानून में प्रस्तावित बदलाव : नियमन या नियंत्रण की नई बहस

भारत में गैर-सरकारी संगठनों (एनजीओ) की भूमिका लंबे समय से सामाजिक विकास, शिक्षा, स्वास्थ्य और जनजागरूकता के क्षेत्र में महत्वपूर्ण रही है। इन्हीं संस्थाओं को मिलने वाले विदेशी चंदे को नियंत्रित करने के लिए बनाया गया विदेशी अंशदान (विनियमन) अधिनियम, 2010 अब एक बार फिर चर्चा के केंद्र में है। केंद्र सरकार द्वारा प्रस्तावित विदेशी अंशदान (विनियमन) संशोधन विधेयक, 2026 ने न केवल प्रशासनिक ढांचे में बदलाव की संभावना पैदा की है, बल्कि इसके राजनीतिक और संवैधानिक निहितार्थों को लेकर भी व्यापक बहस छेड़ दी है।

सरकार का तर्क है कि देश में लगभग 16,000 संगठन इस कानून के तहत पंजीकृत हैं और हर वर्ष करीब 22,000 करोड़ रुपये का विदेशी अंशदान प्राप्त करते हैं। ऐसे में इन फंड्स का पारदर्शी उपयोग सुनिश्चित करना और राष्ट्रीय हितों की रक्षा करना आवश्यक है। सरकार का यह भी कहना है कि मौजूदा व्यवस्था में कुछ प्रशासनिक अस्पष्टताएं हैं, जिनके कारण दुरुपयोग की संभावना बनी रहती है। प्रस्तावित संशोधन इन्हीं कमियों को दूर करने का प्रयास है। विधेयक का सबसे महत्वपूर्ण प्रावधान 'नामित प्राधिकरण' की स्थापना से जुड़ा है। इसके तहत यदि किसी संगठन का पंजीकरण निलंबित, रद्द या नवीनीकरण नहीं किया जाता, तो उस संगठन की विदेशी चंदे से बनी संपत्तियों का प्रबंधन, हस्तांतरण या निपटान यह प्राधिकरण करेगा। इसे सिविल कोर्ट जैसी शक्तियां दी जाएंगी, जिससे वह संपत्तियों के उपयोग या बिक्री पर निर्णय ले सकेगा। सरकार का मानना है कि पहले ऐसी संपत्तियों के प्रबंधन को लेकर स्पष्ट व्यवस्था नहीं थी, जिससे भ्रम और अनियमितता की स्थिति बनती थी। हालांकि, यही प्रावधान सबसे

अधिक विवाद का कारण भी बना है। आलोचकों का कहना है कि इससे केंद्र सरकार को अत्यधिक शक्तियां मिल जाएंगी, जिनका दुरुपयोग संभव है। किसी भी संगठन की संपत्ति पर सरकारी नियंत्रण की संभावना लोकतांत्रिक ढांचे में असहजता पैदा करती है, खासकर तब जब वह संगठन सामाजिक या धार्मिक कार्यों से जुड़ा हो। विधेयक में एक अन्य महत्वपूर्ण बदलाव 'मुख्य कार्यकर्ता' की परिभाषा को विस्तारित करने का है। अब केवल पदाधिकारी या निदेशक ही नहीं, बल्कि ट्रस्टी, साझेदार, हिंदू अविभाजित परिवार का कर्ता, संचालन मंडल के सदस्य या संगठन का प्रबंधन करने वाला कोई भी व्यक्ति इसके दायरे में आएगा। इससे इन सभी पर कानून के उल्लंघन की जिम्मेदारी तय की जा सकेगी, जब तक कि वे अपनी अनभिज्ञता या उचित सावधानी साबित न कर दें। यह प्रावधान जवाबदेही को मजबूत करता है, लेकिन साथ ही यह आशंका भी पैदा करता है कि इससे अनावश्यक कानूनी दबाव बढ़ सकता है।

विधेयक में एक और अहम संशोधन यह है कि अब किसी भी जांच एजेंसी या राज्य सरकार को एफसीआरए से जुड़े मामलों की जांच शुरू करने से पहले केंद्र सरकार की अनुमति लेनी होगी। यह प्रावधान संघीय ढांचे के संदर्भ में भी प्रश्न खड़े करता है। आलोचकों का मानना है कि इससे राज्यों की स्वायत्तता प्रभावित हो सकती है और जांच प्रक्रिया राजनीतिक प्रभाव में आ सकती है।

इसके अलावा, 'पूर्व अनुमति' श्रेणी के तहत मिलने वाले विदेशी चंदे के उपयोग के लिए निश्चित समय-सीमा निर्धारित करने का प्रस्ताव है, जबकि पहले यह प्रावधान खुला था। साथ ही, पंजीकरण की अवधि समाप्त होने या नवीनीकरण न होने पर प्रमाणपत्र स्वतः समाप्त हो जाएगा। एक महत्वपूर्ण राहत के रूप में दंड प्रावधानों में भी संशोधन किया गया है, जिसमें अधिकतम कारावास की अवधि पांच वर्ष से घटाकर एक वर्ष कर दी गई है। गृह मंत्रालय के अनुसार, एफसीआरए का उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि विदेशी धन का उपयोग देश की आंतरिक सुरक्षा, सार्वजनिक व्यवस्था और राष्ट्रीय हितों के विरुद्ध न हो। 1976 में पहली बार लागू यह कानून 2010 में नए स्वरूप में आया और इसके बाद कई बार संशोधित किया गया है। पिछले वर्षों में हजारों एनजीओ के पंजीकरण रद्द किए जा चुके हैं, जो यह संकेत देता है कि सरकार इस क्षेत्र में कड़ा नियंत्रण बनाए रखना चाहती है। लेकिन विधेयक के विरोध में उठ रही आवाजें इस बात की ओर इशारा करती हैं कि मामला केवल प्रशासनिक सुधार तक सीमित नहीं है। विभिन्न सामाजिक और धार्मिक संगठनों, विशेषकर अल्पसंख्यक संस्थानों ने इसे 'कार्यपालिका का अतिक्रमण' बताया है। उनका कहना है कि इससे सरकार को संगठनों के कामकाज में अनावश्यक हस्तक्षेप का अवसर मिलेगा और उनकी स्वायत्तता प्रभावित होगी।

राजनीतिक स्तर पर भी इस विधेयक को लेकर मतभेद स्पष्ट हैं। कुछ राज्यों के मुख्यमंत्रियों ने इसे संघीय ढांचे के खिलाफ बताया है और आशंका जताई है कि इसका इस्तेमाल संस्थाओं की संपत्तियों पर नियंत्रण स्थापित करने के लिए किया जा सकता है। संसद में विपक्ष के विरोध के कारण ही इस विधेयक को फिलहाल टालना पड़ा। विधेयक का स्थगन इस बात का संकेत है कि सरकार को अभी व्यापक सहमति बनाने की जरूरत है। हालांकि विधेयक अभी भी सक्रिय है और इसे भविष्य में फिर से पेश किया जा सकता है। इस बीच यह सवाल बना हुआ है कि क्या यह संशोधन वास्तव में पारदर्शिता और जवाबदेही को मजबूत करेगा या फिर यह नागरिक समाज और सरकार के बीच विश्वास के अंतर को और बढ़ा देगा। विदेशी चंदे का नियमन निस्संदेह आवश्यक है, लेकिन यह भी उतना ही जरूरी है कि इस प्रक्रिया में संतुलन बना रहे। यदि नियंत्रण की प्रक्रिया अत्यधिक कठोर या केंद्रीकृत हो जाती है, तो इससे नागरिक समाज की स्वतंत्रता प्रभावित हो सकती है। दूसरी ओर, यदि नियंत्रण ढीला हो, तो दुरुपयोग की संभावना बढ़ जाती है। इसी संतुलन को साधना इस विधेयक की सबसे बड़ी चुनौती है। सरकार को यह सुनिश्चित करना होगा कि उसके कदम पारदर्शिता और जवाबदेही को बढ़ाने वाले हों, न कि नियंत्रण और हस्तक्षेप के प्रतीक बनें। वहीं, नागरिक समाज को भी यह स्वीकार करना होगा कि जवाबदेही से बचने का कोई विकल्प नहीं है। वर्तमान परिस्थिति में यह विधेयक केवल एक कानूनी संशोधन नहीं, बल्कि शासन, लोकतंत्र और नागरिक स्वतंत्रता के बीच संतुलन की परीक्षा बन गया है। आने वाले समय में इसका स्वरूप और प्रभाव ही तय करेगा कि यह कदम सुधार की दिशा में है या एक नई बहस की शुरुआत।

(नईदुनिया संपादकीय डेस्क)

84 महादेव दर्शन यात्रा

84 महादेव में 26 वीं कड़ी

श्री सोमेश्वर महादेव की महिमा : महाकाल की करुणा का अमर आलोक

डॉ. नवीन आनंद जोशी

जब समय स्वयं ठहर जाए, जब सृष्टि का संतुलन डगमगाने लगे, जब देवताओं की शक्तियाँ क्षीण पड़ जाएँ-तब केवल एक ही सत्ता शेष रहती है, जो न आरंभ जानती है, न अंत-वह हैं भगवान महाकाल,और जब महाकाल की करुणा बहती है, तब इतिहास नहीं, अमरत्व की गाथाएँ जन्म लेती हैं।

उज्जैन-जहाँ काल भी चरणों में झुकता है ,पावन नगरी उज्जैन-केवल एक भौगोलिक स्थान नहीं, बल्कि यह वह दिव्य केंद्र है जहाँ काल, कर्म और मोक्ष का संगम होता है। यह वही अवंतिका है, जिसे सप्तपुरियों में स्थान प्राप्त है, जहाँ बहती शिप्रा केवल जलधारा नहीं, बल्कि मुक्ति की जीवनरेखा है।यहाँ विराजते है- बारह ज्योतिर्लिंगों में वह अद्वितीय स्वरूप, जहाँ भगवान शिव महाकाल बनकर काल के भी स्वामी हैं।महाकाल वन - यह केवल वन नहीं, यह शिव की ऊर्जा का जीवंत क्षेत्र है, जहाँ 84 महादेव विभिन्न रूपों में सृष्टि के रहस्यों की रक्षा करते हैं। उन्हीं में से एक दिव्य स्वरूप हैं - श्री सोमेश्वर महादेव।

इनकी कथा आरंभ होती है दक्ष प्रजापति के क्रोध से।चंद्रदेव, जिनका विवाह उनकी 27 पुत्रियों से हुआ था, किन्तु उनका हृदय केवल रोहिणी में आसक्त रहा।अहंकार जब प्रेम का रूप ले लेता है, तब अन्याय जन्म लेता है।और जब अन्याय सीमा लाँघता है-तब धर्म दंड देता है।दक्ष का श्राप- 'क्षीण हो जाओ' - केवल चंद्रमा के लिए नहीं, सम्पूर्ण सृष्टि के लिए संकट बन गया।धीरे-धीरे चंद्रमा का तेज घटने लगा...और उसके साथ ही-औषधियाँ सूखने लगीं अन्न का रस समाप्त होने लगा वनस्पतियाँ मुरझाने लगीं पृथ्वी का संतुलन डगमगाने लगा, सृष्टि मानो मृत्यु के द्वार पर खड़ी थी।

व्याकुल देवताओं ने सृष्टिकर्ता ब्रह्मा से सहायता माँगी। समाधान मिला-तप, त्याग और समर्पण। मार्ग दिखाया विष्णु ने - 'जाओ उज्जैन, महाकाल की शरण में जाओ। 'यह केवल दिशा नहीं थी यह आत्मसमर्पण का आदेश था।

उज्जैन की पावन भूमि पर, महाकाल वन में, एक शिवलिंग के समक्ष चंद्रमा ने तपस्या प्रारंभ की।न अन्न...न जल...केवल अश्रु... और 'ॐ नमः शिवाय' का अनंत जप...

उनके आँसू भूमि पर गिरते रहे, और हर आँसू एक प्रार्थना बन गया।पश्चाताप जब सच्चा होता है, तो वह शब्दों से नहीं, आत्मा से प्रकट होता है,और तब - महाकाल पिघलते हैं।जब भक्ति अपनी चरम सीमा पर

पहुँची, तब स्वयं भगवान शिव प्रकट हुए -न रौद्र रूप में...न संहारक रूप में... बल्कि करुणामय आशुतोष रूप में उन्होंने कहा 'जो मेरी शरण आता है, उसका कोई कलंक शेष नहीं रहता। 'यह केवल वरदान नहीं था - यह सनातन धर्म का शाश्वत सिद्धांत है। भगवान शिव ने -श्राप का प्रभाव समाप्त किया चंद्रमा का तेज लौटाया और एक अद्भुत नियम स्थापित किया। कृष्ण पक्षय, शुक्ल पक्ष - वृद्धि। यही सृष्टि का संतुलन है ,अंधकार और प्रकाश का अनंत चक्र,और उसी क्षण वह शिवलिंग प्रसिद्ध हुआ ।

जिन तथ्यों को प्रमाणित करता है, हमारे ऋषियों ने उन्हें कथा के रूप में पहले ही कह दिया था,चंद्रमा - समुद्र के ज्वार-भाटे नियंत्रित करता है,पृथ्वी की धुरी को स्थिर रखता है,ऋतुओं का संतुलन बनाए रखता है, कृषि और औषधि को प्रभावित करता है, चंद्रमा के बिना जीवन असंभव है।और यही कथा का सार है। जब चंद्रमा संकट में था, तब शिव ने सृष्टि को बचाया।

केवल एक मंदिर नहीं, बल्कि सनातन धर्म की अदम्य आत्मा है।सत्रह बार टूटा...

सत्रह बार उठा...

जैसे अमावस्या के बाद चंद्रमा पुनः पूर्णिमा बनता है, वैसे ही सोमनाथ हर बार पुनर्जीवित हुआ।

यह केवल इतिहास नहीं - यह चेतना है। यह कथा केवल देवताओं की नहीं, हमारी भी है।

जब- जीवन में अंधकार छा जाए,मार्ग भटक जाए॥ श्री सोमेश्वर महादेव की महिमा- महाकाल की करुणा का अमर आलोक ॥

जब समय स्वयं ठहर जाए, जब सृष्टि का संतुलन डगमगाने लगे, जब देवताओं की शक्तियाँ क्षीण पड़ जाएँ-तब केवल एक ही सत्ता शेष रहती है, जो न आरंभ जानती है, न अंत - वह हैं भगवान महाकाल। और जब महाकाल की करुणा बहती है, तब इतिहास नहीं, अमरत्व की गाथाएँ जन्म लेती हैं।

॥ उज्जैन - जहाँ काल भी चरणों में झुकता है ॥

पावन नगरी उज्जैन - केवल एक भौगोलिक स्थान नहीं, बल्कि यह वह दिव्य केंद्र है जहाँ काल, कर्म और मोक्ष का संगम होता है। यह वही अवंतिका है, जिसे सप्तपुरियों में स्थान प्राप्त है, जहाँ बहती क्षिप्रा नदी केवल जलधारा नहीं, बल्कि मुक्ति की जीवनरेखा है। यहाँ विराजते हैं स्वयं महाकालेश्वर ज्योतिर्लिंग- बारह ज्योतिर्लिंगों में वह अद्वितीय स्वरूप, जहाँ भगवान शिव महाकाल बनकर काल के भी स्वामी हैं। महाकाल वन - यह केवल वन नहीं, यह शिव की ऊर्जा का जीवंत क्षेत्र है, जहाँ 84 महादेव विभिन्न रूपों में सृष्टि के रहस्यों की रक्षा करते हैं। उन्हीं में से एक दिव्य स्वरूप हैं - श्री सोमेश्वर महादेव।

कथा आरंभ होती है दक्ष प्रजापति के क्रोध से। चंद्रदेव, जिनका विवाह उनकी 27 पुत्रियों से हुआ था, किन्तु उनका हृदय केवल रोहिणी में आसक्त रहा। अहंकार जब प्रेम का रूप ले लेता है, तब अन्याय जन्म लेता है।और जब अन्याय सीमा लाँघता है - तब धर्म दंड देता है।

दक्ष का श्राप - 'क्षीण हो जाओ' - केवल चंद्रमा के लिए नहीं, सम्पूर्ण सृष्टि के लिए संकट बन गया। धीरे-धीरे चंद्रमा का तेज घटने लगा...और उसके साथ ही -औषधियाँ सूखने लगीं।अन्न का रस समाप्त होने लगा,वनस्पतियाँ मुरझाने लगीं, पृथ्वी का संतुलन डगमगाने लगा। सृष्टि मानो मृत्यु के द्वार पर खड़ी थी। व्याकुल देवताओं ने सृष्टिकर्ता ब्रह्मा से सहायता माँगी। समाधान मिला - तप, त्याग और समर्पण।

और मार्ग दिखाया विष्णु ने - 'जाओ उज्जैन, महाकाल की शरण में जाओ। 'यह केवल दिशा नहीं थी - यह आत्मसमर्पण का आदेश ।

उज्जैन की पावन भूमि पर, महाकाल वन में, एक शिवलिंग के समक्ष चंद्रमा ने तपस्या प्रारंभ की। न अन्न...न जल... केवल अश्रु... और 'ॐ नमः शिवाय' का अनंत जप... उनके आँसू भूमि पर गिरते रहे, और हर आँसू एक प्रार्थना बन गया। लोक पश्चाताप जब सच्चा होता है, तो वह शब्दों से नहीं, आत्मा से प्रकट होता है।

और तब -महाकाल पिघलते हैं।

जब भक्ति अपनी चरम सीमा पर पहुँची, तब स्वयं भगवान शिव प्रकट हुए -न रौद्र रूप में...,न संहारक रूप में... बल्कि करुणामय आशुतोष रूप में। उन्होंने कहा - 'जो मेरी शरण आता है, उसका कोई कलंक शेष नहीं रहता। 'यह केवल वरदान नहीं था - यह सनातन धर्म का शाश्वत सिद्धांत है। भगवान शिव ने -श्राप का प्रभाव समाप्त किया चंद्रमा का तेज लौटाया और एक अद्भुत नियम स्थापित किया,कृष्ण पक्ष - क्षय शुक्ल पक्ष - देश यही सृष्टि का संतुलन है - अंधकार और प्रकाश का अनंत चक्र,और उसी क्षण वह शिवलिंग प्रसिद्ध हुआ ।

आज 'नासा' जिन तथ्यों को प्रमाणित करता है, हमारे ऋषियों ने उन्हें कथा के रूप में पहले ही कह दिया था।

चंद्रमा -समुद्र के ज्वार-भाटे नियंत्रित करता है,पृथ्वी की धुरी को स्थिर रखता है। ऋतुओं का संतुलन बनाए रखता है कृषि और औषधि को प्रभावित करता है,अर्थात - चंद्रमा के बिना जीवन असंभव है,और यही कथा का सार है -जब चंद्रमा संकट में था, तब शिव ने सृष्टि को बचाया।

सोमनाथ मंदिर- केवल एक मंदिर नहीं, बल्कि सनातन धर्म की अदम्य आत्मा है।सत्रह बार टूटा...सत्रह बार उठा...जैसे अमावस्या के बाद चंद्रमा पुनः पूर्णिमा बनता है, वैसे ही सोमनाथ हर बार पुनर्जीवित हुआ।

यह केवल इतिहास नहीं - यह चेतना है।यह कथा केवल देवताओं की नहीं, हमारी भी है।जब -जीवन में अंधकार छा जाए मार्ग भटक जाए,कलंक लग जाए,आत्मा थक जाए तब स्मरण करें -महाकाल का द्वार कभी बंद नहीं होता।

उज्जैन के महाकाल वन में स्थित श्री सोमेश्वर महादेव आज भी यही संदेश देते हैं -

'पश्चाताप करो, समर्पण करो - क्षमा तुम्हें अवश्य मिलेगी।'

'करुणा ही सनातन की आत्मा है '

चंद्रमा बिना पृथ्वी नहीं...

और शिव की कृपा बिना मोक्ष नहीं।श्री सोमेश्वर महादेव की यह कथा हमें सिखाती है-

अहंकार पतन का कारण है

पश्चाताप उत्थान का मार्ग है

और क्षमा - परम सह

कलंक लग जाए,आत्मा थक जाए, तब स्मरण करें - महाकाल का द्वार कभी बंद नहीं होता।

उज्जैन के महाकाल वन में स्थित श्री सोमेश्वर महादेव आज भी यही संदेश देते हैं -

'पश्चाताप करो, समर्पण करो - क्षमा तुम्हें अवश्य मिलेगी।'

चंद्रमा बिना पृथ्वी नहीं...

और शिव की कृपा बिना मोक्ष नहीं।श्री सोमेश्वर महादेव की यह कथा हमें सिखाती है-

अहंकार पतन का कारण है

पश्चाताप उत्थान का मार्ग है

और क्षमा - परम सत्य है

॥ हर हर महादेव ॥ ॥ जय महाकाल ॥

॥ जय श्री सोमेश्वर ॥

क्रमशः श्रृंखला जारी...

आजकल

मध्य प्रदेश-उत्तर प्रदेश समन्वयः सांस्कृतिक, औद्योगिक और प्रशासनिक मॉडल की उभरती साझेदारी

मध्य भारत के दो प्रमुख राज्यों मध्य प्रदेश और उत्तर प्रदेश के बीच हाल के वर्षों में सहयोग का एक नया आयाम उभरता दिखाई दे रहा है। यह समन्वय केवल भौगोलिक निकटता तक सीमित नहीं है, बल्कि सांस्कृतिक, औद्योगिक, प्रशासनिक और सामाजिक स्तर पर एक साझा विकास मॉडल की दिशा में बढ़ता कदम है। इस प्रक्रिया में डॉ. मोहन यादव की सक्रिय भूमिका उल्लेखनीय मानी जा रही है, जो विशेष रूप से धार्मिक और सांस्कृतिक केंद्रों के माध्यम से इस साझेदारी को मजबूत करने का प्रयास कर रहे हैं।

उज्जैन और वाराणसी, दोनों ही प्राचीन धार्मिक नगर हैं, जो भारतीय संस्कृति और आध्यात्मिकता के प्रमुख केंद्र माने जाते हैं। महाकालेश्वर मंदिर और काशी विश्वनाथ मंदिर के बीच सांस्कृतिक कार्यक्रमों और धार्मिक आयोजनों के आदान-प्रदान से एक प्रकार की 'सांस्कृतिक कूटनीति' विकसित हो रही है। यह पहल न केवल धार्मिक पर्यटन को बढ़ावा देती है, बल्कि दोनों राज्यों की सांस्कृतिक पहचान को भी राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर सुदृढ़ करती है। उत्तर प्रदेश में आयोजित होने वाला महाकुंभ विश्व का सबसे बड़ा धार्मिक समागम है, जहां करोड़ों श्रद्धालु एकत्रित होते हैं। इस आयोजन में भीड़ प्रबंधन, सुरक्षा व्यवस्था और लॉजिस्टिक्स का अनुभव अत्यंत महत्वपूर्ण है। डॉ. मोहन यादव द्वारा इस मॉडल का अध्ययन कर उसे उज्जैन में लागू करने की दिशा में प्रयास किए जा रहे हैं, जिससे भविष्य में उज्जैन के आयोजनों को भी वैश्विक स्तर पर अधिक व्यवस्थित और सुरक्षित बनाया जा सके।

सांस्कृतिक जुड़ाव के साथ-साथ औद्योगिक और व्यापारिक सहयोग भी इस साझेदारी का अहम हिस्सा है। मध्य प्रदेश और उत्तर प्रदेश, दोनों ही कृषि और लघु उद्योगों के क्षेत्र में मजबूत आधार रखते हैं। यदि दोनों राज्य अपने-अपने औद्योगिक क्लस्टर्स, लॉजिस्टिक्स नेटवर्क और निवेश नीतियों का समन्वय करते हैं, तो यह उत्तर भारत में एक शक्तिशाली आर्थिक गलियारा बना सकता है। इससे रोजगार सृजन, निर्यात वृद्धि और क्षेत्रीय विकास को नई गति मिल सकती है।

इस सहयोग का एक महत्वपूर्ण पहलू सामाजिक समरसता है। जब दो राज्यों के लोग सांस्कृतिक, धार्मिक और आर्थिक गतिविधियों में एक साथ भाग लेते हैं, तो सामाजिक दूरी कम होती है और आपसी विश्वास बढ़ता है। काशी और उज्जैन के बीच धार्मिक यात्राओं और आयोजनों के माध्यम से एक 'पीपल-टू-पीपल कनेक्ट' विकसित हो रहा है, जो दीर्घकालिक सामाजिक स्थिरता के लिए आवश्यक है।

राजनीतिक दृष्टि से यह पहल सहकारी संघवाद का एक उदाहरण प्रस्तुत करती है, जहां राज्य सरकारें आपसी प्रतिस्पर्धा के बजाय सहयोग के माध्यम से विकास को बढ़ावा देती हैं। डॉ. मोहन यादव के लगातार उत्तर प्रदेश दौरों और वहां के प्रशासनिक तंत्र के साथ संवाद इस बात का संकेत हैं कि भविष्य में यह साझेदारी और अधिक संस्थागत रूप ले सकती है। मध्य प्रदेश और उत्तर प्रदेश के बीच विकसित हो रहा यह बहुआयामी समन्वय एक नई विकासात्मक सोच को दर्शाता है, जिसमें सांस्कृतिक विरासत, प्रशासनिक दक्षता और आर्थिक प्रगति का संतुलित समावेश है। काशी और उज्जैन जैसे धार्मिक केंद्र इस सहयोग के प्रतीक बनकर उभर रहे हैं। यदि यह प्रयास निरंतर और योजनाबद्ध तरीके से आगे बढ़ता है, तो आने वाले समय में यह मॉडल अन्य राज्यों के लिए भी प्रेरणास्रोत बन सकता है।

पाचन प्रक्रिया को

दुरूस्त करती है इमली

भारत में काफी पुराने समय से इमली का इस्तेमाल किया जाता रहा है। हालांकि इस फल का मूल देश अफ्रीका है, पर एशियाई देशों से जब यह फल फारस और अरब देशों में गया तो इसे इंडियन डेट कहा गया, जिसकी वजह थी कि यह फल देखने में खजूर के सूखे गूदे की तरह लगता था। भारतीय व्यंजनों में इसका उपयोग स्वाद लाने के लिए किया जाता है, पर सेहत के लिए लाभकारी अनेक गुण भी इसमें हैं। इमली की फली भूरे रंग की 3 से 7 इंच लंबी होती है। फलों के भीतर रसदार और अम्ल गूदे को चटनी और रसे (करी) में प्रयोग किया जाता है। इमली के गूदे में मौजूद टारटरिक और पेक्टिन की गुणवत्ता काफी अच्छी होती है।

सेहत के लिए गुणकारी

इसकी पत्तियां ठंडक पहुंचाने वाली होती हैं, वहीं छाल एरिंस्ट्रेजेंट का काम करती है। इसके फल का गूदा पाचक, शीतल और रोगाणुरोधक होता है। इमली का इस्तेमाल आयुर्वेदिक औषधि के रूप में पेट व पाचन समस्याओं के लिए किया जाता है। इसकी पत्तियां पेट के कीड़ों का नाश करती हैं। पीलिया में भी यह लाभकारी है। इसका उपयोग अल्सर की चिकित्सा के लिए भी किया जाता है।

पाचन विकार: पके हुए फल का गूदा पित्त की उल्टी, कब्ज, वायु विकार, अपचन के इलाज में लाभदायक है। पानी के साथ इसके गूदे को कोमल करके बनाया हुआ अर्क भूख में कमी होने में फायदा पहुंचाता है।

स्कर्वी: यह बीमारी विटामिन सी की कमी से होने वाला रोग है, जिससे त्वचा में धब्बे आ जाते हैं, मसूड़े स्पंजी हो जाते हैं और श्लेष्मा झिल्ली से रक्त बहता है। इस बीमारी से पीड़ित व्यक्ति पीला और उदास दिखता है। इमली में विटामिन सी प्रचुर मात्रा में पाया जाता है। यह स्कर्वी के इलाज में लाभदायक है।

सामान्य सर्दी: दक्षिण भारत में सर्दी के इलाज के लिए इमली को प्रभावकारी माना जाता है। पिसी हुई इमली के साथ 1 चम्मच काली मिर्च को पानी में कुछ समय उबालने के बाद इसका सेवन किया जाता है।

पेचिश: यह आंत में सूजन होने से होता है, जिससे दस्त के मल में अत्यंत बलगम या रक्त का निकास होता है। कभी-कभार साथ में बुखार और पेट दर्द की समस्या भी उत्पन्न हो जाती है। इमली का पेय पेचिश के इलाज में लाभकारी है।

जलन: जलन के इलाज के लिए इमली के पत्तों को जला कर इसका महीन पाउडर बनाते हैं। इस पाउडर को तिल के तेल के साथ मिला कर जले हुए हिस्से में लगाने पर घाव कुछ दिनों में ठीक हो जाता है।

जोड़ों की सूजनः इमली के पत्तों को पानी के साथ पीस कर बने लेप को जोड़ों और टखने के सूजे हुए हिस्से में लगाने पर सूजन और दर्द में राहत मिलती है।

गले की खराश: इमली के पानी के गरारे गले की खराश के इलाज में लाभकारी हैं। आप चाहें तो इमली को पानी में उबाल कर इसके गरारे कर सकते हैं अथवा इसकी सूखी पत्तियों का पाउडर पानी में मिला कर उपयोग में लाया जा सकता है।

खास हैं ये हिकारू स्कर्ट्स...

जापान में इन दिनों फैशन में एक नया ट्रेंड शामिल हुआ है। ये हैं एलईडी स्कर्ट्स जिन्हें हिकारू स्कर्ट्स का नाम दिया गया है। यह स्कर्ट्स जापान के डिजाइनर कियोयुकी अमानो ने डिजाईन की हैं। स्कर्ट्स को बनाने में एलईडी लाइट्स का प्रयोग किया गया है । इनमें नीचे अन्दर की ओर एलईडी लाइट्स लगी हैं। पैरों पर पड़ती हैं लाइट्स इसकी खासियत है कि इसे इस तरह से डिजाईन किया गया है कि स्कर्ट में दी गयी लाइट सीधे पहनने वाले के पैरों पर पड़ती हैं।

तरबूज खाने के अनूठे फायदे

तरबूज में लाइकोपिन पाया जाता है जो त्वचा की चमक को बरकरार रखता है। हृदय संबंधी बीमारियों को रोकने में भी तरबूज एक रामबाण उपाय है। ये दिल संबंधी बीमारियों को दूर रखता है। दरअसल ये कोलस्ट्रॉल के लेवल को नियंत्रित करता है जिससे इन बीमारियों का खतरा कम हो जाता है। विटामिन और की प्रचुर मात्रा होने के कारण ये शरीर के इम्यून सिस्टम को भी अच्छा रखता है।

फाइबर यानी रेशे से होने वाले लाभ पर शायद ही किसी को संदेह हो। पाचन प्रक्रिया और हृदय रोगों में होने वाले लाभ के कारण फूड कंपनियां बड़े स्तर पर उच्च फाइबरयुक्त खाद्य पदार्थ बाजार में उतार रही हैं। क्या खाद्य पदार्थों में मिलाए जाने वाले कृत्रिम फाइबर, प्राकृतिक फाइबर जितना ही लाभ पहुंचाते हैं?

फाइबर से दोस्ती

फाइबर यानी रेशा हमारे भोजन का अहम हिस्सा है। स्पंज की तरह काम करते हुए फाइबर प्राकृतिक तरीके से शरीर की सफाई करने में मदद करता है। साबुत अनाज, चोकर, फल व सब्जियां, दालें व बींस (राजमा व लोबिया) में फाइबर प्रचुर मात्रा में पाया जाता है। इससे न सिर्फ शरीर को ऊर्जा मिलती है, बल्कि फाइबरयुक्त चीजें खाने के बाद आपको कुछ देर तक भूख नहीं लगती। यही वजह है कि आहार विशेषज्ञ कोलेस्ट्रॉल नियंत्रित करने और वजन कम करने के इच्छुकों को उच्च फाइबरयुक्त डाइट की सलाह देते हैं। अलसी, आलूबुखारा, चोकर, साबुत अनाजों में फाइबर की मौजूदगी आंतों को मजबूती देती है।

रेशा पौधों से मिलने वाला वह भाग है, जिसे मानव शरीर में मौजूद एंजाइम पचा नहीं पाते। शरीर में पहुंच कर यह रेशा नमी को ग्रहण कर अपशिष्ट पदार्थों को शरीर से बाहर निकलने में मदद करता है। दिनभर में 30 ग्राम फाइबर का सेवन उपयुक्त होता है।

फाइबर के प्रकार

इनसॉल्युबल फाइबर: साबुत अनाज व उससे बने पदार्थों, बीज, ताजे फल व सब्जियों में इसकी अधिकता होती है। इससे खाद्य पदार्थ पचाने में आसानी होती है, जिससे आंतों पर कम दबाव पड़ता है और कब्ज नहीं होता। शोध बताते हैं कि कम वसा और अधिक फाइबरयुक्त खाद्य पदार्थों से वायु संबंधी रोग नहीं होते। साथ ही कई तरह के कैंसर को रोकने में भी मदद मिलती है।

सॉल्युबल फाइबर: पानी में घुलनशील ये फाइबर कोलेस्ट्रॉल को कम रखने में विशेष उपयोगी होते हैं। जई की भूसी और सूखे बींस (लोबिया और राजमा) में इसकी अधिकता होती है। इससे पेट से भोजन धीरे-धीरे आगे मूव करता है और ब्लड शुगर का स्तर स्थिर रखने में मदद मिलती है।

शरीर में फाइबर का काम

वजन कम करना: फाइबर स्पंज की तरह काम करते हुए पाचन तंत्र में मौजूद नमी .को ग्रहण करता है, जिससे भोजन निगलने में आसानी रहती है। इससे भोजन से मिलने वाली संतुष्टि बढ़ती है, जो विभिन्न वजन कम करने वाले प्रोग्राम्स से भी नहीं मिलती। फाइबर से शरीर की वसा और शर्करा को ग्रहण करने की प्रक्रिया में सुधार होता है। पाचन प्रक्रिया धीमी होती है, जिससे शर्करा धीरे-धीरे रक्त में पहुंचती है। इससे बार-बार भूख नहीं लगती और शर्करा की कमी के कारण होने वाली थकावट व कमजोरी नहीं होती। फाइबरयुक्त भोजन को चबाने में अधिक समय लगता है। ऐसे में एक ओर खाना खाने की गति में कमी आती है तो दूसरी ओर खाने से मिलने वाली संतुष्टि बढ़ जाती है।

शरीर होता है टॉक्सिन फ्री: खाद्य पदार्थों में मौजूद रेशा पानी को ग्रहण कर अपशिष्ट पदार्थों को मुलायम बनाता है। इससे अपशिष्ट पदार्थ आंतों में अधिक समय तक नहीं रहते और उनके बाहर निकलने में आसानी होती है। मलाशय पर अधिक जोर नहीं पड़ता। फाइबर की कमी से मल शुष्क व कड़ा हो जाता है, जिसमें विभिन्न दवाओं, विषाक्त व हानिकारक रसायन आदि कई तरह के संक्रमणों की मौजूदगी होती है। फाइबर से अपशिष्ट पदार्थ मलाशय से बाहर निकलने में कम समय लेते हैं। इससे प्राकृतिक तरीके से आंतों की सफाई हो जाती है और कोलेस्ट्रॉल का अवशोषण कम होने के कारण कोलेस्ट्रॉल लेवल स्थिर रहता है।

आइसोलेटेड बनाम डायटरी फाइबर

फूड प्रोडक्ट्स बनाने वाली कंपनियां बड़े स्तर पर फाइबरयुक्त खाद्य पदार्थ बाजार में उतार रही हैं। दही, आइसक्रीम, अनाज और जूस आदि में बड़ी मात्रा में आइसोलेटेड फाइबर मिलाए जा रहे हैं। आइसोलेटेड फाइबर के रूप में डिब्बों पर इन्युलिन, पेक्टिन, पॉली-डेक्सट्रोस, मिथाइलसेल्युलॉस और माल्टोडेक्सट्रिन नाम देखने को मिलते हैं। आइसोलेटेड फाइबर, खाद्य पदार्थों से प्राकृतिक रूप में भी मिलते हैं और कृत्रिम रूप से भी इन्हें बनाया जाता है। पर प्रश्न यह है कि कृत्रिम रूप से मिला कर बनाए गए फाइबरयुक्त खाद्य पदार्थ भी क्या प्राकृतिक फाइबर जैसा लाभ पहुंचाते हैं?

इसमें दो राय नहीं कि कंपनियों के फाइबरयुक्त खाद्य पदार्थ शरीर को फाइबर देते हैं। जिन लोगों की डाइट में फाइबर की कमी रहती है, उनमें इनके लाभ भी देखने को मिलते हैं, मसलन इन्युलिन फाइबर से शरीर में फेंड्रली बेक्टीरिया के विकास को बढ़ावा मिलता है। कोलन यानी मलाशय में पदार्थ को कैंसरकारी बनने से रोकने में भी यह असरदार है। शोध कहते हैं कि इन्युलिन की मौजूदगी भोजन से मिलने वाली संतुष्टि को बढ़ा देती है व इसमें केल्शियम और मैग्नीशियम आदि मिनरल को ग्रहण करने की क्षमता अधिक होती है।

फाइबर के लाभ

- पाचन प्रक्रिया नियमित होती है।
- अपशिष्ट पदार्थ देर तक आंतों में जमा रहकर टॉक्सिन नहीं फैलाते।
- कोलेस्ट्रॉल लेवल कम होता है, हृदय रोगों में लाभकारी है।
- मलाशय के कैंसर को दूर करता है।
- वजन कम करने में मदद मिलती है।

रिफाइंड प्रोडक्ट्स में फाइबर कम

रिफाइंड खाद्य पदार्थों में फाइबर की मात्रा कम हो जाती है, मसलन मैदे से बनी ब्रेड। इसीलिए सफेद ब्रेड की जगह होलग्रेन ब्रेड को लेने की सलाह दी जाती है। कंपनियां सेहत के अलावा कई अन्य कारणों से भी पदार्थों में फाइबर मिलाती हैं, जैसे आइसक्रीम आदि डेजर्ट में फाइबर वसा और शर्करा कम करने के लिए मिलाए जाते हैं। इसी तरह दही, योगर्ट और पुडिंग को गाढ़ा करने व पिज्जा को क्रिस्प बनाने के लिए भी फाइबर मिलाते हैं।

प्राकृतिक फाइबर के हैं फायदे अनेक

जहां कंपनियां वस्तुओं में एक या दो तरह के फाइबर मिलाती हैं, वहीं बींस, चोकर, साबुत अनाज व फल-सब्जियों में कई तरह के लाभदायक फाइबर एक साथ मिलते हैं। विभिन्न फाइबर के लाभ भी अलग होते हैं, जैसे हर फाइबर कब्ज को दूर करने में उपयोगी नहीं है। मटर और जई इसमें लाभ पहुंचाते हैं, पर माल्टोडेक्सिट्रिन के सेवन से इसमें लाभ नहीं मिलता। ध्यान रखें कि आइसोलेटेड फाइबर की अधिकता एसिडिटी कर सकती है। ऐसे खाद्य पदार्थ, जिनके डिब्बों पर आप ओलिगोफ्रूक्टस, पॉलीडेक्सट्रॉस और इन्युलिन पाते हैं, उनका अधिक मात्रा में सेवन करना वायु रोग और सूजन की परेशानी कर सकता है।

यूं बढ़ाएं फाइबर की मात्रा

ब्रेकफास्ट में फाइबर की मात्रा बढ़ाएं। होलग्रेन ब्रेड टोस्ट, ताजे फल व फाइबरयुक्त पदार्थ जैसे दलिया व भूसी मिलाएं। फलों के ऊपरी हिस्से, बीज और गूदे में फाइबर सबसे अधिक होता है। चोकर सहित रोटी बनाएं। सलाद, कॉर्नफ्लेक्स, पोहा, चपाती, उपमा, ज्वार और जौ का सेवन करें। खाने में बादाम और अंकुरित भोजन की मात्रा बढ़ाएं। डाइट में फाइबर के साथ पानी की मात्रा भी बढ़ाएं। कुछ सब्जियों और फलों के छिलके में अधिक फाइबर होता है। जरूरी है कि आप छिलके सहित फल खाएं और फलों को अच्छी तरह धो लें। बीजों में भी फाइबर होता है, उदाहरण के तौर पर टमाटर से बीज।

इनसे पाएं नेचुरल फाइबर

फली/ बींस/दालें: बींस (राजमा और लोबिया) में सबसे अधिक फाइबर पाया जाता है। एक कप राजमा व लोबिया में 15 ग्राम से अधिक फाइबर मिलता है। इसी तरह दाल विशेषकर मसूर की दाल में फाइबर प्रचुर मात्रा में होता है। सब्जियों में मटर में सबसे अधिक फाइबर होता है।

हरी पत्तेदार सब्जियां व फल: हरी पत्तेदार सब्जियों में लोह तत्व, बेटा केरोटीन और फाइबर अच्छी मात्रा में पाए जाते हैं। एक कप उबली हुई हरी सब्जियां जैसे पालक, पत्तेदार शलजम और चुकंदर में 4 से 5 ग्राम फाइबर मिलता है। इसी तरह नाशपाति और सेब से भी फाइबर मिलता है। एक बड़े सेब से जहां 3.3 ग्राम फाइबर मिलता है, वहीं मध्यम आकार की नाशपाति से 5.1 ग्राम फाइबर मिल जाता है।

मेवा: बादाम, पिस्ता और अखरोट में केवल प्रोटीन ही नहीं होता, उसमें फाइबर भी प्रचुर पाया जाता है। किशमिश में सॉल्यूबल और नॉन सॉल्यूबल दोनों तरह के फाइबर होते हैं। किशमिश से शरीर को तुरंत ऊर्जा मिलती है।

रागी: रागी में सेल्युलॉस होता है, जो कि एक तरह का फाइबर है। रागी का नियमित सेवन कब्ज को दूर रखता है। इसके अलावा रागी में कैल्शियम, लोहा और प्रोटीन भी प्रचुर मात्रा में पाए जाते हैं। रागी का सेवन मधुमेह और मोटापे के शिकार लोगों के लिए भी फायदेमंद रहता है, क्योंकि इसका पाचन धीरे-धीरे होता है, जिससे रक्त में ग्लूकोज का स्त्राव धीमा हो जाता है।

जई: ओट्स में आहारक फाइबर पर्याप्त मात्रा में होते हैं। इसके अतिरिक्त इसमें आयरन, प्रोटीन और विटामिन बी 1 भी होता है। जई में वसा कम होती है, इससे शरीर में अतिरिक्त कोलेस्ट्रॉल को घटाने में मदद मिलती है। इससे कार्डियोवस्कुलर रोगों को कम करने में मदद मिलती है।

ब्लेम गेम से बचें...

परिवार में ऐसे दौर आते हैं जब वे संकट से गुजरते हैं। चाहे आर्थिक संकट हो या रिश्तों में दरार, विचारों की अलहदगी, किसी प्रिय की बीमारी या मृत्यु। बजाय इसके कि ये सारी चीजें आपसे भरपूर नेगेटिव टोल वसूल सके इससे पहले ही परिवारों की एकजुटता और संकट से बाहर आने की युति आपको ऐसे अप्रिय स्थितियों से भी उचित तरीके से बाहर आने में मदद करेगी। तनाव के लिए कभी भी खुद को या किसी और को दोषी ना ठहराएं। परिस्थितियां जरूर खराब हो सकती हैं लेकिन लोग नहीं। किसी को दोष देना स्थिति और रिश्तों को और भी खराब बना सकता है।

तनाव की चेतावनी

जब हमारा शरीर और दिमाग इन स्थितियों से बाहर आने में असमर्थ हो जाए तो तनाव झलकने लगता है। बॉडी ऐसे हार्मोन्स रिलीज करने लगती है जो हमें चेतावनी देते हैं कि हम मुसीबत में हैं। ये हार्मोन्स बताते हैं कि हमें इन तनावभरी स्थितियों से बाहर आने के लिए सही टेक्नीक अपनाने की जरूरत है। तनाव पूरी तरह से खराब नहीं है। ये आपको प्रोत्साहित भी करता है। इसके जरिए हम अपनी लिमिट्स जान पाते हैं। ये परिवार और दोस्तों के साथ आपके रिश्तों को और भी मजबूत बनाने का काम करता है। अनवरत चलते रहने वाला तनाव आपको असहाय होने का अहसास कराता है और जो हमारे पास हैं उन्हें भी परेशानी से भर देता है। आप खुद को कंट्रोल करते हैं या फिर तनाव आपको कंट्रोल करता है? अगर आप ये समझ पाते हैं कि आपका परिवार तनाव से गुजर रहा है तो उनसे बात करें, परिस्थितियों पर गौर करें और तनाव खत्म करने की कोशिशें करें।

सिचुएशन को स्वीकारें

अवांछित तनाव के संकेतों को पहचान पाना हर किसी के लिए आसान नहीं होता। आपकी जिंदगी में किसी तरह की कोई मुश्किल है तो उसे स्वीकार करें। याद रखें कि परिवार में किसी प्रिय की मौत या बीमारी आपके कंट्रोल से बाहर की चीज है। आप अपने बॉस के मूड को ठीक नहीं रख सकते ना ही स्टॉक मार्केट को एक स्तर से बाहर जाने से रोक सकते हैं। तो फिर इन परिस्थितियों के सामने आने पर तनाव में डूब जाना कहां तक सही है। ज्यादा खर्च की वजह से आप आर्थिक संकट में आ सकते हैं, इस पर रोक लगाकर तनाव को जरूर टाला जा सकता है। जिन चीजों को आप कंट्रोल कर सकते हैं उन्हें करके तनाव को दूर करने की कोशिश जरूर करें। जाहिर है कुछ चीजों को स्वीकारना जरूरी है।

चीजों को देखें

जिस किसी चीज की वजह से आप भयंकर तनाव में हैं जो आपके परिवार को भी तनाव में ला देती है उन्हें देखें और दूर करने की कोशिश करें। परिवार के साथ चीजों पर विचार करें। दूसरों को बताएं कि आप क्यों चिंतित हैं, उन्हें बताएं कि आप इस स्थिति को दूर कर पाएंगे। अपनी उम्मीदों और प्राथमिकताओं पर एक बार फिर से विचार करें। आर्थिक वजह से तनाव है तो परिवार वालों का सहयोग लें। वे आपकी जरूरत को समझेंगे। ईमानदारी से और आगे रहते हुए प्रयास करें।

लोगों तक पहुंचे

कोई परिस्थति होपलेस नहीं होती। दोस्तों और करीबियों का हाथ थामें और मजबूत हो जाएं। कभी-कभी दूसरों से बात करना और उनकी सुनना भी कारगर उपाय बन जाता है। बातों ही बातों में कई सॉल्यूशन्स मिल जाते हैं जिन पर आपका ध्यान अभी तक गया ही नहीं था। आपके करीबी आपके तनाव का कारण अच्छे से और जल्दी पकड़ पाएंगे क्योंकि वे आपको भी बेहतर समझते हैं। तो जब भी तनावग्रस्त हों परिवार के नजदीक पहुंच जाएं।

सकारात्मक बनें

तनाव अपने आप कभी नहीं जाता। इसे मुस्कुराहट हंसी के ठहाकों, योग, एक्सरसाइज और मेडिटेशन से दूर भगाया जा सकता है। तनाव से खुद को दूर कर लें। अकेले सैर पर निकल जाएं। जो चीजें आपको रिलेक्स रखती हैं, करें। संगीत सुने, गेम खेलें, स्वीमिंग करें, दौड़ लगाएं। पॉजिटिव चीजों को करीब रखें ये आपका मूड हल्का और शानदार बनाएंगी। फायनेंशियल क्राइसिस आपको तनाव देता है लेकिन कुछ सबक भी सिखाते हैं। परिवार में अचानक से आई मेडिकल इमरजेंसी आपको सही समय पर हेल्थ इन्श्योरेंस ले लेने का सबक देती है और सिखाती है कि समय पर परिवार के लोगों की वार्षिक स्वास्थ्य जांच जरूरी है।

इश्यूज पर ध्यान दें

तनाव के लिए कभी भी खुद को या किसी और को दोषी ना ठहराएं। परिस्थितियां जरूर खराब हो सकती हैं लेकिन लोग नहीं। किसी को दोष देना स्थिति और रिश्तों को और भी खराब बना सकता है। शादी या रिश्तों का टूटना आपसे बहुत कुछ वसूल सकता है इमोशनली और फिजीकली भी। इस दौर से आपका कोई परिचित गुजर रहा है तो उसे सपोर्ट करें। परिस्थितियों को दोष देने की बजाय इश्यूज पर ध्यान दें। अगर आपके सिगरेट पीने की वजह से आपके बच्चे को अस्थमा हो गया है तो परिस्थिति को दोष देने से क्या होगा।

संभालें, सहारा दें

अगर परिवार का कोई सदस्य तनाव में है तो उसे संभाले, सहारा दें। उसे समझने की कोशिश करें। परिवार आपके लिए है और आप परिवार के लिए। परिवार के लोग हर अच्छे-बुरे समय में एकदूसरे के साथ होते हैं। ये सपोर्ट किसी को भी बुरे वक्त से बाहर आने का संबल देता है।

रेसिपी

पिज्जा सैंडविच

सामग्री

पिज्जा बेस- 1, हरी कटी प्याज- आधा कप, शिमला मिर्च बारीक कटी -आधा कप, टमाटर (बरीक कटा)- आधा कप, टमाटर की चटनी- आधा कप, ग्रीन चिली सॉस- एक बड़ा चम्मच, नमक-(स्वादनुसार), काली मिर्च (स्वादनुसार), मक्खन (एक बड़ा चम्मच)

विधि

सबसे पहले फ्राई पैन में मक्खन गर्म करें। अब कटी हुई प्याज, शिमला मिर्च, टमाटर और नमक डालकर अच्छ से भूनें। जब ये पूरी सामग्री अच्छे से भुन जाए तो आंच से उतार लें। अब पिज्जा बेस को चार तिकोने टुकड़ों में काटकर टोस्टर में ग्रिल करें। सैंडविच तैयार करने के लिए ग्रिल पिज्जा टोस्ट पर टमाटर की चटनी और ग्रीन चिली सॉस लगाकर भुनी हई सब्जियां डालें। और फिर काली मिर्च ऊपर से छिड़कर दूसरा ग्रिल्ड टोस्ट ऊपर से रखे। और बस लीजिए हो गया आपका पिज्जा सैंडविच तैयार।

चॉकलेट की गुजिया

समाग्री

500 ग्राम मैदा
एक किलो मावा (खोया)
250 ग्राम चॉकलेट चिप्स
4 बड़े चम्मच किशमिश
100 ग्राम बादाम कटे हुए
500 ग्राम चीनी (पिसी हुई)
तेल या घी

विधि

गुजिया की बाहर की परत बनाने के लिए सबसे पहले मैदा छान लें, फिर इसमें घी या तेल मिलाएं और फिर जरूरत के हिसाब से पानी डालते हुए नर्म गूंद लें। अब इसे थोड़ी देर के लिए गीले कपड़े से ढककर रख दें। अब भरावन तैयार करने के लिए गैस पर कढ़ाही गर्म करें। इसमें मावा डालकर मध्यम आंच पर तब तक भूनें जब तक की वो ब्राउन न हो जाए। फिर इसमें चॉकलेट चिप्स डालकर 2 मिनट भूनें। इसके बाद चीनी, काजू और किशमिश डालकर मिलाएं, और चलाते रहें। जब मावा भूनकर सूख जाए तो गैस बंद कर दें और सामग्री को ठंडा होने दें। इसके बाद तैयार मैदे को छोटे-छोटे हिस्सों में बांट लें और हर हिस्से को गोल आकार देने के बाद छोटी रोटी में बेल लें। अब गुजिया बनाने का सांचा लें और इसमें दोनों तरफ हल्का तेल लगाएं। अब बेली हुई रोटी को इस सांचे में रखें और एक चम्मच के करीब भरावन रोटी के बीच में डालें और सांचा बंद कर दें। सांचा बंद करने के बाद रोटी का जो भी हिस्सा बाहर रह जाए, उसे हटा दें। इसी तरह सारे आटे से गुजिया तैयार करें और एक गीले कपड़े पर रखते जाएं। अब कढ़ाही में तेल या घी गर्म करें और मध्यम आंच पर एक बार में 4-5 गुजिया डीप फ्राई कर लें। जब गुजिया सुनहरी होने लगे तो इन्हें प्लेट में निकाल लें। इसी तरह सारी गुजिया तलें। और बस तैयार हैं आपकी चॉकलेट गुजिया।

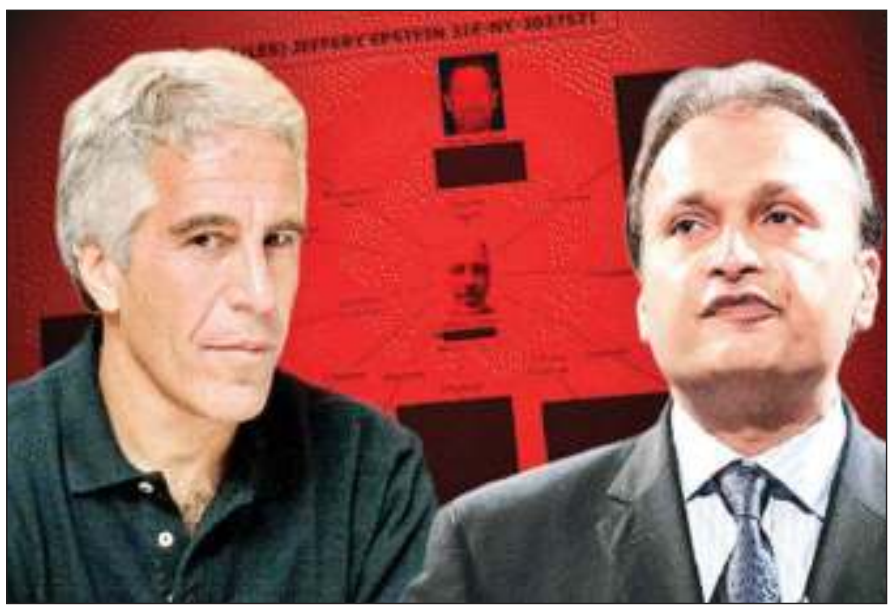

दावा-एपस्टीन और अनिल अंबानी के बीच सैकड़ों मैसेज-ईमेल हुए :यौन अपराधी ने खुद को व्हाइट हाउस का इनसाइडर बताया, नियुक्ति-विदेश नीति से जुड़ी जानकारियां दीं

न्यूयार्क

अमेरिका के यौन अपराधी जेफ्री एपस्टीन ने 2017 में उद्योगपति अनिल अंबानी के सामने खुद को डोनाल्ड ट्रम्प के पहले कार्यकाल के व्हाइट हाउस के इनसाइडर की तरह पेश किया था। न्यूयार्क टाइम्स की रिपोर्ट के मुताबिक दोनों के बीच दो साल तक सैकड़ों मैसेज और ईमेल हुए।

इनमें एपस्टीन ने ट्रम्प प्रशासन की नियुक्ति व विदेश नीति से जुड़ी जानकारियां साझा कीं, जो बाद में सही भी निकलीं। हालांकि, इस बात का कोई सबूत नहीं मिला कि एपस्टीन की व्हाइट हाउस तक सीधी पहुंच थी।

मैसेज में अनिल अंबानी ने एपस्टीन को लिखा था- भारत के रिश्ते और रक्षा सहयोग के लिए व्हाइट हाउस से डील करने में आपकी गाइडेंस चाहिए। जवाब में एपस्टीन ने इनसाइड जानकारी देने का वादा किया।

सिग्नल-टेलीग्राम जैसे प्लेटफार्म पर होती थी बात - न्यूयार्क टाइम्स ने जस्टिस डिपार्टमेंट की तरफ से जारी मैसेज के रीव्यू के आधार पर बताया कि अनिल अंबानी और एपस्टीन के बीच बातचीत सिग्नल और टेलीग्राम जैसे एन्क्रिप्टेड प्लेटफार्म पर होती थी, जहां अंबानी अरमानी ए नाम से सक्रिय थे।

यह संपर्क उस दौर का है, जब एपस्टीन नाबालिगों से जुड़े अपराधों में जेल की सजा काट चुका था। इनका परिचय दुबई की कंपनी डीपी वर्ल्ड के चेयरमैन सुल्तान अहमद बिन सुलायेम ने कराया था। एपस्टीन ने जब दीपक चोपड़ा से अंबानी के बारे में राय मांगी, तो चोपड़ा ने उन्हें बेहद अमीर, चर्चा में रहने का शौकीन और सेलेब्स के प्रति सजग व्यक्ति बताया था।

सुरक्षा सलाहकार की नियुक्ति पर एपस्टीन की बात सच हुई - मैसेज में एपस्टीन खुद को असरदार पावर ब्रोकर के रूप में पेश करता दिखा। मार्च 2017 में अनिल अंबानी ने एपस्टीन से पूर्व सीआईए डायरेक्टर डेविड पेट्रेयस के भारत में अमेरिकी राजदूत बनने की संभावना पूछी थी। एपस्टीन ने जवाब दिया था- वे प्राथमिकता में नहीं हैं। बाद में केनेथ जस्टर राजदूत बने। जुलाई 2017 में एपस्टीन ने यह इनसाइड जानकारी भी दी कि जान बोल्टन नए राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार होंगे। हालांकि, तब ट्रम्प ने मौजूदा मैकमास्टर का बचाव किया था। हालांकि, 8 महीने बाद एपस्टीन की बात सच साबित हुई और बोल्टन ने ही पद संभाला।

न्यूज़ ब्रीफ

मिडिल ईस्ट संकट के बीच भारत ने की 2 लाख करोड़ की स्कीम तैयार

नई दिल्ली। मिडिल ईस्ट में बढ़ते तनाव, खासकर ईरान, अमेरिका और इजरायल के बीच जारी हालात को देखते हुए भारत सरकार सतर्क हो गई है। संभावित आर्थिक असर से निपटने के लिए 2 लाख करोड़ रुपये की विशेष क्रेडिट गारंटी स्कीम लाने की तैयारी की जा रही है। वैश्विक स्तर पर बढ़ते भू-राजनीतिक तनाव के चलते भारत सरकार ने एहतियाती कदम उठाने शुरू कर दिए हैं। सरकार एक विशेष क्रेडिट गारंटी योजना तैयार कर रही है, जिसका उद्देश्य अर्थव्यवस्था पर पड़ने वाले संभावित नकारात्मक प्रभाव को कम करना है। इस योजना का आकार करीब 2 लाख करोड़ रुपये बताया जा रहा है और इसे जल्द लागू किया जा सकता है। यह स्कीम कोविड-19 महामारी के दौरान लागू की गई इमरजेंसी क्रेडिट लाइन गारंटी स्कीम (ईसीएलजीएस) के आधार पर तैयार की जा रही है। उस समय इस योजना ने कारोबारियों को वित्तीय संकट से उबारने में अहम भूमिका निभाई थी। नई योजना के तहत व्यवसायों को बिना किसी गिरवी के सरकारी गारंटी पर लोन दिया जाएगा। खासतौर पर सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम इस स्कीम के मुख्य लाभार्थी होंगे, क्योंकि ये सेक्टर नकदी प्रवाह पर ज्यादा निर्भर रहता है और वैश्विक झटकों से जल्दी प्रभावित होता है। सरकार बैंकों के माध्यम से कम ब्याज दरों पर ऋण उपलब्ध कराने की तैयारी में है। इससे छोटे और मध्यम कारोबारों को अपनी गतिविधियां जारी रखने में मदद मिलेगी और लिक्विडिटी की समस्या से राहत मिल सकेगी।

वीकेंड राइड के लिए 150-200सीसी बाइक्स बनीं पहली पसंद

नई दिल्ली। भारतीय युवाओं में वीकेंड राइड के लिए 150-200सीसी बाइक्स पहली पसंद बनी हुई है। युवाओं के रुझान को देखते हुए कंपनियां भी ऐसी ही बाइक्स का निर्माण कर रही है। बाइक निर्माता स्वदेशी कंपनी बजाज की बजाज पल्सर एनएस 200 बाइक अपनी पावर और स्पोर्टी लुक के लिए जानी जाती है। इसका 199.5 सीसी इंजन तेज पिकअप और दमदार परफार्मेंस देता है, जो शहर और हाईवे दोनों के लिए उपयुक्त है। वहीं टीवीएस अपाचे आरटीआर 200 4वी रेसिंग डीएनए और एडवांस फीचर्स के साथ आती है, जिसमें शार्प हैंडलिंग और राइडिंग मोड्स इसे खास बनाते हैं। अगर स्मूथ और रिफाइंड राइड चाहिए, तो होंडा हार्नेट 2.0 बेहतर विकल्प है, जो कम मेंटेनेंस और बेहतर माइलेज के लिए जानी जाती है। बजट और स्टाइल के संतुलन के लिए हीरो एक्सट्रीम 160आर अच्छा विकल्प है, जिसमें हल्का वजन और बढ़िया पिकअप मिलता है। वहीं यामाहा एफझेड-एक्स कम्फर्ट और स्मूथनेस के लिए पसंद की जाती है। शहर की ट्रैफिक भरी सड़कों पर आसान राइड और वीकेंड पर लंबी ड्राइव का मजा लेना हो, तो 150सीसी से 200सीसी सेगमेंट की बाइक्स सबसे संतुलित विकल्प बनकर उभरती हैं। इस सेगमेंट की मोटरसाइकिलें पावर, माइलेज, हैंडलिंग और कम्फर्ट का बेहतरीन संतुलन देती हैं, जिससे ये रोजमर्रा की जरूरतों के साथ एडवेंचर राइड के लिए भी उपयुक्त रहती हैं।

नया फ्लैगशिप स्कूटर सिंपल अल्ट्रा पेश, 400 किमी है रेंज

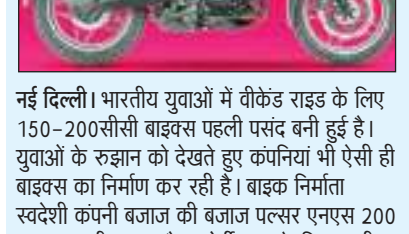

नई दिल्ली। सिंपल एनर्जी ने अपना नया फ्लैगशिप स्कूटर सिंपल अल्ट्रा पेश कर दिया है। यह स्कूटर अपनी लंबी रेंज के कारण चर्चा में है। इस माडल को रोजमर्रा की कम्यूटिंग से लेकर लंबी दूरी की राइड के लिए डिजाइन किया गया है। कंपनी के मुताबिक, 6.5 केडब्ल्यूएच बैटरी पैक के साथ यह स्कूटर आईडीसी टेस्ट में 400 किलोमीटर तक की दूरी तय कर सकता है, जो इसे भारत का सबसे लंबी रेंज वाला ई-स्कूटर बनाता है। इसकी कीमत करीब 2.10 लाख रुपये रखी गई है और इसे मई 2026 से खरीदा जा सकेगा, जबकि प्री-बुकिंग शुरू हो चुकी है। डिजाइन के मामले में सिंपल अल्ट्रा स्पोर्टी और शार्प लुक के साथ आता है। इसमें एप्रन माउंटेड हेडलैंप, इंटीग्रेटेड ष्ट्रञ्ह्य और स्लीक टेल सेक्शन दिया गया है। 780 मिमी सीट हाइट और 172 मिमी ग्राउंड क्लीयरेंस इसे शहर और हाईवे दोनों के लिए उपयुक्त बनाते हैं। परफार्मेंस की बात करें तो इसमें 8.8 केडब्ल्यू की पीएमएसएम मोटर दी गई है, जो 72 एनएम टार्क जनरेट करती है।

सुजुकी बुर्जमान स्ट्रीट 125 का नया अपडेटेड माडल लान्च

नई दिल्ली

सुजुकी बुर्जमान स्ट्रीट 125 का नया अपडेटेड माडल भारत में लान्च हो गया है। 2026 अपडेट में कंपनी ने इसकी डिजाइन को और आकर्षक बनाया है, जिसमें नई एलईडी हेडलाइट्स, टेललाइट्स और रिवाइज्ड स्टाइलिंग शामिल है। यह माडल प्रीमियम मैक्सी-स्कूटर स्टाइल और एडवांस फीचर्स के साथ आता है। यह स्कूटर खासतौर पर शहर की ट्रैफिक और फैमिली उपयोग को ध्यान में रखकर तैयार किया गया है, साथ ही लंबी दूरी की सवारी के लिए भी आरामदायक माना जा रहा है। इसकी एक्स-शोरूम कीमत दिल्ली में लगभग 1.02 लाख रुपये से शुरू होकर 1.13 लाख रुपये तक जाती है।

डिजाइन की बात करें तो नया बुर्गमेन स्ट्रीट 125 शार्प और एलिगेंट लुक के साथ पेश किया गया है। इसमें फ्लोइंग कर्व्स, क्रिस्प लाइन्स, बाडी-माउंटेड विंडस्क्रीन और अपस्वेप्ट मफलर जैसे एलिमेंट्स इसे प्रीमियम अपील देते हैं। 12-इंच रियर व्हील और चौड़ा स्टांस इसकी स्टेबिलिटी को बेहतर बनाते हैं। इसकी सीट हाइट करीब 775-780 मिमी और ग्राउंड क्लियरेंस 160 मिमी है, जिससे राइडिंग आसान हो जाती है। फीचर्स के मामले में यह स्कूटर काफी एडवांस है।

सेफ्टी के लिए सीबीएस और फ्रंट डिस्क ब्रेक जैसे फीचर्स मिलते हैं। इंजन की बात करें तो इसमें 124सीसी का एयर-कूल्ड इंजन दिया गया है, जो 8.7 पीएस पावर और 10.2 एनएम टार्क जनरेट करता है। यह स्कूटर करीब 50 किमी प्रति लीटर का माइलेज देने में सक्षम है, जो इसे एक बेहतरीन विकल्प बनाता है। इसमें सुजुकी राइड कनेक्ट के साथ ब्लूटूथ-इनेबल्ड डिजिटल या टीएफटी डिस्प्ले, काल और एसएमएस अलर्ट, यूएसबी चार्जिंग पोर्ट और बड़ा अंडरसीट स्टोरेज दिया गया है।

जिस अमेरिकी कंपनी ने कर्मचारियों को निकाला.......उसी पर ईरान ने दाग दी मिसाइल

दुबई। दुबई में अमेरिकी आईटी कंपनी ओरेकल कार्पोरेशन के दफ्तर पर ईरान द्वारा मिसाइल हमला किया गया। दुबई के अधिकारियों ने पुष्टि की कि दुबई इंटरनेट सिटी में ओरेकल की बिल्डिंग के सामने के हिस्से पर हवाई हमला हुआ। हालांकि, किसी के घायल होने की खबर नहीं है। यह हमला ईरान द्वारा किया गया माना जा रहा है, क्योंकि यूएई अमेरिका का सहयोगी देश है और वहां अमेरिकी सैन्य ठिकाने हैं। दुबई मीडिया आफिस ने इस मिसाइल अटैक की जानकारी दी है। इसके मुताबिक, अधिकारियों ने कन्फर्म किया है कि दुबई इंटरनेट सिटी में ओरेकल बिल्डिंग के सामने के हिस्से पर हवाई हमला हुआ। इस बिल्डिंग के मलबे से हुई एक छोटी सी घटना घटी। राहत की बात यह रही कि किसी के घायल होने की खबर नहीं है। फिलहाल, दुबई का कहना है कि यह ईरान ने ही ड्रोन-मिसाइल से अटैक किया है। बता दें कि यूएई खाड़ी में अमेरिका का सहयोगी देश है। यहां अमेरिकी सैन्य ठिकाना है। इसलिए ईरान दुबई पर बमबारी कर रहा है। हाल ही में ओरेकल ने वैश्विक स्तर पर करीब 30,000 कर्मचारियों की छंटनी की थी, जिसमें से भारत में 12,000 कर्मचारी प्रभावित हुए हैं। छंटनी के कारण संगठनात्मक बदलाव और पद अप्रासंगिक होने की वजह से यह निर्णय लिया गया। प्रभावित कर्मचारियों को ईमेल के माध्यम से सूचित किया गया कि उन्हें सेवा-समाप्ति तक वेतन और बोनस, छुट्टियों का भुगतान, ग्रेच्युटी और नोटिस पीरियड का भुगतान मिलेगा। इसके अतिरिक्त, स्वेच्छा से कंपनी छोड़ने वाले कर्मचारियों को दो महीने का अतिरिक्त वेतन भी दिया जाएगा।

पेट्रोल-डीजल की कीमतों में ठहराव, निजी कंपनियों ने बढ़ाए दाम

नई दिल्ली

देश में पेट्रोल और डीजल की कीमतों में फिलहाल कोई बदलाव नहीं किया गया है। सरकारी तेल कंपनियों ने कीमतों को पुराने स्तर पर बनाए रखा है, लेकिन निजी कंपनियों ने ईंधन के दाम बढ़ाकर उपभोक्ताओं पर अतिरिक्त बोझ डाल दिया है। सरकारी तेल कंपनियों ने आम लोगों को राहत देते हुए दरों में कोई बदलाव नहीं किया है। मौजूदा समय में पेट्रोल की कीमतें लगभग 94 से 106 रुपये प्रति लीटर के बीच हैं, जबकि डीजल 78 से 97 रुपये प्रति लीटर के दायरे में बिक रहा है। हालांकि, निजी क्षेत्र की तेल कंपनियों ने कीमतों में बढ़ोतरी कर दी है। 1 अप्रैल से एक प्रमुख निजी कंपनी ने पेट्रोल के दाम में 7.41 रुपये प्रति लीटर की वृद्धि की है, वहीं डीजल की कीमत में 25 रुपये तक का बड़ा इजाफा किया गया है। इसके

कच्चा तेल 100 डालर प्रति बैरल के पार

बाद निजी पेट्रोल पंपों पर पेट्रोल करीब 119 रुपये और डीजल लगभग 123 रुपये प्रति लीटर तक पहुंच गया है। इस बढ़ोतरी के पीछे वैश्विक बाजार में कच्चे तेल की कीमतों में तेजी को मुख्य कारण माना जा रहा है। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर कच्चा तेल 100 डालर प्रति बैरल के पार चला गया है, जिससे कंपनियों की लागत बढ़ गई है। निजी कंपनियां इस बढ़ती लागत का असर सीधे ग्राहकों पर डाल रही हैं। इसके अलावा प्रीमियम पेट्रोल और डीजल की कीमतों में भी वृद्धि दर्ज की गई है। प्रीमियम पेट्रोल के दाम में 11 रुपये प्रति लीटर की बढ़ोतरी हुई है, जिससे इसकी कीमत 160 रुपये प्रति लीटर तक पहुंच गई है।

वेणु श्रीनिवासन ने टाटा ट्रस्ट से दिया इस्तीफा

नई दिल्ली। टाटा समूह से जुड़ी बड़ी खबर में वेनु श्रीनिवासन ने टाटा ट्रस्ट के एक प्रमुख ट्रस्टी पद से इस्तीफा दे दिया है। यह फैसला ऐसे समय आया है, जब उनकी नियुक्ति को लेकर सवाल उठाए गए थे। टाटा समूह के सात ट्रस्टों के वाइस चेयरमैन और टीवीएस मोटर्स के चेयरमैन एमेरिटस वेनु श्रीनिवासन ने 4 अप्रैल को बाई हीराबाई चैरिटेबल ट्रस्ट से ट्रस्टी पद से इस्तीफा दे दिया। यह टाटा ट्रस्ट का हिस्सा है। बताया जा रहा है कि श्रीनिवासन ने अपने इस्तीफे के पीछे व्यावसायिक प्रतिबद्धताओं को कारण बताया है। हालांकि, उनका यह कदम ऐसे समय आया है, जब एक दिन पहले ही पूर्व ट्रस्टी मेहुल मिस्त्री ने उनकी नियुक्ति पर सवाल खड़े किए थे। मिस्त्री ने दावा किया था कि श्रीनिवासन और विजय सिंह ट्रस्टी बनने के लिए निर्धारित योग्यता मानकों को पूरा नहीं करते हैं। इस बयान के बाद मामले ने तूल पकड़ लिया था।

आठवें वेतन आयोग की प्रक्रिया में तेजी, कर्मचारियों को राहत की उम्मीद

सुझावों के लिए 30 अप्रैल तक का समय, राज्यों के दौरे से जुटाई जाएगी राय

नई दिल्ली

केंद्रीय कर्मचारियों और पेंशनर्स के लिए राहत भरी खबर है। आठवां वेतन आयोन ने अपनी प्रक्रिया को तेज करते हुए सुझाव जुटाने और जमीनी स्तर पर बातचीत का दौर शुरू कर दिया है, जिससे जल्द सिफारिशें आने की उम्मीद बढ़ गई है। 3 नवंबर 2025 को गठित यह आयोग अब अपने काम के अहम चरण में पहुंच गया है। आयोग के पास रिपोर्ट सौंपने के लिए सीमित समय बचा है, ऐसे में प्रक्रियाओं को तेजी से आगे बढ़ाया जा रहा है। आयोग ने विभिन्न कर्मचारी संगठनों, यूनियनों और अन्य हितधारकों से सुझाव आमंत्रित किए हैं। नोटिस के अनुसार, जो संगठन आयोग की विजिटिंग टीम से सीधे संवाद करना चाहते हैं, उन्हें 10 अप्रैल 2026 तक ईमेल के जरिए अपाइंटमेंट लेना होगा। इसके अलावा वेतन, भत्तों और पेंशन सुधार से जुड़े अपने सुझाव 30 अप्रैल 2026 तक भेजने होंगे।इन सुझावों के आधार पर आयोग अपनी सिफारिशों को अंतिम रूप देगा, जो लाखों कर्मचारियों और पेंशनर्स के वेतन ढांचे को प्रभावित करेंगी।इसके साथ ही आयोग ने जमीनी फीडबैक लेने के लिए राज्यों के दौरे की भी योजना बनाई है। 30 मार्च को जारी जानकारी के अनुसार, टीम अपने दौरे की शुरुआत उत्तराखंड से करेगी। यहां विभिन्न संगठनों और संस्थानों से चर्चा कर उनकी राय ली जाएगी। बैठकों का समय और स्थान संबंधित पक्षों को ईमेल के जरिए बताया जाएगा। गौरतलब है कि सातवा वेतन आयोग का कार्यकाल 31 दिसंबर 2025 को समाप्त हो चुका है। ऐसे में उम्मीद की जा रही है कि नए वेतन आयोग की सिफारिशें 1 जनवरी 2026 से लागू मानी जा सकती हैं। यदि ऐसा होता है, तो कर्मचारियों और पेंशनर्स को एरियर का लाभ भी मिल सकता है, जिससे उनकी आय में अच्छी बढ़ोतरी संभव है।

टाटा नेक्सन का जलवा बरकरार, - मार्च 2026 में बनी सबसे ज्यादा बिकने वाली कामैक्ट एसयूव्ही

नई दिल्ली

भारतीय आटो बाजार में टाटा नेक्सन की लोकप्रियता एक बार फिर साबित हो गई है। मार्च 2026 में यह देश की बेस्ट-सेलिंग काम्पैक्ट एसयूवी बनकर उभरी, जहां इसकी कुल 19,810 यूनिट्स की बिक्री दर्ज की गई। इस दौरान इसने अपने सेगमेंट की अन्य मजबूत प्रतिद्वंद्वियों जैसे मारुति ब्रेजा और किया सोनेट को पीछे छोड़ दिया। ब्रेजा की 16,130 और सोंनेट की 12,012 यूनिट्स बिकीं।

इसके अलावा नेक्सन, अपनी ही कंपनी की टाटा पंच के बाद देश की दूसरी सबसे ज्यादा बिकने वाली एसयूव्ही भी रही। नेक्सन को ग्राहकों के बीच खास बनाता है इसका दमदार इंजन और बेहतरीन परफार्मेंस। इसमें 1.2-लीटर टर्बो पेट्रोल इंजन दिया गया है, जो 120 बीएचपी की पावर और 170 एनएम का टार्क जनरेट करता है। वहीं, डीजल विकल्प के रूप में 1.5-लीटर इंजन मिलता है, जो 110 बीएचपी की पावर और 260 एनएम का टार्क देता है। इसकी शुरुआती एक्स-शोरूम कीमत लगभग 8 लाख रुपये से शुरू होकर 15.60 लाख रुपये तक जाती है।

फीचर्स की बात करें तो नेक्सन का इंटीरियर काफी प्रीमियम और हाई-टेक है। इसमें 10.25-इंच टचस्क्रीन इंफोटेनमेंट सिस्टम, डिजिटल ड्राइवर डिस्प्ले, वायरलेस चार्जिंग, आटोमैटिक क्लाइमेट कंट्रोल और क्रूज कंट्रोल जैसे आधुनिक फीचर्स दिए गए हैं। साथ ही जेबीएल साउंड सिस्टम म्यूजिक अनुभव को और बेहतर बनाता है। सेफ्टी के मामले में नेक्सन अपनी कैटेगरी में मजबूत मानी जाती है। इसे 5-स्टार क्रैश टेस्ट रेटिंग मिली है और इसमें 6 एयरबैग, एबीएस, हिल असिस्ट और 360-डिग्री कैमरा जैसे फीचर्स दिए गए हैं, जो इसे परिवारों के लिए एक सुरक्षित और भरोसेमंद विकल्प बनाते हैं।

महिंद्रा की ईवी सीरीज की 50,000 यूनिटस की बिक्री

नई दिल्ली। स्वदेशी वाहन निर्माता महिंद्र एंड महिंद्रा कंपनी की इलेक्ट्रिक ओरिजिन एसयूवी सीरीज महिंद्रा बीई6, महिंद्रा एक्सईवी 9ई और महिंद्रा एक्सईवी 9एस ने मिलकर 50,000 यूनिट्स की बिक्री का आंकड़ा पार कर लिया है। नवंबर 2024 में लान्च हुई बीई 6 और एक्सईवी 9ई को बाजार से शानदार प्रतिक्रिया मिली थी, जिनकी डिलीवरी मार्च 2025 से शुरू हुई। शुरुआती सात महीनों में ही इन दोनों माडलों की 30,000 से अधिक यूनिट्स बिक गईं, यानी औसतन हर 10 मिनट में एक गाड़ी की बिक्री हुई। बाद में एक्सईवी 9एस के जुड़ने से कुल बिक्री 50,000 तक पहुंच गई। इन वाहनों ने अब तक 32 करोड़ किलोमीटर से ज्यादा की दूरी तय कर ली है, जो उनकी विश्वसनीयता को साबित करता है। बीई 6 जहां स्पोर्टी डिजाइन और 682 किलोमीटर तक की रेंज के साथ युवाओं को आकर्षित कर रही है, वहीं एक्सईवी 9ई प्रीमियम सेगमेंट में कूप-स्टाइल डिजाइन और एडवांस फीचर्स के लिए जानी जा रही है। एक्सईवी 9एस, कंपनी की पहली 7-सीटर इलेक्ट्रिक एसयूवी है, जिसे खासतौर पर परिवारों के लिए डिजाइन किया गया है। इस सफलता के पीछे ग्राहकों का बढ़ता भरोसा भी बड़ा कारण है। लगभग 80 प्रतिशत खरीदार पहली बार इलेक्ट्रिक वाहन अपना रहे हैं।

मुख्यमंत्री ने भारतेन्दु नाट्य अकादमी के स्वर्ण जयंती समारोह का शुभारम्भ किया

रामायण महाभारत हमारे सांस्कृतिक प्रवाह का हिस्सा : योगी आदित्यनाथ

राज्य ब्यूरो, नईदुनिया, लखनऊ : उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने रविवार को भारतेन्दु नाट्य अकादमी की स्थापना के 50 वर्ष पूर्ण होने पर आयोजित स्वर्ण जयंती समारोह का शुभारम्भ किया। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने भारतेंदु नाट्य अकादमी के संपूर्ण भवन व दो प्रेक्षागृहों के जीर्णोद्धार कार्य का लोकार्पण किया। इसके अलावा मुख्यमंत्री ने कलाविदों व पूर्व छात्रों का सम्मान किया और रंगमंच पुस्तक का विमोचन किया। मुख्यमंत्री ने बंकिम चंद्र चट्टोपाध्याय रचित उपन्यास आनंदमठ की नाट्य प्रस्तुति भी देखी।

इस अवसर पर बोलते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि रंगमंच समाज का दर्पण होता है। वह समाज की दिशा तय करती है। रंग मंच वही जहां भावनाएं शब्द बनती हैं और वह शब्द अभिनय बनते हैं। यही अभिनय जनचेतना बनकर समाज को दिशा देते हैं।

योगी आदित्यनाथ ने कहा कि रामायण महाभारत हमारी सांस्कृतिक प्रवाह का हिस्सा है हर भारतीय परिवार इसे जीवन का हिस्सा बनाता था। भारतेन्दु हरिश्चन्द्र ने नाटकों के माध्यम से सांस्कृतिक राष्ट्रवाद की भावना को बढ़ाने का काम किया। भाषा के लिए काम किया। सच बोलने और करने का साहस नाटकों के माध्यम से किया। भारत की सनातन संस्कृति को बचाने के लिए, मातृभाषा के लिए हिन्दी के लिए, खड़ी बोली के लिए उनका योगदान अतुलनीय है।

योगी आदित्यनाथ ने कहा कि वोटबैंक पर असर न पड़े इसके लिए महाराजा सूहेलदेव,महाराजा बिजली पासी व रानी लक्ष्मीबाई का नाम नहीं लेते थे। हम अपने नायकों को सम्मान देने से परहेज करते रहे। यही कारण रहा कि पहले हमारे संस्थानों पर माफियाओं को हीरो के रूप में दिखाया जाता था। पहले की सरकार कमजोर थी। सालार मसूद एक माफिया था। महाराजा सुहेलदेव ने विदेशी आक्रांता को मारा'' एक हजार साल बाद हम महाराजा सुहेलदेव का भव्य स्मारक बना सके। संस्कृति पर प्रहार बर्दाश्त नहीं। खलनायकों ने जिन्होंने भारत की संस्कृति को रौंदने का काम किया उन्हें सम्मान नहीं मिलना चाहिए।

मुख्यमंत्री ने कहा कि गायन, वादन, नृत्य के लिए उत्तर प्रदेश बहुत समृद्ध रहा है। लोककला को आगे बढ़ाने का काम होना चाहिए। महाराजा सूहेलदेव, महाराजा बिजली पासी, महारानी लक्ष्मीबाई के बारे में नायकों व वीरांगनाओं के बारे में लघु नाटक बनाएं। स्कूलों में बच्चों के सामने राष्ट्रभक्ति से जुड़े नाटक का मंचन करायें। इसके लिए संस्कृति विभाग आगे आये। इसके पहले भारतेंदु नाट्य अकादमी के अध्यक्ष डॉ. रतिशंकर त्रिपाठी ने मुख्यमंत्री का अंगवस्त्र व स्मृति चिह्न देकर स्वागत किया।

मुख्यमंत्री के हाथों इन्हें मिला सम्मान : किरण बिसारिया, लखीमपुर खीरी,पद्मश्री रामगोपाल बजाज, नई दिल्ली,पद्मश्री डॉ. अनिल रस्तोगी, लखनऊ,प्रो. अजय मलकानी, रांची,रविशंकर खरे, गोरखपुर, चित्रा मोहन, प्रयागराज,मंजू ब्रजनंदन शर्मा सहारनपुर,मुनीश सप्पल मुंबई,डॉ. देवेंद्र कुमार त्रिपाठी प्रयागराज,डॉ. अजीत सैगल, वाराणसी,राकेश निगम, लखनऊ, प्रमोद सिंह राणा, आगरा,आलोक पांडेय, शाहजहांपुर, कुशल दुबे, जौनपुर,राकेश पांडेय, भदोही इस अवसर पर संस्कृति मंत्री जयवीर सिंह, लखनऊ की महापौर सुषमा खर्कवाल, भातखण्डे विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो. मांडवी सिंह,भाजपा के राज्यसभा सदस्य डा.दिनेश शर्मा, विधायक योगेश शुक्ला प्रमुख रूप से उपस्थित रहे।

ढोल-नगाड़ों संग उमड़ी आस्था, अठगवां गौड़ेर मेले में लाखों श्रद्धालु पहुंचे

मीरजापुर। चुनार क्षेत्र के अदलपुरा स्थित बड़ी मां शीतला धाम में रविवार से शुरू हुए दो दिवसीय अठगवां (गौड़ेर) मेले में आस्था का सैलाब उमड़ पड़ा। वाराणसी, जौनपुर, भदोही, चंदौली और सोनभद्र समेत पूरे पूर्वांचल से लाखों की संख्या में श्रद्धालु 'बधावा' लेकर मां के दरबार में पहुंचे। वैशाख माह के प्रथम रविवार को आयोजित होने वाला यह पारंपरिक मेला सोमवार शाम तक चलेगा। मेले में करीब चार लाख श्रद्धालुओं के पहुंचने का अनुमान है। श्रद्धालु ट्रैक्टर, बसों के साथ-साथ गंगा मार्ग से मोटरबोट और स्टीमर के जरिए भी अदलपुरा घाट पहुंचे। ढोल-नगाड़े, ताशा और डीजे की धुन पर नाचते-गाते भक्तों ने 'जय मां शीतला' के जयघोष से पूरे क्षेत्र को भक्तिमय बना दिया। रातभर घाटों पर ही रुककर श्रद्धालुओं ने भजन-कीर्तन किया और भोजन बनाकर प्रसाद ग्रहण किया। इसके बाद भोर में गंगा स्नान कर श्रद्धालु मां के दरबार पहुंचे। मंगला आरती के बाद दर्शन-पूजन का क्रम शुरू हुआ, जहां भक्तों ने हवन कुंड में विधि-विधान से पूजा कर 'फ़रहरा' अर्पित किया।

यूपी में तैयार हो रही महिला ई रिक्शा पायलटों की फौज

अयोध्या समेत 5 जिलों में हुई शुरुआत, लखनऊ और प्रयागराज समेत 8 जिलों में भी जल्द मिलेगी सुविधा

राज्य ब्यूरो, नईदुनिया, लखनऊ : उत्तर प्रदेश में महिला सुरक्षा और सशक्तीकरण को नई ऊंचाई देने की दिशा में योगी सरकार ने एक और बड़ा कदम उठाया है। 'सेफ मोबिलिटी प्रोग्राम' के तहत प्रदेश में महिला ई-रिक्शा पायलटों की फौज तैयार की जा रही है, जिससे बालिकाओं और महिलाओं को विद्यालय, कार्यस्थल और अन्य जरूरी स्थानों तक सुरक्षित, सुलभ और सम्मानजनक परिवहन मिल सकेगा।

इस योजना के तहत शुरुआत में स्वयं सहायता समूहों की महिलाओं को 1000 ई-रिक्शा उपलब्ध कराए जा रहे हैं। अयोध्या, गोरखपुर, वाराणसी, कौशांबी और झांसी में इस सुविधा की शुरुआत कर दी गई है, जबकि लखनऊ, प्रयागराज, मिर्जापुर, भदोही, सोनभद्र, देवरिया, लखीमपुर खीरी और सीतापुर में इसे जल्द शुरू किया जाएगा। योगी सरकार की यह पहल इसलिए भी खास है, क्योंकि इसका सीधा रिश्ता महिला सुरक्षा से जुड़ा है। ग्रामीण क्षेत्रों में महिलाओं और बालिकाओं के लिए अब महिला चालकों द्वारा संचालित ई-रिक्शा सेवा बेहतर समाधान बनकर उभर रही है।

योजना से जुड़ी महिलाएं तीन लाख रुपये से अधिक कमा रहीं

उत्तर प्रदेश राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन के तहत डेवलपमेंट अल्टरनेटिव्स के तकनीकी सहयोग से चल रहे इस कार्यक्रम ने अब तक प्रभावी परिणाम दिए हैं। पांच जनपदों में 119 महिलाओं को ई-रिक्शा देकर उद्यमी बनाया जा चुका है। वहीं, 629 महिलाओं को संचालन का प्रशिक्षण दिया गया है और 244 महिलाओं को ड्राइविंग लाइसेंस उपलब्ध कराया गया है। इस पहल से जुड़ी महिलाएं अब सिर्फ वाहन ही नहीं चला रहीं, बल्कि अपने परिवार की आर्थिक धुरी भी बन रहीं हैं। योजना से जुड़ी महिलाओं की औसत वार्षिक आय 3 लाख रुपये से अधिक पहुंचने की बात इस मॉडल की सफलता को और मजबूत बनाती है।

लखनऊ शहर की स्वच्छता और नागरिक सुविधाएं हमारी सर्वोच्च प्राथमिकता : सुरेश खन्ना

लखनऊ । उत्तर प्रदेश के वित्त एवं संसदीय कार्य मंत्री व जनपद लखनऊ के प्रभारी मंत्री सुरेश कुमार खन्ना एवं महापौर सुषमा खर्कवाल ने जोन-7 के चार वार्डों का औचक निरीक्षण किया। इस दौरान नगर आयुक्त गौरव कुमार, अपर नगर आयुक्त ललित कुमार, पंकज श्रीवास्तव, अरुण कुमार गुप्त, चीफ इंजीनियर महेश वर्मा, मनोज प्रभात, जोनल अधिकारी रामेश्वर प्रसाद सहित स्वच्छता प्रोत्साहन समिति के अध्यक्ष सुनील कुमार मिश्रा व नगर निगम के अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

भूतनाथ मार्केट में कार्रवाई और सख्ती : मंत्री ने सुबह 7 बजे सर्वप्रथम मैथिलीशरण गुप्त वार्ड स्थित भूतनाथ मार्केट का निरीक्षण किया। यहां भूतनाथ मेट्रो स्टेशन के नीचे बने सार्वजनिक शौचालय की स्थिति का जायजा लिया। उन्होंने शौचालय की केयरटेकर को फटकार लगाते हुए स्वच्छता बनाए रखने के निर्देश दिए । स्थानीय नागरिकों से डोर-टू-डोर कूड़ा कलेक्शन पर फीडबैक लिया, जिसमें अनियमितता की शिकायतें सामने आईं। इस पर अधिकारियों को प्रतिदिन नियमित कूड़ा उठान सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। भूतनाथ मार्केट के पीछे कॉलोनी में सफाई न मिलने पर एसएफआई संचिता मिश्रा को कड़ी फटकार लगाते हुए 02 दिन के वेतन कटौती के आदेश दिए गए। साथ ही मंत्री ने मदर स्वच्छकार इंटरप्राइजेज पर 50 हजार रुपये का जुर्माना लगाया तथा बीट इंचार्ज दयाराम को निलंबित कर दिया। इसके अलावा उन्होंने नगर आयुक्त को निर्देश दिया कि इंजीनियरिंग विभाग की गैंग टीम को सशक्त किया जाए, ताकि छोटे सड़क मरम्मत कार्य तुरंत कराए जा सकें।

इंदिरा नगर में गंदगी पर सख्त रुख : मंत्री खन्ना ने इंदिरा नगर वार्ड में मुख्य मार्गों, नालियों एवं सार्वजनिक शौचालयों की सफाई का निरीक्षण किया। अधिकारियों को उच्च गुणवत्ता के साथ नियमित सफाई सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। अरविंदो पार्क के पीछे गलियों में सड़क पर कूड़ा मिलने पर मंत्री एवं महापौर ने कड़ी नाराजगी जताई। लखनऊ स्वच्छता अभियान (एलएसए) पर एक लाख रुपये का जुर्माना लगाया गया, वहीं बीट इंचार्ज राम मनोज के तीन दिन एवं एसएफआई रूपेंद्र भास्कर के दो दिन के वेतन कटौती के निर्देश दिए।

हमीरपुर में तेज रफ्तार ट्रक ने बाइक सवार मां-बेटे को रौंदा, बेटे की मौत

हमीरपुर। उत्तर प्रदेश में हमीरपुर जिले के सदर कोतवाली क्षेत्र में यमुना और बेतवा पुल के मध्य रानी लक्ष्मीबाई तिराहे पर रविवार को तेज रफ्तार ट्रक ने बाइक सवार मां और बेटे को रौंद दिया। हादसे में बेटे की मौके पर मौत हो गई, जबकि मां घायल है। सूचना पाकर मौके पर पहुंची पुलिस ने शव पोस्टमार्टम के लिए भेजा। पुलिस ने हादसे के बाद भाग रहे ट्रक चालक को पीछा कर दबोच लिया।

कानपुर नगर के सजेती थाना क्षेत्र स्थित बगरिया गांव निवासी विपिन सिंह यादव (18) रविवार को अपनी मां अंजना को लेकर बाइक से अपने दादा से मिलने सिमनौड़ी सुमेरपुर जा रहा था। जैसे ही दोनों हमीरपुर नगर के रानी लक्ष्मीबाई तिराहा के पेट्रोलपंप के पास पहुंचे, तभी पीछे से आ रहे तेज रफ्तार ट्रक ने बाइक में टक्कर मार दी। हादसे में विपिन की मौके पर मौत और उसकी मां गंभीर रुप से घायल हो गई। हादसे के बाद ट्रक चालक मौके से भागने लगा तो पुलिस ने पीछा कर उसे दबोच लिया है। सदर कोतवाल पवन कुमार पटेल ने बताया कि शव कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया है। ट्रक चालक बहरी सवाई सिवली कानपुर देहात निवासी श्याम बाबू पुत्र सोनीलाल को गिरफ्तार कर विधिक कार्रवाई कराई जा रही है।

भाजपा के स्थापना दिवस का कार्यकर्ताओं में दिखा उत्साह, 28,087 बूथों पर विविध कार्यक्रम

काशी क्षेत्र के सभी मंडल, जिला, क्षेत्र और प्रदेश कार्यालय फूलों से सजेंगे, विचारधारा पर चर्चा की जाएगी

राज्य ब्यूरो, नईदुनिया, वाराणसी : भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) अपने 46वें स्थापना दिवस को यादगार बनाने की तैयारी में है। पार्टी के काशी क्षेत्र अध्यक्ष दिलीप पटेल ने रोहनियां स्थित क्षेत्रीय कार्यालय में रविवार को बैठक कर पदाधिकारियों से तैयारियों की पूरी जानकारी ली।

काशी क्षेत्र के अध्यक्ष ने बताया कि स्थापना दिवस पर सोमवार 6 अप्रैल को सभी पार्टी कार्यालयों पर पार्टी का ध्वज फहराया जाएगा तथा मिष्ठान वितरण किया जाएगा। 6 और 7 अप्रैल को प्रत्येक बूथ पर प्राथमिक सदस्यों, सक्रिय सदस्यों और गणमान्य नागरिकों के साथ स्थापना दिवस कार्यक्रम आयोजित होंगे।

इस अवसर पर संस्थापक नेताओं डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी और पंडित दीनदयाल उपाध्याय के चित्रों पर पुष्पांजलि अर्पित कर पार्टी की विचारधारा पर चर्चा की जाएगी। प्रत्येक कार्यकर्ता अपने-अपने घरों पर भी पार्टी का ध्वज फहराएंगे और ध्वज के साथ सेल्फी लेकर सोशल मीडिया पर पोस्ट करेंगे। उन्होंने बताया कि भारतीय जनता पार्टी की स्थापना 1 अप्रैल 1980 को हुई थी।

इस वर्ष शीर्ष संगठन की ओर से निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार 5, 6 और 7 अप्रैल को सभी मंडल, जिला, क्षेत्र और प्रदेश कार्यालयों को फूलों, लाइटिंग और रंगोली से आकर्षक ढंग से सजाया जाएगा। इसी तरह 7 से 12 अप्रैल तक ग्राम-बस्ती संपर्क अभियान, योजनाओं की उपलब्धियां कार्यकर्ता बताएंगे। क्षेत्रीय अध्यक्ष ने बताया कि 7 से 12 अप्रैल तक काशी क्षेत्र में ग्राम एवं बस्ती संपर्क अभियान चलाया जाएगा। इसके तहत प्रत्येक बड़ी विधानसभा में कम से कम 50 बड़े गांव या बस्तियों तथा छोटी विधानसभा में 30 बड़े गांव या बस्तियों का चयन किया जाएगा। इस अभियान में पार्षद से लेकर शीर्ष पदाधिकारियों और जनप्रतिनिधियों तक सभी की भागीदारी सुनिश्चित की जाएगी।

उन्होंने कहा कि इस दौरान स्वच्छता अभियान, वरिष्ठ कार्यकर्ताओं का सम्मान, समाज के विभिन्न वर्गों के प्रबुद्धजनों से संपर्क तथा केंद्र एवं राज्य सरकार की योजनाओं और उपलब्धियों की जानकारी आमजन तक पहुंचाई जाएगी। साथ ही विभिन्न सरकारी योजनाओं के लाभार्थियों से भी संपर्क स्थापित किया जाएगा। सभी कार्यक्रमों को सोशल मीडिया पर व्यापक रूप से साझा करने के निर्देश दिए गए हैं।

आपका राशिफल 06 अप्रैल

मेष [illegible]

वृष [illegible]

मिथुन [illegible]

कर्क [illegible]

सिंह [illegible]

कन्या [illegible]

तुला [illegible]

वृश्चिक [illegible]

धनु [illegible]

मकर [illegible]

कुंभ [illegible]

मीन [illegible]

विधायक ने गिनाईं विकास योजनाएं, विपक्ष को दी बहस की चुनौती

राज्य ब्यूरो, नईदुनिया, प्रयागराज : पं. दीनदयाल उपाध्याय प्रशिक्षण महाअभियान के अंतर्गत भारतीय जनता पार्टी यमुनापार जिले के चाका मंडल की दो दिवसीय प्रशिक्षण कार्यशाला रविवार को चक पूरे कलां सारंगापुर में सम्पन्न हुई। कार्यशाला में सात सत्रों के माध्यम से कार्यकर्ताओं को संगठनात्मक मजबूती, वैचारिक अधिष्ठान, कार्य पद्धति, बूथ प्रबंधन, सोशल मीडिया सहित विभिन्न विषयों पर विस्तार से प्रशिक्षण दिया गया। समापन सत्र में करछना विधायक पियूष रंजन निषाद ने कहा कि यह प्रशिक्षण महाअभियान कार्यकर्ताओं को नेतृत्व क्षमता और दक्षता प्रदान करने का प्रभावी माध्यम है। उन्होंने मोदी एवं योगी सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं को घर-घर पहुंचाने का आह्वान किया। विधायक ने करछना विधानसभा में हुए विकास कार्यों का उल्लेख करते हुए बताया कि क्षेत्र में 30 करोड़ की लागत से कम्पोजिट विद्यालय की स्वीकृति मुख्यमंत्री योगी द्वारा दी गई है, जिसमें इंटर तक निःशुल्क शिक्षा की व्यवस्था होगी।

योगी सरकार का मानवीय चेहरा

सभी मंडलों और जनपदों में जरूरतमंदों तक सीधे पहुंची आर्थिक मदद

राज्य ब्यूरो, नईदुनिया, लखनऊ : उप्र में मुख्यमंत्री विवेकाधीन कोष गरीबों, वंचितों और जरूरतमंदों के लिए एक बड़े सहारे के रूप में स्थापित हुआ है। इस कोष के माध्यम से वित्तीय वर्ष 2025-26 (अप्रैल 2025 से मार्च 2026 तक) में लगभग 860 करोड़ रुपये की धनराशि स्वीकृत की गई है, जो विभिन्न दलों के जनप्रतिनिधियों के जरिए 50 हजार से अधिक लाभार्थियों तक पहुंची है।

यह आंकड़ा न केवल सहायता के व्यापक दायरे को दर्शाता है, बल्कि सरकार के मानवीय पक्ष और उसकी प्राथमिकताओं को भी स्पष्ट करता है। हर वर्ग तक पहुंच, बिना किसी भेदभाव के इस पूरी प्रक्रिया की सबसे बड़ी खासियत यह रही कि सहायता वितरण में किसी प्रकार का भेदभाव नहीं किया गया। चाहे सत्तापक्ष के जनप्रतिनिधि हों या विपक्ष के, शहरी क्षेत्र हो या ग्रामीण, आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग हो या आकस्मिक संकट से जूझ रहा परिवार, हर जरूरतमंद तक समान संवेदनशीलता के साथ मदद पहुंचाई गई। यह स्पष्ट संकेत है कि सरकार का उद्देश्य केवल योजनाओं का संचालन नहीं, बल्कि मानवीय दृष्टिकोण के साथ अंतिम व्यक्ति तक राहत पहुंचाना है। विवेकाधीन कोष के अंतर्गत 50 हजार रूपये जैसी छोटी सहायता से लेकर कई मामलों में 3 करोड़ रुपये से अधिक की बड़ी स्वीकृतियां प्रदान की गईं हैं।

यह दिखाता है कि सरकार ने हर स्तर की जरूरत को प्राथमिकता दी है, चाहे वह व्यक्तिगत चिकित्सा सहायता हो, आकस्मिक दुर्घटना हो या अन्य आपात स्थिति। विगत वित्तीय वर्ष में अयोध्या, अमेठी, बाराबंकी, आजमगढ़, बलिया और फिरोजाबाद जैसे जनपदों कुछ बड़े केस के कारण सर्वाधिक धनराशि स्वीकृत की गई। वहीं पार्टी की बात करें तो सत्तारूढ़ भाजपा का साथ साथ समाजवादी पार्टी, कांग्रेस और अन्य दलों के जनप्रतिनिधियों ने भी समान रूप से इस योजना के तहत जरूरतमंदों की मदद करने में सरकार का सहयोग किया।

विवेकाधीन कोष के जरिए सरकार ने यह साबित किया है कि संवेदनशीलता और त्वरित निर्णय क्षमता के साथ जरूरतमंदों तक सीधे राहत पहुंचाई जा सकती है। गरीब, वंचित और जरूरतमंद वर्ग के लिए यह कोष आज एक प्रभावी तत्काल राहत तंत्र के रूप में स्थापित हो चुका है, जिसने हजारों परिवारों को कठिन परिस्थितियों में सहारा दिया है।

चाहे गंभीर बीमारी हो, आकस्मिक संकट हो या आर्थिक विपदा, इस व्यवस्था ने समय पर मदद पहुंचाकर न सिर्फ आर्थिक बोझ कम किया, बल्कि लोगों में सरकार के प्रति भरोसा भी मजबूत किया है।

जनप्रतिनिधियों के माध्यम से मजबूत कनेक्ट

सहायता वितरण पूरी तरह निष्पक्ष और संवेदनशील तरीके से किया गया। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने यह सुनिश्चित किया कि किसी भी स्तर पर राजनीतिक भेदभाव की गुंजाइश न रहे। सभी दलों के जनप्रतिनिधियों, चाहे वे सत्तापक्ष से हों या विपक्ष से, उनके अनुरोधों पर समान गंभीरता और तत्परता से कार्रवाई की गई। विभिन्न दलों के जनप्रतिनिधियों की सक्रिय भागीदारी भी इस बात का मजबूत प्रमाण है कि सरकार ने स्थानीय स्तर पर जनप्रतिनिधियों को न केवल महत्व दिया, बल्कि उन्हें विश्वास और जिम्मेदारी के साथ जोड़ा।

अखंड पाठ से शुरू हुआ गुरु तेग बहादुर का प्रकाशोत्सव

राज्य ब्यूरो, नईदुनिया, मीरजापुर : उत्तर प्रदेश में मीरजापुर जिले के अहरौरा नगर पालिका क्षेत्र के पट्टी खुर्द स्थित गुरुद्वारा में रविवार को नौवें सिख गुरु गुरु तेग बहादुर का 78वां प्रकाशोत्सव श्रद्धा और उल्लास के साथ प्रारंभ हुआ। कार्यक्रम की शुरुआत प्रातःकाल अखंड पाठ साहिब के साथ की गई। सुबह लगभग पांच बजे गुरुद्वारा से प्रभात फेरी निकालकर नगर कीर्तन किया गया। यह यात्रा चौक बाजार, गंज और खड़ंजा समेत विभिन्न मार्गों से होते हुए पुनः गुरुद्वारा पहुंची। नगर कीर्तन के दौरान श्रद्धालुओं ने गुरुवाणी का पाठ करते हुए पूरे क्षेत्र को भक्तिमय बना दिया। इसके पश्चात गुरुद्वारा परिसर में जसवंत सिंह, अनमोल सिंह, तरन सिंह, जसवीर सिंह और महा सिंह द्वारा अखंड पाठ साहिब का शुभारंभ किया गया। श्रद्धालु पूरे श्रद्धा भाव से कार्यक्रम में शामिल होकर सेवा में जुटे रहे। शाम को रहिरास साहिब का पाठ, आरती एवं शब्द कीर्तन का आयोजन किया जाएगा। साथ ही बच्चों द्वारा सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किए जाएंगे ।

तीसरे दिन भी चला एनएचएआई का बुलडोजर, अवैध कब्जों पर कार्रवाई

राज्य ब्यूरो, नईदुनिया, उरई : कालपी कोतवाली क्षेत्र में रविवार को मुन्नाफुल पावर के पास राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण (एनएचएआई) द्वारा बुलडोजर से अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई लगातार तीसरे दिन भी जारी रही। बीते दिन भी प्रशासनिक टीम ने पुलिस बल की मौजूदगी में सड़क किनारे बने अवैध निर्माणों पर बुलडोजर चलाकर उन्हें हटाया। इस कार्रवाई से इलाके में अफरा-तफरी का माहौल रहा और आसपास के व्यापारियों व स्थानीय लोगों में हलचल देखी गई।

जानकारी के अनुसार, हाईवे की भूमि पर लम्बे समय से कई दुकानदारों और स्थानीय लोगों द्वारा अवैध कब्जा कर लिया गया था। इससे सड़क की चौड़ाई कम हो रही थी और यातायात व्यवस्था प्रभावित हो रही थी। कई स्थानों पर वाहन चालकों को जाम और दुर्घटना की आशंका का सामना करना पड़ रहा था। इसको देखते हुए ह्ररुद्ध ने अतिक्रमण हटाने का अभियान शुरू किया, जो लगातार तीसरे दिन भी जारी रहा। ह्ररुद्ध की टीम प्रशासनिक अधिकारियों और भारी पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंची। इसके बाद बुलडोजर की मदद से सड़क किनारे बने अस्थायी ढांचों, टीनशेड, दुकानों और अन्य अवैध निर्माणों को हटाया गया। कार्रवाई के दौरान कुछ लोगों ने विरोध जताने की कोशिश भी की, लेकिन पुलिस की सख्ती के चलते स्थिति नियंत्रण में रही। एसडीएम मनोज सिंह का कहना है कि कार्रवाई से पहले सम्बंधित लोगों को नोटिस जारी किए गए थे और स्वयं अतिक्रमण हटाने के लिए समय भी दिया गया था। निर्धारित समय सीमा पूरी होने के बाद भी कब्जा नहीं हटाया गया, जिसके चलते बुलडोजर चलाकर अवैध निर्माणों को हटाया गया। हाईवे की जमीन पर किसी भी प्रकार का अतिक्रमण बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।

डबल इंजन की सरकार में विकास की ओर अग्रसर है उद्योग और व्यापार : नन्दी

प्रयागराज। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने देश को विकास के रास्ते पर आगे बढ़ाया है। डबल इंजन की सरकार में उद्योग और व्यापार विकास की ओर अग्रसर है। यह बातें रविवार को चक मुंडेरा बमरौली स्थित होटल जसवंत विलास में एलीट ग्लोबल इण्टरप्राइजेज द्वारा आयोजित डीलर मिलन समारोह को संबोधित करते हुए उप्र सरकार के कैबिनेट मंत्री नन्द गोपाल गुप्ता नंदी ने कही। उन्होंने कहा कि आज जहां दुनिया में विकास का मंजर है,वहीं अभी हाल ही में जेवर में एशिया के सबसे बड़े एयरपोर्ट का उद्घाटन हुआ है। बुन्देलखण्ड एक्सप्रेसवे के बाद अब गंगा एक्सप्रेसवे बनकर तैयार है। पिछली सरकारों में जहां गुंडे माफिया हावी थे,वहीं डबल इंजन की सरकार में कानून व्यवस्था का राज है। इस मौके पर मंत्री नन्दी ने उत्कृष्ट कार्य करने वाले डीलर्स को सम्मानित कर उनका उत्साहवर्धन किया और व्यापारिक जगत की नवीन संभावनाओं पर चर्चा की।

राम भक्तों पर गोली चलवाने वालों को जनता कभी माफ नहीं करेगी : मौर्य

राज्य ब्यूरो, नईदुनिया, गाजियाबादः सपा सरकार में सबसे ज्यादा उत्पीड़न पिछड़े और दलितों का ही हुआ है। महर्षि कश्यप जयंती पर गाजियाबाद के रामलीला मैदान में पहुंचे यूपी के उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने रविवार को सपा और अखिलेश यादव पर जमकर हमला बोला।

उन्होंने कहा कि सपा सरकार में पश्चिमी उत्तर प्रदेश में दंगे होते थे। अब प्रदेश को दंगा मुक्त किया गया है। उन्होंने कहा कि 2024 के लोकसभा चुनाव में कुछ दुष्प्रचार से प्रभावित होकर सपा और कांग्रेस को ज्यादा वोट मिले तो उन्होंने आपत्तिजनक भाषा का प्रयोग करना शुरू किया।

समाजवादी पार्टी नौटंकी करती रहती है, हाल ही में अखिलेश यादव ने सोशल मीडिया पर अयोध्या में स्थापित रामलला की मूर्ति जैसी मूर्ति की फोटो शेयर की, जिसे सैफई में लगाने की बात कही गई। लेकिन मैं अखिलेश यादव को कहना चाहता हूं कि सैफई में रामलला की मूर्ति लगाने से अयोध्या में रामभक्तों पर गोली चलाने वालों को माफी नहीं मिलेगी। रामभक्त कभी भी उनको माफ नहीं करेंगे। उन्होंने कहा कि लोकसभा चुनाव के बाद विधानसभा चुनाव हुए चार राज्यों में एनडीए की सरकार बनी है। अभी जिन राज्यों में चुनाव हो रहे हैं, वहां पर भी भाजपा की सरकार बनने जा रही है। 2027 में उप में विधानसभा चुनाव होंगे, उसमें मेरी जनता से अपील है और विश्वास है कि जो 2017 में हुआ है वह 2027 में होगा और प्रदेश में भाजपा की सरकार बनेगी। अखिलेश यादव को प्रदेश के मतदाता सैफई पहुंचाने का कार्य करेंगे। इस दौरान उपमुख्यमंत्री ने राहुल गांधी, अरविंद केजरीवाल पर भी जमकर निशाना साधा।

नईदुनिया

पश्चिमी विक्षोभ के असर से मौसम बदला

पहाड़ी क्षेत्रों में बर्फबारी और मैदानी इलाकों में बारिश

नईदुनिया ब्यूरो, नई दिल्ली: देश के उत्तरी और मध्य हिस्सों में मौसम का मिजाज लगातार बदल रहा है। अप्रैल के पहले सप्ताह में सामान्यत: तापमान 40 डिग्री सेल्सियस के आसपास पहुंच जाता है, लेकिन इस बार तापमान 35 डिग्री के आसपास बना हुआ है। इसका मुख्य कारण लगातार सक्रिय हो रहे पश्चिमी विक्षोभ हैं, जिनके चलते कई राज्यों में बारिश, आंधी और ओलावृष्टि हो रही है।

मौसम विशेषज्ञों के अनुसार मार्च और अप्रैल में सामान्यत: इतने अधिक पश्चिमी विक्षोभ सक्रिय नहीं होते, लेकिन इस बार इनकी संख्या अधिक रही है। अकेले मार्च महीने में आठ पश्चिमी विक्षोभ सक्रिय रहे, जबकि सामान्य स्थिति में यह संख्या पांच या छह रहती है। तेरह मार्च से अब तक छह विक्षोभ आ चुके हैं और छह अप्रैल को एक नया तंत्र बनने की संभावना है, जिसका असर अभी से दिखाई देने लगा है। झारखंड में ओले और बारिश का ऑरेंज अलर्ट जारी किया गया है, जबकि असम, मेघालय, अरुणाचल प्रदेश, केरल और तमिलनाडु में भारी बारिश की संभावना जताई गई है। मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़, पूर्वी उत्तर प्रदेश, हिमाचल प्रदेश, उत्तराखंड, बिहार, ओडिशा, पश्चिम बंगाल, आंध्र प्रदेश, तेलंगाना, कर्नाटक, नगालैंड, मणिपुर, मिजोरम और त्रिपुरा में यलो अलर्ट जारी है।

उत्तराखंड के उत्तरकाशी, पौड़ी, बागेश्वर और रुद्रप्रयाग जिलों में दोपहर बाद बारिश हो रही है। केदारघाटी सहित ऊंचाई वाले क्षेत्रों में बर्फबारी की संभावना बनी हुई है। वहीं नैनीताल, अल्मोड़ा, चमोली, देहरादून और पिथौरागढ़ में घने बादल छाए हुए हैं।

राजस्थान में कई जिलों में तेज आंधी और बारिश के साथ ओले गिरने की चेतावनी दी गई है। उदयपुर में भारी वर्षा दर्ज की गई, जिससे किसानों को नुकसान हुआ। मध्य प्रदेश में बैतूल, श्योपुर और मुरैना सहित कई जिलों में ओलावृष्टि हुई, जिससे मौसम ठंडा हो गया। उत्तर प्रदेश में आंधी-बारिश के कारण कई स्थानों पर पेड़ और बिजली के खंभे गिर गए। पिछले 48 घंटों में 12 लोगों की मौत की सूचना है। कई जिलों में आज भी बारिश और ओलों का अलर्ट जारी है। वैज्ञानिकों के अनुसार अरब सागर और बंगाल की खाड़ी से आ रही नमी तथा चक्रवाती तंत्र के कारण यह स्थिति बनी है। दिन में तापमान बढ़ने से दोपहर बाद आंधी और बारिश का दौर शुरू हो जाता है। विशेषज्ञों का कहना है कि 15 अप्रैल के बाद मौसम धीरे-धीरे स्थिर होगा और गर्मी का असर बढ़ेगा। हालांकि, इस बार अप्रैल में लू के दौर अपेक्षाकृत कम और छोटे रहने की संभावना जताई गई है।

किडनी कांड में मास्टरमाइंड की ऑडियो से बड़े खुलासे

करोड़ों रुपए के लेनदेन का दावा

- कन्नौज का डॉक्टर हिरासत में, अन्य आरोपी फरार
- एजेंट से बातचीत की रिकॉर्डिंग पुलिस के हाथ लगी

नईदुनिया ब्यूरो, कानपुर : कानपुर के चर्चित किडनी कांड में पुलिस को मास्टरमाइंड शिवम अग्रवाल के मोबाइल से एक अहम कॉल रिकॉर्डिंग मिली है, जिससे गिरोह की गतिविधियों का खुलासा हुआ है। पुलिस के अनुसार, यह रिकॉर्डिंग उसने प्रयागराज निवासी नवीन पांडेय को भेजी थी। ऑडियो में नवीन एक दलाल साहिल का जिक्र करते हुए बताता है कि उसने शिवम का नाम लेकर 22 लाख रुपये ले लिए हैं। इस पर शिवम जवाब देता है कि उसे नहीं पता कि वे कौन हैं और वे करोड़ों रुपये ऐसे ही खर्च कर देते हैं।

पुलिस टीम नवीन पांडेय के घर पहुंची, लेकिन वह नहीं मिला। पूछताछ के लिए शिवम की पत्नी को बुलाया गया, जिसने बताया कि नवीन कई वर्षों से गाजियाबाद के एक डॉक्टर के साथ काम कर रहा था, जबकि शिवम हाल ही में उससे जुड़ा था।

ऑडियो में एक महिला मरीज का भी जिक्र है, जिसे इलाज के लिए दिल्ली ले जाया गया था। रास्ते में उचित चिकित्सा व्यवस्था न होने के कारण उसकी हालत बिगड़ी और बाद में अस्पताल में उसकी मृत्यु हो गई। पुलिस के अनुसार, महिला का किडनी प्रत्यारोपण पिछले वर्ष दिसंबर में एक निजी अस्पताल में किया गया था, जिसके बाद उसकी तबीयत बिगड़ गई थी। इस मामले में पुलिस ने कन्नौज निवासी एक डॉक्टर को हिरासत में लेकर पूछताछ शुरू कर दी है। वहीं, अन्य दो आरोपी डॉक्टर फरार बताए जा रहे हैं, जिनकी तलाश जारी है। पुलिस ने बताया कि अब तक इस मामले में नौ लोगों को गिरफ्तार किया जा चुका है और अन्य आरोपियों की भूमिका की जांच की जा रही है।

नेपाल सरकार ने सप्ताह में दो दिन अवकाश लागू किया | **सरकारी दफ्तरों के समय में किया गया बदलाव** | **पेट्रोलियम पदार्थों की कमी से आम जनजीवन पर संकट का असर**

पेट्रोल संकट से नेपाल में बदला कामकाज का ढांचा, सरकार ने नागरिकों से मांगा सहयोग

काठमांडू, एजेंसी: नेपाल में पेट्रोलियम पदार्थों की कमी के कारण जनजीवन प्रभावित होने लगा है। स्थिति को नियंत्रित करने के लिए सरकार ने सप्ताह में दो दिन अवकाश लागू करने का निर्णय लिया है। इसके साथ ही सरकारी दफ्तरों के समय में भी बदलाव किया गया है, ताकि ईंधन की खपत को कम किया जा सके।

सरकार का कहना है कि ईंधन आपूर्ति में कमी के चलते यह कदम उठाना आवश्यक हो गया है। नए निर्णय के तहत अब सरकारी कार्यालय सीमित दिनों तक ही संचालित होंगे और कार्य समय को भी समायोजित किया गया है। इसका उद्देश्य परिवहन और ऊर्जा उपयोग को नियंत्रित करना है।

ईंधन संकट के कारण सार्वजनिक परिवहन, निजी वाहन संचालन और आवश्यक सेवाओं पर भी असर पड़ा है। कई स्थानों पर पेट्रोल और डीजल की उपलब्धता सीमित हो गई है, जिससे लोगों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। बाजारों और दैनिक कार्यों में भी इसका प्रभाव दिखाई दे रहा है।

सरकार ने नागरिकों से सहयोग की अपील करते हुए कहा है कि वे अनावश्यक यात्रा से बचें और ईंधन का संयमित उपयोग करें। अधिकारियों का कहना है कि यह अस्थायी व्यवस्था है और स्थिति सामान्य होने पर इसे वापस लिया जा सकता है।

विशेषज्ञों का मानना है कि ईंधन आपूर्ति में बाधा के कारण यह संकट उत्पन्न हुआ है। सरकार इस समस्या के समाधान के लिए वैकल्पिक उपायों पर भी विचार कर रही है, ताकि भविष्य में ऐसी स्थिति से बचा जा सके।

इस निर्णय के बाद नेपाल में कार्य व्यवस्था में बड़ा बदलाव देखा जा रहा है और प्रशासनिक स्तर पर नई व्यवस्थाओं के अनुसार कामकाज जारी है।

चुनावी रेवड़ियों से राज्यों का बजट तनाव

लाड़ली बहना और मुफ्त योजनाओं ने बढ़ाया कर्ज

नईदुनिया ब्यूरो, नई दिल्ली: चुनाव में फ्री राशन और महिलाओं को नकदी जैसी योजनाएं राज्यों के लिए भारी बोझ बनती जा रही हैं। इन्हें पूरा करने के लिए राज्य न पर्याप्त संसाधन जुटा पा रहे हैं और न ही संतुलित बजट बना पा रहे हैं। कुछ राज्यों में ये घोषणाएं कुल राजस्व का 30 से 40 प्रतिशत तक खर्च कर रही हैं। हिमाचल जैसे छोटे राज्यों में नकदी संकट विकट स्थिति में है, यहां वेतन और पेंशन भी टालने पड़े।

मध्य प्रदेश में लाड़ली बहना योजना के चलते कर्ज जीएसडीपी के मुकाबले 27% से बढ़कर 32% पहुंच गया। तेलंगाना को चुनावी घोषणाओं के लिए हर साल एक लाख करोड़ रुपये की आवश्यकता है, लेकिन बजट की कमी के कारण कई योजनाएं अटकी हुई हैं। महाराष्ट्र में लाडकी बहिन योजना के दबाव के कारण त्योहारों में मिलने वाली राशन किट योजना बंद करनी पड़ी। विशेषज्ञों का कहना है कि यदि कैश ट्रांसफर जैसी चुनावी वादों का सिलसिला जारी रहा, तो देश की अर्थव्यवस्था बेहतर रहने के बावजूद राज्य डिफॉल्ट तक जा सकते हैं। हिमाचल जैसे अन्य राज्य भी खर्च में कटौती कर रहे हैं। राज्यों की स्थिति पर नजर डालें तो मध्य प्रदेश में लाड़ली बहना, मुफ्त सिलेंडर और बिजली सब्सिडी पर सालाना लगभग 50 हजार करोड़ खर्च हो रहे हैं। तेलंगाना में नौ चुनावी वादों में छह लागू हैं, जिन पर 50,713 करोड़ सालाना खर्च हो रहा है। पंजाब में राजस्व प्राप्ति लगभग 1.26 लाख करोड़ जबकि योजनाओं पर 2.6 लाख करोड़ खर्च का बोझ है। राजस्थान ने सड़क और पानी पर खर्च का बजट 28% तक घटा दिया और मुफ्त सेनेटरी पैड योजना बंद कर दी।

असम सीएम की पत्नी पर कांग्रेस के गंभीर आरोप

पासपोर्ट और संपत्ति को लेकर सियासी विवाद...

नईदुनिया ब्यूरो, गुवाहाटी: कांग्रेस ने असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा की पत्नी रिंकी भुइयां सरमा पर दोहरी नागरिकता और विदेशी संपत्ति को लेकर गंभीर आरोप लगाए हैं। पार्टी नेता पवन खेड़ा ने प्रेस वार्ता में दावा किया कि उनके पास मिस्र, एंटीगुआ-बरबूडा और संयुक्त अरब अमीरात के पासपोर्ट हैं। उन्होंने तीन पासपोर्ट और संबंधित दस्तावेज भी प्रस्तुत किए। कांग्रेस ने यह भी आरोप लगाया कि रिंकी भुइयां सरमा एक अमेरिकी कंपनी की मालिक हैं, जिसका मूल्य लगभग 52 हजार करोड़ रुपये बताया गया। साथ ही दुबई में दो संपत्तियों का भी दावा किया गया। खेड़ा ने कहा कि इन तथ्यों की पूरी जानकारी उपलब्ध है और इस पर जवाब दिया जाना चाहिए। मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा ने इन आरोपों को खारिज करते हुए कहा कि यह कांग्रेस की हताशा और घबराहट का परिणाम है। उन्होंने कहा कि प्रस्तुत किए गए दस्तावेजों में नाम, फोटो और पासपोर्ट विवरण में गंभीर त्रुटियां हैं, जिससे यह स्पष्ट होता है कि दस्तावेज फर्जी और छेड़छाड़ किए गए हैं। सरमा ने कहा कि इन आरोपों के खिलाफ पवन खेड़ा पर 48 घंटे के भीतर मानहानि का मामला दर्ज किया जाएगा। उन्होंने यह भी कहा कि झूठ फैलाने वालों के खिलाफ कानूनी कार्रवाई होगी और सच्चाई सामने आएगी। इस मुद्दे को लेकर राजनीतिक माहौल गरमा गया है और दोनों पक्षों के बीच आरोप-प्रत्यारोप का दौर जारी है।

केजरीवाल खुद लड़ेंगे हाई कोर्ट में अपना केस

नईदुनिया ब्यूरो, नई दिल्ली: दिल्ली हाई कोर्ट में शराब नीति प्रकरण से जुड़े मामले में सोमवार को महत्वपूर्ण सुनवाई होगी, जिसमें अरविंद केजरीवाल स्वयं अदालत में पेश होकर अपना पक्ष रखेंगे। उन्होंने और अन्य आरोपियों ने न्यायाधीश स्वर्ण कांता शर्मा के समक्ष रिक्यूजल अर्जी दाखिल की है, जिस पर सुनवाई निर्धारित है।

इससे पहले केंद्रीय जांच ब्यूरो और प्रवर्तन निदेशालय की विशेष अदालत ने साक्ष्यों की कमी के आधार पर केजरीवाल, मनीष सिसोदिया और अन्य आरोपियों को राहत प्रदान की थी। इस निर्णय को केंद्रीय जांच एजेंसी ने हाई कोर्ट में चुनौती दी है।

अब हाई कोर्ट में इस मामले को लेकर नई कानूनी प्रक्रिया शुरू हो गई है। रिक्यूजल अर्जी के माध्यम से न्यायाधीश से मामले की सुनवाई से अलग होने का अनुरोध किया गया है।

सोमवार को होने वाली सुनवाई में केजरीवाल स्वयं उपस्थित रहकर दलीलें पेश करेंगे। इस मामले को लेकर राजनीतिक और कानूनी हलकों में भी चर्चा बनी हुई है और आगे की कार्रवाई पर सभी की नजरें टिकी हुई हैं।

बिजली गिरने से गाँव में भीषण आग, माँ और बेटी की मौत

कई घर राख, प्रशासन ने राहत कार्य शुरू किया

नईदुनिया ब्यूरो, सीतापुर: सीतापुर जिले के सदरपुर थाना क्षेत्र के सरैंया चलाकापुर गांव में आकाशीय बिजली गिरने से भीषण आग लग गई। इस हादसे में मां और बेटी की दर्दनाक मौत हो गई, जबकि कई घर जलकर राख हो गए। घटना के बाद पूरे गांव में अफरा-तफरी का माहौल बन गया। बताया गया कि बिजली गिरते ही एक घर में आग भड़क उठी, जो तेजी से फैलकर आसपास के घरों तक पहुंच गई। आग की लपटें इतनी तेज थीं कि ग्रामीणों को संभलने का मौका नहीं मिला और कई परिवारों का सामान जलकर खाक हो गया। घटना की सूचना मिलते ही प्रशासन और दमकल की टीम मौके पर पहुंची और कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया गया। इस दौरान कई लोगों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाया गया। हादसे में जिन दो लोगों की मृत्यु हुई, वे मां और बेटी बताई जा रही हैं। अन्य प्रभावित परिवारों को राहत पहुंचाने का कार्य जारी है। प्रशासन ने नुकसान का आकलन शुरू कर दिया है और पीड़ितों को सहायता देने की प्रक्रिया अपनाई जा रही है। घटना के बाद गांव में शोक का माहौल है और लोग भयभीत हैं।

दर्द | *पीड़ित परिवार बोले- मुआवजा नहीं, कारण जानना जरूरी...*

अहमदाबाद विमान हादसे पर परिजनों ने मांगी सच्चाई

नईदुनिया ब्यूरो, नई दिल्ली/अहमदाबाद: अहमदाबाद में हुए विमान हादसे के लगभग दस महीने बाद पीड़ित परिवारों ने प्रधानमंत्री को पत्र लिखकर हादसे की सच्चाई सामने लाने की मांग की है। करीब 30 परिवारों ने ब्लैक बॉक्स और कॉकपिट वॉयस रिकॉर्डर के आंकड़े सार्वजनिक करने या कम से कम निजी तौर पर उपलब्ध कराने की अपील की है। परिजनों का कहना है कि उन्हें मुआवजा नहीं, बल्कि यह जानना है कि दुर्घटना किन कारणों से हुई और क्या इसमें कोई तकनीकी खराबी थी। 12 जून 2025 को अहमदाबाद से लंदन जा रहा बोइंग 787-8 विमान उड़ान भरने के तुरंत बाद एक मेडिकल कॉलेज छात्रावास पर गिर गया था। इस दुर्घटना में 241 यात्रियों और 19 अन्य लोगों सहित कुल 260 लोगों की मृत्यु हुई थी, जिनमें 60 विदेशी नागरिक भी शामिल थे। परिवारों ने

पत्र में एअर इंडिया की ओर से सहायता में कमी का आरोप लगाया है। उन्होंने बताया कि मृतकों के सामान की पहचान के लिए बनाई गई वेबसाइट पर चित्र स्पष्ट नहीं हैं, जिससे सामान की पहचान करना कठिन हो रहा है। कई परिवारों को डिजिटल माध्यमों की जानकारी न होने के कारण भी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। कुछ परिजनों ने यह भी कहा कि केवल एक ईमेल आईडी के माध्यम से संपर्क करना पड़ता है, जिसका उत्तर आने में कई दिन लग जाते हैं। उन्होंने निजी सामान को सार्वजनिक रूप से प्रदर्शित करने को असंवेदनशील बताया है। हादसे में अपने परिजनों को खो चुके लोगों ने कहा कि किसी भी प्रकार का मुआवजा उनकी क्षति की भरपाई नहीं कर सकता। पीड़ित परिवारों ने अपने पत्र की प्रति विमान दुर्घटना जांच ब्यूरो, नागरिक उड्डयन महानिदेशालय और गुजरात के मुख्यमंत्री को भी भेजी है।

इस बीच, विमान दुर्घटना जांच ब्यूरो ने बताया कि प्रारंभिक जांच रिपोर्ट पहले ही सौंपी जा चुकी है और अंतिम रिपोर्ट इस वर्ष जून में आने की संभावना है।

पूर्व में कुछ विदेशी मीडिया रिपोर्टों में पायलट को दुर्घटना के लिए जिम्मेदार ठहराने की बात कही गई थी, जिसे जांच एजेंसी ने खारिज करते हुए स्पष्ट किया कि जांच अभी जारी है और किसी निष्कर्ष पर नहीं पहुंचा गया है। अधिकारियों ने अपील की है कि जांच पूरी होने से पहले किसी भी प्रकार की अटकलों से बचा जाए।

राजस्थान की जीत के हीरो रहे बिश्नोई बोले गेंदबाजी में सुधार के लिए की कड़ी मेहनत

अहमदाबाद

राजस्थान रायल्स ने शनिवार रात खेले गए इंडियन प्रीमियर लीग 2026 के अपने दूसरे मुकाबले में गुजरात टाइटंस को 6 रन से हराकर शानदार जीत दर्ज की। इस मुकाबले के हीरो लेग स्पिनर रवि बिश्नोई रहे, जिन्होंने चार महत्वपूर्ण विकेट लेकर प्लेयर आफ द मैच का पुरस्कार जीता।

इम्पैक्ट प्लेयर के रूप में उतरे बिश्नोई ने 4 ओवर में 41 रन देकर 4 विकेट झटके। उन्होंने साई सुदर्शन, ग्लेन फिलिप्स, वाशिंगटन सुंदर और राहुल तेवतिया को आउट कर मैच का रुख पलट दिया। मैच के बाद बिश्नोई ने कहा कि पिछला सीजन उनके लिए चुनौतीपूर्ण रहा, लेकिन उन्होंने अपनी लेंथ और प्रदर्शन पर लगातार मेहनत की। उन्होंने बताया कि मानसिक, तकनीकी और शारीरिक—तीनों स्तर पर सुधार के लिए कड़ी मेहनत करनी पड़ी। अपने पसंदीदा विकेट के रूप में उन्होंने राहुल तेवतिया का नाम लिया। बिश्नोई के अनुसार, वह ऐसे मौकों के खिलाड़ी हैं। अगर वह उस समय आउट नहीं होते, तो मैच किसी भी तरफ जा सकता था। बिश्नोई ने आखिरी ओवरों में गेंदबाजों के सामूहिक प्रदर्शन की भी सराहना की। उन्होंने कहा, तुषार देशपांडे ने जिस तरह गेंदबाजी की और जोफ्रा आर्चर ने जैसे 19वां ओवर डाला, वह शानदार था। यह पूरी टीम का प्रयास था। हमारी टीम युवा है और हम आगे भी ऐसे ही अच्छा प्रदर्शन करते रहना चाहते हैं। अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियम में खेले गए इस मैच में राजस्थान रायल्स ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 20 ओवर में 6 विकेट पर 210 रन बनाए। यशस्वी जायसवाल (55) और ध्रुव जुरेल (75) ने शानदार अर्धशतक लगाए, जबकि वैभव रघुवंशी ने 31 रनों की तेज पारी खेली। लक्ष्य का पीछा करते हुए गुजरात टाइटंस की शुरुआत अच्छी रही। साई सुदर्शन ने 73 रन बनाए, लेकिन मध्यक्रम लड़खड़ा गया। अंत में राशिद खान (24) और कगिसो रबाडा (नाबाद 23) ने तेज रन बनाकर मैच को रोमांचक बना दिया। आखिरी ओवर में गुजरात को जीत के लिए 11 रन चाहिए थे, लेकिन टीम केवल 4 रन ही बना सकी और 20 ओवर में 8 विकेट पर 204 रन तक ही पहुंच पाई। इस तरह राजस्थान रायल्स ने 6 रन से रोमांचक जीत अपने नाम की। राजस्थान का अगला मैच सात अप्रैल को मुंबई इंडियंस से होगा।

न्यूज ब्रीफ

छोटा नेहरू स्टेडियम का नाम बदला, छत्रपति शिवाजी महाराज खेल परिसर रखा गया

इंदौर। इंदौर के प्रसिद्ध खेल परिसर, जिसे पूर्व में छोटा नेहरू स्टेडियम के नाम से जाना जाता था, उसका आधिकारिक नामकरण अब छत्रपति शिवाजी महाराज खेल परिसर कर दिया गया है। इस अवसर पर एक भव्य कार्यक्रम का आयोजन किया गया, जिसने शहर के सांस्कृतिक और खेल जगत के वातावरण को राष्ट्रभक्ति के रंग में सराबोर कर दिया। आयोजन के दौरान उपस्थित जनसमूह का उत्साह देखते ही बनता था। सांस्कृतिक प्रस्तुतियों ने जगाया शौर्य का भाव इस विशेष समारोह का मुख्य आकर्षण प्रसिद्ध लोक कलाकार और युवा शाहीर विक्रांत सिंह राजपूत रहे। उन्होंने समाज प्रबोधनकार की अपनी विशेष शैली में छत्रपति शिवाजी महाराज के जीवन प्रसंगों का सजीव वर्णन किया। विक्रांत सिंह राजपूत ने अपनी ओजस्वी वाणी के माध्यम से महाराज की युद्ध रणनीति, अदम्य साहस और राष्ट्र निर्माण के संकल्प को जनता के समक्ष रखा। उनके गायन और प्रस्तुतीकरण के दौरान पूरा स्टेडियम जय भवानी, जय शिवाजी के उद्घोष से गुंजायमान रहा, जिससे उपस्थित युवाओं में जबरदस्त ऊर्जा का संचार हुआ। वैचारिक क्रांति के प्रतीक हैं शिवाजी महाराज : स्वाती काशिद कार्यक्रम की आयोजक और भाजपा नगर मंत्री एडवोकेट स्वाती काशिद ने समारोह को संबोधित करते हुए इस नामकरण के महत्व पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि खेल परिसर का नाम छत्रपति शिवाजी महाराज के नाम पर रखना केवल एक नाम परिवर्तन नहीं है, बल्कि यह आने वाली पीढ़ियों को अपनी जड़ों और गौरवशाली इतिहास से जोड़ने का एक माध्यम है।

भारतीय एथलीट मुरली श्रीशंकर का शानदार प्रदर्शन, लंबी कूद में जीता स्वर्ण पदक

बंगलूरू। इस सत्र में पहली बार प्रतिस्पर्धा कर रहे मुरली श्रीशंकर ने शनिवार को शुरू हुई पहली इंडियन एथलेटिक्स सीरीज में पुरुषों की लंबी कूद स्पर्धा में 8.15 मीटर की कूद लगाकर खिताब अपने नाम किया। एनसीओई त्रिवेंद्रम का प्रतिनिधित्व कर रहे श्रीशंकर ने अपने चौथे प्रयास में यह कूद लगाई। 2024 में घुटने की सर्जरी के बाद वापसी करने के बाद से यह उनका अब तक का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन है। पिछले सत्र में 27 वर्षीय इस खिलाड़ी का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन 8.13 मीटर था। पेरिस ओलंपिक में हिस्सा नहीं ले सके थे श्रीशंकर श्रीशंकर को घुटने की चोट के कारण हुई सर्जरी की वजह से 2024 पेरिस ओलंपिक से बाहर रहना पड़ा था। उन्होंने पिछले साल सितंबर में टोक्यो विश्व चैंपियनशिप में भी हिस्सा लिया था, लेकिन फाइनल राउंड के लिए क्वालिफाई नहीं कर पाए थे। कांतीरवा स्टेडियम में श्रीशंकर मैदान में एकमात्र ऐसे एथलीट थे जिन्होंने आठ मीटर का आंकड़ा पार किया। बिहार के सनी कुमार 7.90 मीटर की कूद के साथ दूसरे स्थान पर रहे, जबकि कर्नाटक के पुरुषोत्तम 7.87 मीटर से तीसरे स्थान पर रहे।

यूएस क्ले कोर्ट चैंपियनशिप : थियागो टिरांटे ने टाप सीड बेन शेल्टन को हराया, कई उलटफेर

ह्यूस्टन। यूएस पुरुष क्ले कोर्ट चैंपियनशिप में अर्जेंटीना के थियागो अगस्टिन टिरांटे ने शानदार प्रदर्शन करते हुए टाप सीड बेन शेल्टन को हराकर बड़ा उलटफेर किया। टिरांटे ने पहला सेट गंवाने के बाद दमदार वापसी की और मुकाबला 6-7 (5), 6-3, 6-4 से अपने नाम किया। शुरुआती सेट में कड़ी टक्कर के बाद हार झेलने वाले टिरांटे ने अगले दो सेट में जबरदस्त नियंत्रण दिखाया। उनकी सर्विस गेम इस मैच में सबसे मजबूत पहलू रही, जहां उन्होंने अपने सभी 16 सर्विस गेम जीतकर शेल्टन को वापसी का मौका नहीं दिया। शांत और संयमित खेल के दम पर उन्होंने मुकाबले को अपने पक्ष में मोड़ लिया। दूसरी ओर, बेन शेल्टन के लिए यह हार निराशाजनक रही। फरवरी में डलास ओपन का खिताब जीतने के बाद से वह लगातार अच्छा प्रदर्शन नहीं कर पा रहे हैं और इस टूर्नामेंट में भी राउंड आफ 16 से आगे नहीं बढ़ सके। अन्य मुकाबलों में भी कई दिलचस्प नतीजे देखने को मिले। अर्जेंटीना के रोमन एंड्रेस बुरुचागा ने तीसरी वरीयता प्राप्त लर्नर टिएन को 7-5, 6-4 से हराया। वहीं, अमेरिका के टामी पाल ने टामस मार्टिन एचेवेरी को सीधे सेटों में 6-4, 6-2 से मात देकर अगले दौर में प्रवेश किया। रात के मुकाबले में दूसरी वरीयता प्राप्त फ्रांसेस टियाफो ने लगभग तीन घंटे तक चले रोमांचक मैच में एलेक्सी पोपिरिन को 3-6, 6-4, 7-6 (6) से हराया।

एक दिवसीय वर्ल्ड कप 2027 पर हार्दिक पांड्या की नजर, 10 ओवर गेंदबाजी के लिए कर रहे खास तैयारी

नई दिल्ली

भारतीय टीम के स्टार आलराउंडर हार्दिक पांड्या ने अभी से वनडे वर्ल्ड कप 2027 की तैयारियां शुरू कर दी हैं। रिपोर्ट्स के मुताबिक पांड्या ने चयनकर्ताओं और टीम मैनेजमेंट को स्पष्ट कर दिया है कि वह 2027 विश्व कप का हिस्सा बनना चाहते हैं। इसी लक्ष्य को ध्यान में रखते हुए वह पिछले कुछ महीनों से अपनी गेंदबाजी पर खास काम कर रहे हैं। टीम मैनेजमेंट और सिलेक्टर्स की सबसे बड़ी शर्त यह है कि पांड्या वनडे क्रिकेट में जरूरत पड़ने पर पूरे 10 ओवर गेंदबाजी करने के लिए पूरी तरह फिट रहें। हालांकि हर मैच में उनसे पूरा स्पेल नहीं कराया जाएगा, लेकिन टीम को जब जरूरत हो, तब वह यह जिम्मेदारी निभा सकें। यही कारण है कि पांड्या अपनी फिटनेस और वर्कलोड मैनेजमेंट पर विशेष ध्यान दे रहे हैं।

इस दिशा में उनकी प्रगति का संकेत विजय हजारे ट्राफी में देखने को मिला, जहां उन्होंने चंडीगढ़ के खिलाफ मुकाबले में पूरे 10 ओवर गेंदबाजी करते हुए तीन विकेट झटके। इस प्रदर्शन ने यह साफ कर दिया कि वह लंबा स्पेल डालने के लिए खुद को तैयार कर रहे हैं। इससे पहले न्यूजीलैंड के खिलाफ वनडे सीरीज में उन्हें इसी वजह से शामिल नहीं किया गया था क्योंकि तब वह 10 ओवर गेंदबाजी के लिए पूरी तरह फिट नहीं माने गए थे। वर्ल्ड कप 2027 दक्षिण अफ्रीका में खेला जाएगा, जहां की पिचें तेज गेंदबाजों के लिए मददगार मानी जाती हैं। ऐसे में हार्दिक पांड्या जैसे सीम-बालिंग आलराउंडर की भूमिका टीम के लिए बेहद अहम हो सकती है। हालांकि, चयनकर्ता उनकी फिटनेस को लेकर सतर्क हैं, क्योंकि वह पहले भी चोट के कारण लंबे समय तक टीम से बाहर रह चुके हैं। पांड्या के बैकअप के तौर पर चयनकर्ताओं की नजर नितीश कुमार रेड्डी पर भी बनी हुई है। उन्होंने भी घरेलू क्रिकेट में अपनी गेंदबाजी पर काम किया है और वर्कलोड बढ़ाने की कोशिश कर रहे हैं। अगर पांड्या के पिछले रिकार्ड पर नजर डालें, तो 2018 में दक्षिण अफ्रीका दौरे पर उन्होंने 6 वनडे मैचों में 44 ओवर गेंदबाजी कर 4 विकेट लिए थे और उनका इकानमी रेट 4.90 रहा था। हालांकि बल्लेबाजी में वह ज्यादा प्रभाव नहीं छोड़ सके थे। कुल मिलाकर, हार्दिक पांड्या का फोकस साफ है फिटनेस, निरंतरता और आलराउंड प्रदर्शन के दम पर वह 2027 वर्ल्ड कप में टीम इंडिया के लिए अहम भूमिका निभाना चाहते हैं।

महिला खिलाड़ी के साथ सेल्फी के बाद अचानक बदला मैग्नस कार्लसन का मूड! अधिकारी से कहकर उसका मोबाइल हटवाया

नई दिल्ली। शतरंज की दुनिया के नंबर-1 खिलाड़ी मैग्नस कार्लसन एक बार फिर चर्चा में हैं, लेकिन इस बार वजह कोई चाल या जीत नहीं, बल्कि मैच से पहले का एक अजीब वाकया है। जर्मनी के कार्लजूए में खेले जा रहे ग्रेंके चेस फ्रीस्टाइल ओपन के दौरान कार्लसन और उनकी प्रतिद्वंदी एलुए नुरमान के बीच यह घटना हुई। मैच शुरू होने से ठीक पहले नुरमान ने कार्लसन से सेल्फी की रिक्वेस्ट की। कार्लसन ने मुस्कुराते हुए इसके लिए हामी भर दी और तस्वीर भी खिंचवाई। सब कुछ सामान्य लग रहा था, लेकिन कुछ ही पलों बाद माहौल पूरी तरह बदल गया। अचानक फोन जब्त करवाया सेल्फी लेने के बाद कार्लसन अपनी सीट से उठे और एक आर्बिटर (रेफरी) को लेकर लौटे। उन्होंने इशारा किया कि नुरमान के पास फोन है, जो नियमों के खिलाफ है। इसके बाद आर्बिटर ने नुरमान से उनका फोन ले लिया और फिर मैच शुरू हुआ। इस पूरे घटनाक्रम का वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है। कई लोग इसे पहले दोस्ती, फिर सख्ती वाला पल बता रहे हैं। नियम क्या कहते हैं दरअसल, शतरंज के आधिकारिक नियमों के मुताबिक, मैच के दौरान खिलाड़ियों के पास फोन या कोई भी इलेक्ट्रानिक डिवाइस रखना सख्त मना है। ऐसे में आर्बिटर का फोन हटाना पूरी तरह नियमों के अनुरूप था। हालांकि, सोशल मीडिया पर कुछ लोग कार्लसन के इस व्यवहार को ओवर रिएक्शन भी बता रहे हैं। पहले भी दिखा चुका है गुस्सा यह पहली बार नहीं है जब कार्लसन अपने व्यवहार को लेकर चर्चा में आए हों। पिछले साल फिडे वर्ल्ड ब्लिट्ज चैंपियनशिप में भारतीय ग्रैंडमास्टर अर्जुन एरिगैसी से हारने के बाद भी उनका गुस्सा देखने को मिला था। उस मैच में हार के बाद कार्लसन ने टेबल पर हाथ मारकर अपनी नाराजगी जाहिर की थी, जिसका वीडियो भी काफी वायरल हुआ था। कार्लसन का यह नया वीडियो दिखाता है कि वे नियमों को लेकर बेहद सख्त हैं, लेकिन उनके व्यवहार पर सवाल भी उठते रहते हैं।

सीएसके में कप्तानी को लेकर बढ़ा दबाव, संजू सैमसन की एंट्री से गायकवाड़ पर नजरें

नई दिल्ली

चेन्नई सुपर किंग्स में कप्तानी को लेकर नई चर्चा शुरू हो गई है। एमएस धोनी जैसे दिग्गज कप्तान की विरासत संभालना हमेशा से चुनौतीपूर्ण रहा है और अब रुतुराज गायकवाड़ पर यह जिम्मेदारी है। हालांकि, इस सीजन में सजू सैमसन के टीम में शामिल होने के बाद कप्तानी को लेकर प्रतिस्पर्धा और दबाव बढ़ गया है। भले ही मौजूदा सीजन में गायकवाड़ ही टीम की कमान संभाल रहे हैं, लेकिन सैमसन की मौजूदगी ने माहौल बदल दिया है। क्रिकेट विशेषज्ञ माइकल वान और साइमन डूल का मानना है कि यह स्थिति गायकवाड़ के लिए मानसिक दबाव पैदा कर सकती है। वान के अनुसार, सैमसन को फ्रेंचाइजी भविष्य के कप्तान और धोनी के विकल्प के रूप में देख रही है, जिससे गायकवाड़ को अपनी जगह को लेकर सतर्क रहना पड़ सकता है। वान ने कहा कि यह एक अलग तरह की परिस्थिति है, जहां एक युवा कप्तान को अपनी भूमिका निभाते हुए यह भी ध्यान रखना होगा कि टीम में एक अनुभवी और सफल कप्तान मौजूद है। उन्होंने यह भी कहा कि गायकवाड़ को कप्तानी जारी रखने के लिए कहा जा सकता है, लेकिन इस स्थिति का उन पर असर पड़ना स्वाभाविक है। वहीं साइमन डूल ने भी इस बात से सहमति जताई कि सैमसन का टीम में आना एक बड़ा बदलाव है। सैमसन इससे पहले राजस्थान रायल के कप्तान के रूप में सफल रहे हैं और उन्होंने 2022 में टीम को फाइनल तक पहुंचाया था। उनकी कप्तानी और विकेटकीपिंग क्षमता उन्हें एक मजबूत विकल्प बनाती है। डूल का मानना है कि सैमसन के लिए भी यह स्थिति आसान नहीं होगी। टीम बदलने के बाद खुद को साबित करना और नई भूमिका में ढलना चुनौतीपूर्ण होता है। उन्होंने कहा कि सैमसन दक्षिण भारत से हैं और इस नई टीम में खुद को घर जैसा महसूस कर सकते हैं, लेकिन उनके ऊपर प्रदर्शन और भविष्य की भूमिका दोनों का दबाव रहेगा। कुल मिलाकर, चेन्नई सुपर किंग्स के भीतर यह बदलाव टीम के भविष्य को लेकर बड़ा संकेत है। अब यह देखना दिलचस्प होगा कि गायकवाड़ अपनी कप्तानी को कैसे संभालते हैं और सैमसन टीम में किस तरह की भूमिका निभाते हैं।

वेल्स में आईबी एफ वाल्टरवेट मुक्केबाजी

वेल्स में आईबी एफ वाल्टरवेट मुक्केबाजी में विरोधी पर प्रहार करती हुई लॉरेन प्राइस।

आईपीएल 2026 : अब टी20 में फिनिशर जैसी कोई भूमिका नहीं, स्टीफन फ्लेमिंग का बड़ा बयान

चेन्नई

चेन्नई सुपर किंग्स के मुख्य कोच स्टीफन फ्लेमिंग का मानना है कि आधुनिक टी20 क्रिकेट में पारंपरिक फिनिशर की भूमिका अब पहले जैसी अहम नहीं रह गई है। उनका कहना है कि आज के खेल में बल्लेबाज शुरुआत से ही आक्रामक रुख अपनाते हैं, जिससे मैच का स्वरूप पूरी तरह बदल गया है। पंजाब किंग्स के खिलाफ मिली हार के बाद फ्लेमिंग ने कहा कि अब टी20 क्रिकेट में हर बल्लेबाज पहली ही गेंद से बड़े शाट खेलने की कोशिश करता है। पहले जहां टीमें 15-16 ओवर तक पारी को संभालकर खेलती थीं और अंत में तेजी लाती थीं, अब ऐसा नहीं है। उन्होंने कहा कि मौजूदा दौर में शुरुआत से ही 10-12 रन प्रति ओवर की दर बनाए रखना जरूरी हो गया है, इसलिए टीमों को ऐसे बल्लेबाजों की जरूरत है जो पूरे मैच में आक्रामक खेल सकें।

सीएसके की टीम संरचना पर बात करते हुए फ्लेमिंग ने माना कि टीम में टाप आर्डर बल्लेबाजों की संख्या ज्यादा है, जिससे मिडिल और लोअर आर्डर में पारंपरिक फिनिशर की कमी महसूस हो सकती है। हालांकि उन्होंने भरोसा जताया कि टीम के पास पर्याप्त बल्लेबाजी ताकत मौजूद है। उन्होंने बताया कि डेवाल्ड ब्रेविस चोट के कारण बाहर हैं, जबकि महेंद्र सिंह धोनी भी फिट नहीं हैं। इन दोनों की अनुपस्थिति टीम के संतुलन को प्रभावित कर रही है। फ्लेमिंग ने संजू सैमसन का भी समर्थन किया, जो शुरुआती मुकाबलों में उम्मीद के मुताबिक प्रदर्शन नहीं कर पाए हैं। उन्होंने कहा कि सैमसन नेट्स में अच्छा अभ्यास कर रहे हैं और जब वह फार्म में आते हैं तो मैच का रुख बदलने की क्षमता रखते हैं। इसलिए उनके खराब प्रदर्शन को लेकर ज्यादा चिंता करने की जरूरत नहीं है।

कोच ने इम्पैक्ट प्लेयर नियम पर भी सवाल उठाते हुए कहा कि इससे खेल का संतुलन बल्लेबाजों के पक्ष में झुक गया है। उनका मानना है कि इस नियम ने मैच की गति और रणनीति दोनों को प्रभावित किया है, जिससे गेंदबाजों के लिए चुनौती बढ़ गई है। वहीं, पंजाब किंग्स के युवा बल्लेबाज प्रियांश आर्य की तेज पारी की भी चर्चा रही। इस पर उनके साथी शशांक सिंह ने कहा कि प्रियांश मानसिक रूप से बेहद मजबूत खिलाड़ी हैं और अपनी भूमिका को अच्छी तरह समझते हैं। उन्होंने कम उम्र में जिस तरह की परिपक्वता दिखाई है, वह काबिल-ए-तारीफ है। कुल मिलाकर, फ्लेमिंग का मानना है कि टी20 क्रिकेट का नया दौर पूरी तरह आक्रामक बल्लेबाजी का है, जहां हर खिलाड़ी को शुरुआत से अंत तक तेज रन बनाने की जिम्मेदारी निभानी होती है।

हेनरिच क्लासेन ने अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में वापसी से किया इनकार

नई दिल्ली

दक्षिण अफ्रीका के विस्फोटक बल्लेबाज हेनरिच क्लासेन ने अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में वापसी की संभावनाओं को खत्म करते हुए साफ कर दिया है कि वह अब दोबारा राष्ट्रीय टीम के लिए नहीं खेलेंगे। 34 वर्षीय क्लासेन ने यह फैसला अपने परिवार को प्राथमिकता देने के कारण लिया है। गौरतलब है कि केंद्रीय अनुबंध नहीं मिलने के बाद उन्होंने पिछले साल जून में क्रिकेट के सभी अंतरराष्ट्रीय प्रारूपों से संन्यास ले लिया था और तब से वह दुनियाभर की टी20 लीग में सक्रिय हैं।

हाल ही में इंडियन प्रीमियर लीग से जुड़े एक वीडियो में क्लासेन ने नीतिश कुमार रेड्डी के साथ बातचीत के दौरान अपने फैसले का खुलासा किया। उन्होंने बताया कि वापसी को लेकर उन्होंने करीब दो हफ्तों तक गंभीरता से विचार किया, लेकिन अंतत: यह तय किया कि अब अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में लौटना सही नहीं होगा। क्लासेन ने स्वीकार किया कि टी20 विश्व कप के दौरान अपने साथियों को अच्छा प्रदर्शन करते देख उनके मन में वापसी का विचार जरूर आया था। उन्होंने कहा कि उस समय उन्हें महसूस हुआ कि वह टीम का हिस्सा क्यों नहीं हैं और उन्होंने दोबारा खेलने की इच्छा भी जताई थी। इस दौरान उन्होंने दक्षिण अफ्रीकी कप्तान एडन मार्करम से भी बातचीत की थी।

हालांकि, क्लासेन ने बताया कि बातचीत के बाद भी स्थिति स्पष्ट नहीं हो पाई और विश्व कप के बाद उन्हें यह एहसास हुआ कि उनकी वापसी की संभावना कम है। इसके चलते उन्होंने दोबारा अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट न खेलने का अंतिम निर्णय ले लिया। बता दें कि क्लासेन ने 2024 में ही टेस्ट क्रिकेट को अलविदा कह दिया था और अब वह पूरी तरह से फ्रेंचाइजी क्रिकेट पर फोकस कर रहे हैं। उनका यह फैसला दिखाता है कि आधुनिक क्रिकेट में खिलाड़ी अपने करियर और निजी जीवन के बीच संतुलन को कितना महत्व देने लगे हैं।

पायल नाग ने जीता स्वर्ण पदक

बैंकाक। भारतीय पैरा तीरंदाजी में एक नया सितारा उभर कर सामने आया है। बैंकाक में महिला कम्पाउंड वर्ग के फाइनल में पायल नाग ने विश्व चैंपियन शीतल देवी को हराकर पैरा तीरंदाजी सीरीज में स्वर्ण पदक जीत लिया है। फाइनल में दो भारतीय आमने-सामने थे और 18 वर्षीय पायल ने ये मुकाबला 139-136 के अंतर से जीता। पायल का यह सीनियर अंतरराष्ट्रीय स्तर पर पहला स्वर्ण पदक है। 19 वर्षीय शीतल के हालिया शानदार प्रदर्शन को देखते हुए यह परिणाम और भी उल्लेखनीय है। शीतल बेहतरीन फार्म में थीं और 2025 के शानदार सीजन के बाद उन्हें विश्व तीरंदाजी की पैरा आर्चर आफ द ईयर भी चुना गया था। उन्होंने बैंकाक में भी उसी लय को बरकरार रखा और क्वालिफाइंग राउंड में 698 के शानदार स्कोर के साथ शीर्ष स्थान हासिल किया, जो कजाखस्तान की जनात ऐतिमोवा से 20 अंक अधिक था। वहीं, पायल ने 678 के स्कोर के साथ तीसरा स्थान हासिल किया था।

नईदुनिया

काशी विश्वनाथ मंदिर में स्थापित हुई विश्व की प्रथम 'विक्रमादित्य वैदिक घड़ी'

मुख्यमंत्री डॉ. यादव की पहल पर उज्जैन के बाद अब बाबा विश्वनाथ के धाम में गूंजेगी भारतीय कालगणना

राज्य ब्यूरो, नईदुनिया, भोपालः कालगणना की पावन नगरी और 'महाकाल' के केंद्र उज्जैन से निकली भारतीय संस्कृति की गौरवशाली परंपरा अब बाबा विश्वनाथ की नगरी काशी में भी जीवंत हो उठी है।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की विशेष पहल पर, भारतीय कालगणना पर आधारित विश्व की प्रथम 'विक्रमादित्य वैदिक घड़ी' को उत्तर प्रदेश के वाराणसी स्थित काशी विश्वनाथ मंदिर प्रांगण में सफलतापूर्वक स्थापित कर दिया गया है।

डॉ. यादव ने 3 अप्रैल को उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को बाबा काशी विश्वनाथ को अर्पित यह घड़ी भेंट की थी।

परंपरा और आधुनिकता का अद्भुत संगम

उज्जैन के 'महाराजा विक्रमादित्य शोधपीठ' द्वारा विकसित यह घड़ी केवल समय बताने वाला यंत्र नहीं, बल्कि भारत के प्राचीन वैज्ञानिक ज्ञान का डिजिटल पुनर्जागरण है। यह घड़ी सूर्योदय से परिचालित होती है और एक पूर्ण दिवस को 30 मुहूर्तों में विभाजित करती है। इसकी विशेषता यह है कि यह स्थान-विशिष्ट सूर्योदय और सूर्यास्त के आधार पर सटीक समय की गणना करती है। मध्यप्रदेश शासन, संस्कृति विभाग अंतर्गत महाराजा विक्रमादित्य शोधपीठ, उज्जैन द्वारा भारतीय कालगणना पर आधारित विश्व की प्रथम विक्रमादित्य वैदिक घड़ी उज्जैन में स्थापित की गई है। यह घड़ी भारत की प्राचीन कालगणना परंपरा को आधुनिक डिजिटल तकनीक के माध्यम से पुनर्स्थापित करने का एक अभिनव प्रयास है।

इसके बाद विक्रम संवत् 2083, वैशाख कृष्ण पक्ष की द्वितीया (4 अप्रैल, 2026) को इसे मंदिर परिसर में पूर्ण श्रद्धा और विधि-विधान के साथ स्थापित किया गया। यह मध्यप्रदेश सरकार के उस संकल्प की ओर एक बड़ा कदम है, जिसके तहत देश के सभी ज्योतिर्लिंग और अयोध्या के श्रीराम मंदिर में भी वैदिक घड़ी की स्थापना की जानी है।

शहीद के संघर्ष और बलिदान की गाथा भावी पीढ़ियों के लिए प्रेरणा

राज्यपाल ने धार के अमर शहीद रवींद्र सिंह राठौर की प्रतिमा का किया अनावरण

राज्य ब्यूरो, नईदुनिया, भोपालः राज्यपाल मंगुभाई पटेल ने धार जिले के गौरव, अमर शहीद नायब सूबेदार रवींद्र सिंह राठौर की प्रतिमा का रविवार को अनावरण किया। शहीद की वीरता को नमन करते हुए उन्हें पुष्पांजलि अर्पित की।

उन्होंने कहा कि शहीद की स्मृति को चिरस्थाई बनाने की यह पहल और अटूट निष्ठा अनुकरणीय है। राज्यपाल द्वारा शहीद की पत्नी श्रीमती प्रताप कंवर और उनके परिवारजन का आत्मीय सम्मान किया गया। नगर परिषद द्वारा बदनावर की माथुर कॉलोनी में नवनिर्मित शहीद पार्क में समारोह का भव्य आयोजन किया गया था।

उन्होंने बताया कि 9 जुलाई 2001 को जम्मू की सुरनकोट तहसील के जंगलों में आतंकवादियों से लोहा लेते हुए उन्होंने वीरगति प्राप्त की। उनका बलिदान धार जिले सहित पूरे देश के लिए गर्व का विषय है। कार्यक्रम के दौरान राज्यपाल ने परिसर में पौध-रोपण कर पर्यावरण-संरक्षण का संदेश दिया। समारोह में केंद्रीय राज्यमंत्री श्रीमती सावित्री ठाकुर, क्षेत्रीय विधायक श्रीमती नीना वर्मा, पूर्व मंत्री राजवर्धनसिंह दत्तीगांव, नगर परिषद अध्यक्ष मीना शेखर यादव उपस्थित रहे।

खास-खबरें

विद्युत प्रवाह बाधित होने पर तुरंत एसएमएस से करें सूचित : तोमर

भोपालः ऊर्जा मंत्री प्रद्युम्न सिंह तोमर ने सभी विद्युत वितरण कंपनियों के प्रबंध संचालकों एवं मैदानी अधिकारियों को निर्देशित किया है कि ओलावृष्टि और अतिवृष्टि जैसी प्राकृतिक आपदाओं में विद्युत अवरोध होने पर प्रभावित क्षेत्र के उपभोक्ताओं को तुरंत कारण सहित मैसेज कर सूचित करें। साथ ही उन्हें यह भी सूचित करें कि कितने समय में विद्युत आपूर्ति बहाल की जा सकेगी। श्री तोमर ने कहा है कि सामान्य दिनों की तुलना में प्राकृतिक आपदाओं के समय इस बात का विशेष ध्यान रखा जाए। उल्लेखनीय की गत दिनों ग्वालियर एवं बैतूल में ओलावृष्टि और तेज हवाओं से विद्युत प्रवाह बाधित हुआ था।

पूर्व उप प्रधानमंत्री बाबू जगजीवन राम की जयंती पर पुण्य स्मरण

भोपालः मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने स्वतंत्रता सेनानी, पूर्व उप प्रधानमंत्री, बाबू जगजीवन राम की जयंती पर उनका पुण्य स्मरण किया। डॉ. यादव ने कहा कि श्रद्धेय जगजीवन राम ने, गरीब-कमजोर व शोषित वर्ग के उत्थान के लिए आवाज उठाई और उनके कल्याण के प्रयासों में जीवन समर्पित कर दिया।

स्वावलंबी गौशालाओं की स्थापना नीति-2025 लागू

भोपालः मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने रविवार को प्रदेश में पशुपालन के क्षेत्र में किए जा रहे प्रयासों को लेकर जानकारी दी। उन्होंने कहा कि सरकार किसानों को आत्मनिर्भर बनाने के लिए विभिन्न योजनाओं के माध्यम से पशुपालन और दुग्ध उत्पादन को बढ़ावा दे रही है। 2028 तक प्रदेश को देश की मिल्क कैपिटल बनाने का लक्ष्य रखा गया है। मुख्यमंत्री ने 'स्वावलंबी गौशालाओं की स्थापना नीति-2025' का ऐलान किया। इसके तहत नगरीय क्षेत्रों में 5000 से अधिक क्षमता वाली गौशालाओं का निर्माण किया जाएगा।

सिंधिया ने सुनी जनता की समस्याएं 280 मामलों का मौके पर समाधान

जनसुनवाई में आयुष्मान भारत, बीपीएल कार्ड, लाड़ली लक्ष्मी योजना पर विशेष ध्यान

नईदुनिया प्रतिनिधि, भोपालः केंद्रीय संचार एवं पूर्वोत्तर क्षेत्र विकास मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने रविवार को अशोकनगर जिले के ईसागढ़ में आयोजित जनसुनवाई कार्यक्रम में 950 आवेदनों में से 280 का मौके पर समाधान किया। शेष मामलों के लिए संबंधित अधिकारियों को शीघ्र समाधान के निर्देश दिए गए।

जनसुनवाई में प्रियंका को दिल्ली पुलिस भर्ती के लिए जाति प्रमाण पत्र और एक पात्र हितग्राही को प्रधानमंत्री आवास योजना का लाभ दिलाया गया। इसके अलावा कई दस्तावेजों से जुड़े मामलों का तत्काल समाधान किया गया। कार्यक्रम में टोकन प्रणाली के माध्यम से सुव्यवस्थित पंजीकरण किया गया, जिससे आवेदकों को अपनी समस्याएं आसानी से प्रस्तुत करने का मौका मिला।

केंद्रीय मंत्री ने अधिकारियों से कहा कि सभी मामलों का समाधान किया जाए और यदि किसी कारणवश समाधान न हो, तो उसका स्पष्ट कारण बताया जाए। आयुष्मान भारत योजना, बीपीएल कार्ड, लाड़ली लक्ष्मी योजना जैसी जनकल्याणकारी योजनाओं के आवेदन पर भी विशेष ध्यान दिया गया।

श्री सिंधिया ने जल गंगा संवर्धन अभियान के तहत ईसागढ़ की प्राचीन फूंक बावड़ी और किले का निरीक्षण किया और सफाई कार्य की सराहना की। उन्होंने कहा कि इन धरोहरों को चंदेरी की तरह संवारा जाएगा।

मंत्री भूरिया ने किया खरडू बैराज का भूमिपूजन

नईदुनिया प्रतिनिधि, भोपालः महिला एवं बाल विकास मंत्री सुश्री निर्मला भूरिया ने रविवार को झाबुआ जिले के ग्राम खरडू छोटी में बैराज निर्माण कार्य का भूमि पूजन किया। इस अवसर पर बताया गया कि जल संसाधन विभाग द्वारा 465.45 लाख रुपये की लागत से निर्मित होने वाली इस परियोजना के पूरा होने पर लगभग 280 हेक्टेयर कृषि भूमि को सिंचाई सुविधा उपलब्ध कराई जाएगी। इससे क्षेत्र में कृषि उत्पादन बढ़ेगा और किसानों की आय में उल्लेखनीय वृद्धि होगी।

सुश्री भूरिया ने कहा कि वर्ष 2026 को 'कृषि कल्याण वर्ष' के रूप में मनाया जा रहा है। इस वर्ष किसानों की आय वृद्धि, सिंचाई सुविधाओं के विस्तार और कृषि आधारित गतिविधियों को बढ़ावा देने के विशेष प्रयास किए जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि प्रदेश सरकार किसानों और ग्रामीण विकास को सर्वोच्च प्राथमिकता देती है।

उन्होंने यह भी कहा कि बैराज निर्माण से जल संरक्षण, भूजल स्तर में सुधार और भविष्य में जल की पर्याप्त उपलब्धता सुनिश्चित होगी। मंत्री ने उपस्थित किसानों से शासन की योजनाओं का अधिकतम लाभ लेने का आह्वान किया। कार्यक्रम में सरपंच सविता अमनसिंह मेड़ा, मंडल अध्यक्ष राजेश पारगी, जिला पंचायत सदस्य वालसिंह मसानिया उपस्थित रहे।

मध्य विधानसभा का अगला विधायक वंदे मातरम् गाने वाला होः सूर्यवंशी

नईदुनिया प्रतिनिधि, भोपालः रविवार को वार्ड 51 शाहपुरा सी सेक्टर में नगर निगम अध्यक्ष किशन सूर्यवंशी ने पार्क और सीमेंट क्रांकीट सड़क का भूमिपूजन किया। इस अवसर पर भोपाल संगठन के प्रभारी जसवंत सिंह हाड़ा और क्षेत्रीय पार्षद स्नेहलता भगवत रघुवंशी भी उपस्थित रहे।

भूमिपूजन के दौरान किशन सूर्यवंशी ने कहा कि जब विधायक जनता से वोट लेते हैं, तो वे आरती करते हैं, तिलक करवाते हैं और माता की चुनरी ओढ़ लेते हैं, लेकिन चुनाव जीतने के बाद वंदे मातरम् गाने से इनकार कर देते हैं। उन्होंने जनता से अपील की कि अगली बार मध्य विधानसभा का विधायक वंदे मातरम् गाने वाला चुना जाए। श्री सूर्यवंशी ने भाजपा के जनप्रतिनिधियों और सरकार द्वारा किए जा रहे विकास कार्यों पर प्रकाश डालते हुए कहा कि ये प्रयास नागरिकों की जीवन गुणवत्ता को बेहतर बनाने में सहायक हैं। कार्यक्रम में जसवंत सिंह हाड़ा और विकास विरानी ने भी उपस्थित लोगों को संबोधित किया और पार्षद द्वारा किए जा रहे विकास कार्यों की सराहना की।

इस अवसर पर हीरेंद्र सिंह, गुंजन चौकसे, पीयूष सिसोदिया, श्याम मोहन श्रीवास्तव, आशाराम शर्मा और दीनेश पांडेय मौजूद थे। भूमिपूजन कार्यक्रम ने स्थानीय नागरिकों में उत्साह और उम्मीद जगाई कि भविष्य में विकास कार्यों की निरंतरता बनी रहेगी।

सशक्त हो रही पंचायती राज संस्थाएं प्रदेश में 14 जिलों का उत्कृष्ट प्रदर्शन

राज्य ब्यूरो, नईदुनिया, भोपाल मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के प्रयासों से मध्यप्रदेश की पंचायती राज संस्थाएं लगातार सशक्त हो रही हैं। केंद्र सरकार की योजनाओं के सहयोग से पंचायतें विकास कार्यों को प्रभावी रूप से लागू कर रही हैं। राष्ट्रीय ग्राम स्वराज अभियान और पंचायत प्रोत्साहन योजना में प्रदेश ने बेहतर प्रदर्शन किया है।

पंचायत प्रोत्साहन योजना के तहत उत्कृष्ट कार्य करने वाली पंचायतों को वित्तीय प्रोत्साहन और पुरस्कार दिए जा रहे हैं। भोपाल, नरसिंहपुर, सागर, छतरपुर, सीधी, हरदा, उज्जैन, जबलपुर, इंदौर, नीमच, गुना, ग्वालियर और झाबुआ सहित 14 जिलों ने उल्लेखनीय प्रदर्शन किया है।

प्रदेश की ग्राम पंचायतों में केंद्रीय वित्त आयोग के अनुदानों से 16,773 परियोजनाएं पूर्ण की जा चुकी हैं। इन कार्यों में स्वच्छता, पेयजल, कचरा प्रबंधन और वर्षा जल संचयन जैसे बुनियादी सेवाओं पर विशेष ध्यान दिया गया है।

पंचायती राज संस्थाओं के प्रतिनिधियों और पदाधिकारियों के क्षमता निर्माण के लिए 9 लाख से अधिक लोगों को आईआईएम, आईआईटी और अन्य संस्थानों के सहयोग से प्रशिक्षण दिया गया है। इसका उद्देश्य नेतृत्व, वित्तीय प्रबंधन और निर्णय क्षमता को मजबूत करना है।

ई-गवर्नेंस को बढ़ावा देते हुए ई-ग्रामस्वराज जैसे डिजिटल प्लेटफॉर्म लागू किए गए हैं। प्रदेश की 99.85 प्रतिशत ग्राम पंचायतों ने अपनी विकास योजनाएं ऑनलाइन अपलोड की हैं, जिससे पारदर्शिता और कार्यदक्षता में वृद्धि हुई है।

पेट्रोलियम उत्पादों की आपूर्ति सामान्य 3552 एलपीजी सिलेंडर जब्त

खाद्य मंत्री ने कालाबाजारी रोकने और पीएनजी कनेक्शन विस्तार पर जोर दिया

राज्य ब्यूरो, नईदुनिया, भोपाल खाद्य, नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता संरक्षण मंत्री गोविंद सिंह राजपूत ने कहा कि प्रदेश में पेट्रोलियम उत्पादों की आपूर्ति पूरी तरह सामान्य है।

कच्चे तेल के पर्याप्त भंडार और रिफाइनरियों की पूर्ण क्षमता संचालन के कारण एलपीजी, पेट्रोल, डीजल, पीएनजी और सीएनजी की सप्लाई निरंतर हो रही है। उन्होंने लोगों से अफवाहों पर ध्यान न देने और पैनिक बाइंग से बचने की अपील की।

कालाबाजारी रोकने के लिए आवश्यक वस्तु अधिनियम के तहत 2693 स्थानों पर जांच की गई, जिसमें 3552 एलपीजी सिलेंडर जब्त और 10 मामलों में एफआईआर दर्ज की गई। 666

पेट्रोल पंपों की जांच में 2 मामलों में एफआईआर दर्ज हुई। घरेलू गैस उपभोक्ताओं को उनकी बुकिंग के अनुसार सिलेंडर उपलब्ध कराए जा रहे हैं, जबकि वाणिज्यिक उपभोक्ताओं को शासन द्वारा निर्धारित प्राथमिकता के अनुसार गैस आपूर्ति की जा रही है।

प्रदेश में पेट्रोल और डीजल की आपूर्ति सुचारु है और कंपनियों के डिपो नियमित रूप से आपूर्ति कर रहे हैं। बढ़ती मांग को देखते हुए डिपो अधिक समय तक संचालन में हैं।

सिटी गैस डिस्ट्रीब्यूशन संस्थाओं को पीएनजी कनेक्शन विस्तार के निर्देश दिए गए हैं। इसके लिए जिलेवार और लोकेलिटीवाइज कैम्प शेड्यूल, आवेदन और कनेक्शन की सतत मॉनीटरिंग की जा रही है। नगरीय प्रशासन, पंचायत एवं ग्रामीण विकास और अन्य विभाग सीजीडी संस्थाओं को 24 घंटे में पाइपलाइन बिछाने की आरओयू अनुमति प्रदान करेंगे, ताकि उपभोक्ताओं को समय पर पीएनजी कनेक्शन मिल सके।

किसानों की समृद्धि के लिए सरकार के प्रयास जारीः कंषाना

राज्य ब्यूरो, नईदुनिया, भोपाल किसान कल्याण एवं कृषि विकास मंत्री एदल सिंह कंषाना ने कहा कि मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व में प्रदेश सरकार किसानों की समृद्धि और खुशहाली के लिए लगातार प्रयास कर रही है। वर्ष 2026 को कृषक कल्याण वर्ष के रूप में मनाते हुए किसानों को आर्थिक रूप से सशक्त बनाने पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है।

मंत्री ने बताया कि राज्य सरकार श्रीअन्न उत्पादन बढ़ाने की रणनीति पर कार्य कर रही है। जनजातीय क्षेत्रों में कोदो-कुटकी जैसी पारंपरिक फसलों के संवर्धन को बढ़ावा दिया जा रहा है। साथ ही सिताही, कुटकी, नागदमन कुटकी और बैंगनी अरहर को जीआई टैग दिलाने के लिए प्रस्ताव भेजे गए हैं। रानी दुर्गावती श्रीअन्न प्रोत्साहन योजना के माध्यम से किसानों को लाभ दिया जा रहा है। किसानों को आर्थिक सहायता के तहत सालाना 12 हजार रुपये सम्मान निधि प्रदान की जा रही है, जिसमें प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि और मुख्यमंत्री किसान कल्याण योजना शामिल हैं। वर्ष 2025-26 में 84 लाख से अधिक किसानों को 3350 करोड़ रुपये की राशि वितरित की गई है।

फसलों के उचित मूल्य सुनिश्चित करने के लिए सरकार प्रतिबद्ध है। प्रदेश में गेहूं की खरीदी 2615 रुपये प्रति क्विंटल की दर से की जाएगी, जिसमें न्यूनतम समर्थन मूल्य और बोनस शामिल है। विभिन्न संभागों में 10 और 15 अप्रैल से खरीदी शुरू होगी। इसके अलावा सरसों के लिए भावांतर योजना और तुअर की शत-प्रतिशत सरकारी खरीदी की व्यवस्था की गई है। किसानों को पशुपालन, मत्स्य पालन और उद्यानिकी जैसी गतिविधियों से आय बढ़ाने के लिए भी प्रेरित किया जा रहा है।

योगदान गंगा की स्वच्छता में निभा रहे अहम भूमिका...

चंबल के कछुए बने 'प्राकृतिक सफाई-योद्धा'

राज्य ब्यूरो, नईदुनिया, भोपालः मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि प्रदेश सरकार जल स्रोतों और वन्यजीवों के संरक्षण के लिए लगातार प्रयास कर रही है। विशेष रूप से चंबल नदी में संरक्षित कछुओं का संरक्षण, जलीय पारिस्थितिकी तंत्र को सशक्त और संतुलित बनाए रखने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है। कछुए प्राकृतिक रूप से जैविक कचरे और सड़े-गले अवशेषों को खाते हैं, जिससे गंगा की स्वच्छता और जैव विविधता में सुधार हो रहा है।

नमामि गंगे मिशन के तहत चंबल के दुर्लभ कछुए अब गंगा नदी की सफाई में सक्रिय भूमिका निभा रहे हैं। 26 अप्रैल 2025 को 20 'रेड क्राउन रूफ्ड टर्टल'

(बटागुर कछुए) उत्तर प्रदेश के हैदरपुर वेटलैंड और गंगा की मुख्य धारा में छोड़े गए थे। इन कछुओं को गंगा के विभिन्न हिस्सों में छोड़ा जा रहा है, जिससे नदी की प्राकृतिक सफाई में मदद मिल रही है।

विशेषज्ञों का कहना है कि ये कछुए नदी में मौजूद सड़े-गले जैविक पदार्थों और मृत जीवों को खाकर पानी की गुणवत्ता को बेहतर बनाते हैं। कछुओं के कारण नदी का पारिस्थितिकी तंत्र संतुलित रहता है, और इससे जैविक कचरे का निपटान भी होता है, जिसे मशीनों से साफ करना कठिन होता है।

गंगा में कछुए छोड़ने से जल गुणवत्ता में सकारात्मक बदलाव देखा गया है। वाराणसी और पटना जैसे शहरों में जल की गुणवत्ता में सुधार हुआ है, जहां बीओडी और एफसी स्तर में कमी आई है। हैदरपुर वेटलैंड में कछुओं की जीवित रहने की दर 50 प्रतिशत से अधिक दर्ज की गई है, जो गंगा नदी के स्वास्थ्य में सुधार का संकेत है। चंबल में कुल नौ दुर्लभ कछुए प्रजातियां पाई जाती हैं, जिनमें बटागुर कछुआ प्रमुख है। इन कछुओं का संरक्षण गंगा की सफाई और पारिस्थितिकी तंत्र के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण साबित हो रहा है।

विधानसभा के पूर्व अध्यक्ष यज्ञदत्त शर्मा को पुष्पांजलि अर्पित की

राज्य ब्यूरो, नईदुनिया, भोपालः मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने मध्यप्रदेश विधानसभा के पूर्व अध्यक्ष स्व. यज्ञदत्त शर्मा की जयंती पर विधानसभा में उनके चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित कर उनका स्मरण किया।

पुष्पांजलि कार्यक्रम में विधानसभा अध्यक्ष नरेन्द्र सिंह तोमर, स्व. श्री शर्मा के परिजन, विशेष रूप से उपस्थित थे। डॉ. यादव ने कहा कि स्व. श्री शर्मा ने जनकल्याण के दायित्वों का सफलतापूर्वक निर्वहन किया। स्व. यज्ञदत्त शर्मा, मप्र विधानसभा के सम्मानित पूर्व अध्यक्ष थे। सदन की गरिमा और लोकतंत्र की मर्यादा को हमेशा बनाए रखा। अपने लम्बे राजनीतिक जीवन में सादगी, ईमानदारी और कर्तव्यनिष्ठा का आदर्श उदाहरण प्रस्तुत किया।

मेसर्स दैनिक नईदुनिया के लिए प्रकाशक अपूर्व तिवारी के द्वारा 2, इंदिरा प्रेस काम्पलेक्स, महाराणा प्रताप नगर, ज़ोन-1,भोपाल-462011 से प्रकाशित एवं मुद्रक डॉ. विश्वास तिवारी के द्वारा नईदुनिया प. प्रा.लि., 2, इंदिरा प्रेस काम्पलेक्स, महाराणा प्रताप नगर, ज़ोन-1, भोपाल-462011 से मुद्रित। प्रबंध संपादक: डॉ. सुरेन्द्र तिवारी एवं संपादक: अपूर्व तिवारी। *
फोन-0755-2550900-01, e-mail : naidunia@gmail.com (* समाचार पत्र से संबंधित सभी प्रकार के विवादों के लिए न्याय क्षेत्र सिर्फ भोपाल होगा।) आर.एन.आई. रजि. क्र. 47694/88, www.naiduniaonline.com